डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
रविवार
16.10.2022
कार्तिक कृष्ण पक्ष 07
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
जिस तरह से माचिस किसी दूसरी चीज को जलाने से पहले खुद जलती है, उसी प्रकार गुस्सा भी पहले दूसरे को नुकसान पहुंचाने से पहले खुद को हानि पहुंचाता है।

www.rastriyanaveenmail.com | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-29 अंक-03 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

देश ने गुलामी के समय से चले आ रहे डेढ़ हजार से ज्यादा पुराने कानूनों को रद्द किया : पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये कानून मंत्रियों और कानून सचिवों के अखिल भारतीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारे समाज को अप्रचलित सामाजिक कानूनों से मुक्ति मिल गयी क्योंकि हम जानते हैं कि अगर वे रूढ़िवादी बन जाते तो उन्नति में बाधक साबित होते। उन्होंने कहा कि आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तब लोकहित को लेकर सरदार पटेल की प्रेरणा हमें सही दिशा में भी ले जायेगी और हमें लक्ष्य तक भी पहुंचायेगी। भारत के समाज की विकास यात्रा हजारों वर्षों की है। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय समाज ने निरंतर प्रगति की है। देश के लोगों को सरकार का अभाव भी नहीं लगना चाहिए और देश के लोगों को सरकार का दबाव भी महसूस नहीं होना चाहिए। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में इवनिंग अदालतों की शुरुआत करने और फिर उसकी सफलता का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इससे लोगों का समय भी बचता था और मामले की सुनवाई भी तेजी से होती थी। उन्होंने कहा कि लोक अदालतें भी देश में त्वरित न्याय का एक और माध्यम बनी हैं और कई राज्यों में इसे लेकर बहुत अच्छा काम भी हुआ है। उन्होंने कहा कि लोक अदालतों के माध्यम से देश में बीते वर्षों में लाखों मामलों को सुलझाया गया है। इनसे अदालतों का बोझ भी बहुत कम हुआ है और खासतौर पर गांव में रहने वाले लोगों को, गरीबों को न्याय मिलना भी बहुत आसान हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कानून बनाने का मकसद कितना ही अच्छा हो, लेकिन अगर उसमें ही भ्रम और स्पष्टता का अभाव होगा तो इसका बहुत बड़ा खामियाजा भविष्य में आम नागरिकों को उठाना पड़ता है और इस चक्कर में आम नागरिकों को बहुत सारा धन खर्च करके न्याय प्राप्त करने के लिए इधर-उधर दौड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कानून जब सामान्य जन की समझ में आता है तो उसका प्रभाव ही कुछ और होता है। इसलिए कानून बनाते समय हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि गरीब से गरीब भी नये बननेवाले कानून को अच्छी तरह समझ पायें। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक के लिए कानून की भाषा बाधा न बने, हर राज्य इसके लिए भी काम करे। युवाओं के लिए मातृभाषा में अकादमिक प्रणाली (एकेडमिक सिस्टम) भी बनानी होगी, कानून से जुड़े पाठ्यक्रम मातृभाषा में हो, हमारे कानून सरल एवं सहज भाषा में लिखे जायें, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण मामलों की डिजिटल लाइब्रेरी स्थानीय भाषा में हो, इसके लिये हमें काम करना होगा। प्रधानमंत्री ने कई देशों का हवाला देते हुए कहा कि भारत में भी कानूनों के प्रभावी रहने की एक समयसीमा होनी चाहिए और देश को इसी भावना से आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले कुछ सालों के भीतर देश में डेढ़ हजार से अधिक पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया है और आजादी के अमृतकाल में राज्यों को भी इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए गुलामी के समय से चले आ रहे तथा अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को खत्म करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के समय के कई पुराने कानून अभी भी राज्यों में चल रहे हैं और आजादी के अमृतकाल में गुलामी के समय से चले आ रहे इन कानूनों को समाप्त करके नये कानून आज की तारीख के हिसाब से बनाये जाना जरूरी है।

प्रधानमंत्री कल पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर सोमवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नयी दिल्ली में लगभग 11:30 बजे दो दिवसीय कार्यक्रम पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का उद्घाटन करेंगे। यह आयोजन देशभर के 13,500 से अधिक किसानों और लगभग 1500 कृषि स्टार्ट अप्स को एक मंच पर लायेगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से एक करोड़ से अधिक किसानों के वर्चुअली रूप से शामिल होने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों की भागीदारी भी होगी। प्रधानमंत्री रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) का उद्घाटन करेंगे। इस योजना के तहत देश में उर्वरक की खुदरा दुकानों को चरणबद्ध तरीके से पीएमकेएसके में परिवर्तित किया जायेगा। पीएमकेएसके किसानों की विभिन्न अनेक प्रकार की जरूरतों को पूरा करेंगे और कृषि-सामग्रियों (उर्वरक, बीज, उपकरणों) मिट्टी, बीज व उर्वरकों के लिए परीक्षण सुविधाएं; किसानों में जागरूकता पैदा करना, विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना और ब्लॉक/जिला स्तर के केंद्रों पर खुदरा विक्रेताओं के लिए नियमित क्षमता निर्माण सुनिश्चित करना जैसी सुविधाएं उपलब्ध करायेंगे। 3.3 लाख से अधिक खुदरा उर्वरक दुकानों को पीएमकेएसके में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है। इस आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना- एक राष्ट्र एक उर्वरक का भी शुभारंभ करेंगे। इस योजना के तहत, प्रधानमंत्री भारत यूरिया बैग्स लॉन्च करेंगे जो कंपनियों को एकल ब्रांड नाम भारत के तहत उर्वरकों के विपणन में मदद करेगी। किसानों के कल्याण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री इस आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 16 हजार करोड़ रुपये की 12वीं किस्त जारी करेंगे। इस योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को दो-दो हजार रुपये की तीन समान किस्तों में छह हजार रुपये प्रतिवर्ष का लाभ उपलब्ध कराया जाता है। अभी तक पात्र किसान परिवारों को पीएम-किसान के योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ प्राप्त हो चुका है।

सीएम हेमंत ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया बल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पंचायतों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा है कि अगर पंचायतें मजबूत होंगी तो गांव, प्रखंड, जिला और राज्य मजबूत होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी गति आयेगी। गांव, पंचायतों को सशक्त करना होगा। उन्होंने रांची में एक प्रेसवार्ता में कहा कि अब जल्दी ही हम पंचायत के जनप्रतिनिधियों संग बैठक कर पंचायतों को सबल किया जायेगा। मानकी, मुंडा, परगनैत की भूमिका सुनिश्चित होने के अलावे पंचायती व्यवस्था दुरुस्त होगी। श्री सोरेन ने राज्य में कुड़मी समुदाय द्वारा एसटी में शामिल किये जाने के मसले पर कहा कि इस पर राजनीतिक लोग राजनीतिक रोटी सेंकने में लगे हैं। इसमें कोई खास बात नहीं है। राज्य में 1932 के खतियान को लेकर जो चिंतायें हैं, उससे किसी को निराश नहीं होना है और जो भी इस राज्य में रह रहे हैं, यहां के आदिवासी-मूलवासी हैं, उन्हें ध्यान में रखकर ही सरकार आगे बढ़ेगी। 1932 संवेदनशील मुद्दा रहा है और विपक्ष इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास करते रहे हैं। पूर्व की सरकार में तो इसे लेकर लोग एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गये, लेकिन अब जो पहल हुई है उससे लोग होली की तरह खुशियों के रंग में सरोबार हो रहे हैं। सबों ने इसका स्वागत किया है। पिछले दिनों लातेहार में टाना भगत और जिला प्रशासन की टकराहट के मुद्दे पर सीएम ने कहा कि टाना भगतों से उनका बेहद नजदीकी संबंध रहा है और वे ऐसा करनेवाले समूह के नहीं हैं। जो घटना हुई है, उस पर जांच जारी है। इसे गंभीरता से देखा जा रहा है। कुछ लोग ऐसे हैं जो इनके बीच घुस कर पूरे समुदाय को बदनाम करने में लगे हैं। झामुमो के घोषणा पत्र में शामिल युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिये जाने के सवाल पर श्री सोरेन ने कहा कि वे इससे आगे की सोच रहे हैं और वह चाहते हैं कि भत्ता दिये जाने के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

दीपावली और छठ पर केवल दो घंटे ही फूटेंगे पटाखे, आदेश जारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद दीपावली और छठ में होनेवाले वायु प्रदूषण को लेकर गंभीर है। इसे लेकर उसकी ओर से वायु प्रदूषण (ध्वनि समेत अन्य) को नियंत्रित रखने के संबंध में जरूरी आदेश जारी किये गये हैं। पर्षद के सदस्य सचिव यतींद्र कुमार दास ने जारी आदेश में कहा है कि दीपावली के दिन पटाखे मात्र दो घंटे ही चलाये जा सकेंगे। इसके लिये रात आठ बजे से 10 बजे का समय तय किया गया है। आदेश में कहा गया है कि झारखंड के सभी जिलों के शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता स्तर इस वर्ष अच्छा या संतोषजनक श्रेणी में आते हैं। ऐसे में वहां पटाखों की बिक्री की जा सकेगी जिनकी ध्वनि सीमा 125 डीबी से कम हो। पटाखे भी मात्र दो ही घंटे जलाये जायेंगे। छठ, क्रिसमस, गुरुपर्व और नववर्ष के मौकों पर भी दो घंटे पटाखे चलाने की अनुमति होगी। पार्षद के मुताबिक पटाखे बेचने और जलाये जाने के मामले में जारी आदेश का पालन जरूरी है। नहीं मानने पर आईपीसी की धारा 188 एवं वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 37 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत विधि सम्मत कार्रवाई संबंधित जिलों के डीसी के स्तर से की जायेगी। पर्षद ने दीपावली की रात 8 से 10 तक पटाखे चलाने को कहा है। साथ ही गुरुपर्व पर भी यही समय सीमा रहेगी। छठ में प्रातः छह से आठ बजे तक तथा क्रिसमस और नववर्ष के दिन मध्य रात्रि 11.55 से मध्य रात्रि 12.30 तक ही इसकी इजाजत रहेगी। इस आदेश का पालन हर हाल में करना होगा।

जेल में बंद अपराधी अमन साहू ने मेदिनीनगर सेंट्रल जेल के सुपरिटेंडेंट को दी

जान से मारने की धमकी

मेदिनीनगर। सेंट्रल जेल में बंद अपराधी अमन साहू एक बार फिर से चर्चा में है। इस बार मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में बंदी रहते हुए उसने यहां के सुपरिटेंडेंट जितेंद्र कुमार को जान से मारने की धमकी दे दी है। धमकी मिलने के बाद सुपरिटेंडेंट द्वारा इस संबंध में लिखित शिकायत पलामू के एसपी चंदन कुमार सिन्हा से की है। एसपी श्री सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इंक्वायरी शुरू कर दी गई है। कार्रवाई की जा रही है। बताते चलें कि पिछले महीने 17 सितंबर को कोयलांचल सहित पलामू, लातेहार, चतरा में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर चर्चा में आए अमन साहू को मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया था। जेल में रहते हुए अमन साहू ने अपने काले सम्राज्य को बनाए रखने के लिए सुपरिटेंडेंट पर दबाव डाला और सेंट्रल जेल में मोबाइल इस्तेमाल करने के लिए कहा। इस पर

मना करने पर अमन साहू ने मोबाइल के अलावा अन्य माध्यमों से सुपरिटेंडेंट को धमकी दिलाई। सुपरिटेंडेंट जितेन्द्र कुमार ने बातचीत के दौरान कहा कि मोबाइल के अलावा अन्य डिजिटल माध्यम से धमकी दी गयी है। इस संबंध में लिखित जानकारी जिले के एसपी को दे दी है। कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू पर 50 से ज्यादा आपराधिक मामले पलामू के अलावा राज्य के विभिन्न थानों में दर्ज है। हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट से संबंधित मामले हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के थाना में कोयला व्यवसायी से रंगदारी मांगने का मामला दर्ज है। कोयलांचल का यह डॉन जेल के अंदर से भी अपने गैंग को चला रहा है। अमन साहू पर लगाम लगाने के लिए लगातार एक जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट करने की कार्रवाई की जा रही है। पिछले चार महीने के दौरान अमन साहू को तीन जेलों में शिफ्ट किया गया है। 23 जुलाई 2022 को गिरिडीह जेल से अपराधी अमन को सिमडेगा जेल भेजा गया। सुरक्षा कारणों से उसे गत 17 सितंबर को पलामू में मेदिनीनगर सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया। अमन साहू ने पलामू के मोहम्दगंज में पिछले साल रेलवे का थर्ड लाइन बना रही कंपनी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की दो टूक

अगर भारतीय सेना पर कोई आंख उठाकर देखेगा तो उसे करारा जवाब मिलेगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के आठों राज्यों को 'अष्टलक्ष्मी' का स्वरूप मानती है, लेकिन आजादी के बाद से लंबे समय तक ये उपेक्षा और विकास के अभाव को झेलते रहे। सिंह ने शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में पूर्वोत्तर में शांति स्थापित कर विकास को गति दी है। सरकार की नीतियों के चलते क्षेत्र में हिंसा की घटनाओं में लगभग 80-90 फीसदी की कमी आयी है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति की स्थापना के कारण ही यह संभव हो सका कि आज लगभग 80 फीसदी इलाकों में अफस्पा हटाया जा चुका है। यह तभी संभव हो सका क्योंकि पूर्वोत्तर राज्यों में न केवल शांति आयी बल्कि स्थिरता भी नजर आयी है। हर राज्य को सीधे हवाई संपर्क से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में असम का विकास और भी तेजी से होना सभी के हित में है, क्योंकि असम न केवल नार्थ-ईस्ट इंडिया का गेटवे है, बल्कि भारत के पूर्वी एशियाई देशों के साथ बढ़ रही राजनीतिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि आपमें से कई लोगों को संभवतः इस बात की भी जानकारी होगी कि भारत को थाईलैंड से हाइवे के रास्ते जोड़ने की महत्वकांक्षी परियोजना का काम चल रहा है। जिस दिन यह परियोजना पूरी होगी, पूरे नार्थ-ईस्ट का कायाकल्प हो जायेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में व्यापार सुगमता को बढ़ाया जा रहा है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार किया जा रहा है और असम में 15 नये मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। गुवाहाटी में भी एम्स खोला गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर का प्रत्येक राज्य सैन्य दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और यहां के लोगों ने सभी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

हथियार के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना की पुलिस ने किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे चार अपराधियो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसकी जानकारी देते हुए चैनपुर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने बताया कि शनिवार को चैनपुर थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिला था कि चैनपुर थाना क्षेत्र के जयनगरा बाजार में चार अपराधी किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हथियार के साथ घूम रहे हैं। जानकारी मिलने पर चैनपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद पुलिस जयनगरा गाँव पहुंचकर घटना को अंजाम देने वाले चारों अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल और कुछ जिंदा गोली बरामद ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पुलिस की दबिश से जिले में नक्सली गतिविधि पर अंकुश

समय-समय पर चलाये जा रहे हैं अभियान : एसपी

बूढ़ा पहाड़ में छिपा कर रखा चार केन बम व दवा बरामद

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। नक्सलियों के खिलाफ पुलिस व सीआरपीएफ-172 बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे अभियान के दौरान शनिवार को भंडरिया थाना क्षेत्र के तुमेरा गांव से करीब एक किलोमीटर दूर जंगल में नक्सलियों द्वारा छिपा कर रखे गए चार केन बम, विस्फोट में प्रयोग किए जाने वाला तीन सौ मीटर तार सहित विभिन्न प्रकार के अंग्रेजी ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

उड़ान योजना की गजबे उड़ान

दिल्ली से दुबई 11,690 रुपये में जबकि दिल्ली से दरभंगा 21,420 रुपये में

- आरएनएम

नयी दिल्ली। त्योहार में घर से बाहर रहनेवाले लोग त्योहार में वापस घर जाते हैं। वह चाहे नौकरी वाले हों या विद्यार्थी हों या मिल या निर्माण कार्य में या कहीं और मजदूरी करनेवाले। ऐसे समय में ट्रेन में आरक्षण नहीं मिलता, हवाई जहाज में टिकट इतना महंगा हो जाता है कि भारत में कहीं जाने का किराया दिल्ली से दुबई या ऐसे ही अन्य जगह जाने के किराये के कई गुना हो जाता है। एयरलांइस कंपनियों के अच्छे दिन आ जाते हैं। खूब किराया बढ़ाती हैं और मालामाल होती हैं। उनको बोलने वाला, उन पर अंकुश लगानेवाला कोई नहीं होता है। इस समय दिवाली व उसके बाद छठ के पर्व आनेवाले हैं। बिहार जानेवालों को रेलवे से लेकर हवाई जहाज तक में टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। लोग महंगे दर पर बस और कार बुक कराकर जाने का जोखिम उठा रहे हैं। हवाई जहाज कंपनियों किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया है। इसको लेकर बिहार सरकार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

शोपियां में आतंकियों ने कश्मीरी पंडित की गोली मारकर की हत्या

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से कश्मीरी पंडित को निशाना बनाया गया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने एक कश्मीरी पंडित की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरन कृष्ण पर दक्षिण कश्मीर जिले के चौधरी गुंड इलाके में उनके आवास के निकट हमला किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जख्मी कृष्ण को शोपियां अस्पताल ले जाने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि भट को उस समय गोली मार दी गयी जब वह बाग में थे जो उनके घर से आधे किमी से अधिक दूर है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी करके हमलावरों का पता लगाने के लिए छापेमारी शुरू कर दी। आतंकवादियों ने इस साल 12 से अधिक नागरिकों की लक्षित हत्याएं की हैं जिनमें ज्यादातर गैर स्थानीय, कश्मीरी पंडित और पंचायत सदस्य हैं।

न्यूज गैलरी

आज पूर्व सैनिक बैंक कर्मियों के साथ करेंगे बैठक

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के सभी पेंशनरों की पेंशन संबंधित समस्याओं पर चर्चा के लिए हुसैनाबाद स्थित पूर्व सैनिक सेवा परिषद के कार्यालय में 16 अक्टूबर 2022 दिन रविवार को सुबह 10: 00 बजे एसबीआई के शाखा प्रबंधक के साथ बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में मुख्य रूप से भारतीय स्टेट बैंक हुसैनाबाद मेन ब्रांच एवं बाजार ब्रांच के ब्रांच मैनेजर उपस्थित होंगे। इनके अलावा संगठन के संरक्षक एवं सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संरक्षक कर्नल संजय कुमार सिंह उपस्थित होंगे । इसकी जानकारी देते हुए संगठन के जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट प्रेमतोष प्रसाद ने बताया कि सैनिक पेंशनरों के अलावे इस अनुमंडल क्षेत्र के सभी दूसरे विभागीय पेंशन धारियों का भी पेंशन संबंधित समस्याओं पर ब्रांच मैनेजर के साथ चर्चा की जायेगी। जिसमें मुख्य रुप से स्पर्श सिस्टम में माइग्रेशन एवं लाइफ सर्टिफिकेट देने के लिए काउंटर , सर्विस से रिटायर होने के बाद रिटायरमेंट पैसा मिलने में बिलंब, पेंशन धारी के मृत्यु के बाद फैमिली पेंशन चालू करने में विलंब होने जैसे जटिल समस्याओं पर चर्चा होगी । सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संरक्षक कर्नल संजय कुमार सिंह सभी पूर्व सैनिकों को रिटायरमेंट के बाद केंद्र सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं के बारे में जानकारी देंगे एवं केंद्र सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों एवं उनके बच्चे के लिए नई-नई योजनाएं शिक्षा संबंधित आर्थिक मदद जैसे बातों पर चर्चा करेंगे एवं सभी को इसकी जानकारी साझा करेंगे।

बनियाडीह बराही पंचायत में लगा शिविर

हुसैनाबाद। सरकार के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में प्रखंड के बनियाडीह बराही पंचायय के बराही मध्य विद्यालय परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन बीडीओ रतन कुमार सिंह, सीओ नंद राम, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, मुखिया सुदामा यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर सीओ नंद राम ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं से अवगत कराना है। शिविर में कई विभाग के स्टॉल लगाये गये थे। वहीं मुखिया सुदामा यादव पंचायत के लोगों को समस्यायों का निष्पादन करने के लिए लगे हुए थे। शिविर में पंचायत के सैकड़ों ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं के लिए आवेदन दिया। शिविर में धोती साड़ी का भी वितरण किया गया। इस मौके पर अंचल, प्रखंड समेत कई विभाग के लोग मौजूद थे।

मड़रिया स्टोन माइंस में मनाया गया सुरक्षा सप्ताह

पाटन। मडरिया स्टोन माइंस में 33 वां सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। जिसमें सुरक्षा संबंधित उक्त बात वर्कर के बीच बताया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माइंस के संचालक राजू सिंह, अमिताभ किशोर मौजूद थे। मौके पर क्लास मैनेजर बिभूति सिन्हा, क्लास ,एस के सिन्हा । क्लास एवं फैजान अंसारी ,राजेंद्र सिंह, कृष्णा पांडे, प्रदीप पांडे, सुमन कुमार ,बिट्टू सिंह, कुश सिंह ,सुनील सिंह, राजेश मुखिया, एवं अन्य लोग शामिल थे।

हत्या के आरोप में पांच गिरफ्तार

पाटन। मायापुर निवासी परमजीत सिंह की हत्या पैसे की लेनदेन के आपसी विवाद में की गई है। जिसका खुलासा पाटन पुलिस ने किया है। पाटन थाना प्रभारी प्रकाश कुमार ने बताया कि परमजीत सिंह की हत्या सुदामा बैठा ,राम किशोर सिंह, मुख लाल सिंह, बाबूराम, बिगन भुइयां संयुक्त रूप से संलिप्तता स्वीकार की है। जानकारी के अनुसार सुदामा बैठा के नाम पर ही ठेकेदारी मिलती थी । परमजीत सिंह का पैसा सुदामा बैठा के पास था। जिसे परमजीत सिंह बार-बार मांगता था । जिसे लेकर सुदामा बैठा परमजीत सिंह को मारने की योजना बनाई और उसे मारकर घटनास्थल पर फेंक दिया । पाटन थाना प्रभारी प्रकाश कुमार ने जांच के दौरान यह खुलासा किया है। पुलिस दबिश के बाद सभी आरोपियों ने अपनी बात स्वीकार की है। और आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

ग्राम सभा के बिना ही पंचायत में हो रहा है विकास कार्य, बीडीओ को दिया आवेदन

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के बेनी कला पंचायत में बिना ग्राम सभा किये पीसीसी निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने एक लिखित शिकायत बीडीओ को दी है। आवेदन में कहा है कि बेनी कला पंचायत के मुखिया श्रवण राम और पंचायत सचिव की मिली भगत से बिना ग्राम सभा के ही लाभुक समिति बनाकर बेनी कला देवी मंदिर के पास पीसीसी कार्य करा रहें हैं। ग्रामीणों ने बीडीओ से इस कार्य की जांच के साथ-साथ इस कार्य मे संलिप्त मुखिया, पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। ताकि पंचायत में अन्य योजना बिना ग्राम सभा के बगैर नहीं हो, और सरकारी राशि का दुरुपयोग नहीं हो सकें। दिये गये आवेदन में रविंद्र साव, मिथिलेश सिंह, अजय पाल, अनुज साव, दिलीप यादव, विमलेश सिंह, मुन्ना विश्वकर्मा, मोहित सिंह, अर्जुन यादव, अमित कुमार सिंह, राधिका देवी, नीरज यादव, श्रीनिवास तिवारी, श्यामदेव पाल,समेत कई लोगों के नाम शामिल है।

मिसाइल मैन के जन्मदिन पर विचार गोष्ठी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एके सिंह कॉलेज जपला में आइक्यूएसी के तत्वाधान में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के जन्म दिवस के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय था ,मिसाइल मैन डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम का प्रेरक व्यक्तित्व। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मिसाइल मैन का मानवता सरलता एवं सादगी से परिपूर्ण जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने हेतु प्रोत्साहित करना था। इस विचार गोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सह अध्यक्ष आइक्यूएसी सूर्य मणि सिंह ने की। मौके पर आइक्यूएसी के समन्वयक

डॉ. राम सुभग सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमें महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा ग्रहण करने के बावजूद अपनी मौलिकता बनाये रखना चाहिए। जिसके लिए अपने आलोचनात्मक विवेक को हमेशा जागृत रखना होगा। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने किया। मौके पर डॉ. आलोक रंजन कुमार, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। छात्राओं में शुभम भारती ने बहुत ही अच्छा व्याख्यान दिया। इसके अलावा व्याख्यान देने वाले विद्यार्थियों में प्रमुख रूप से प्रिया कुमारी, काजल कुमारी, खुशबू, आलोक कुमार एवं अनुज कुमार आदि का नाम शामिल हैं। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह ने किया। प्राचार्य ने बताया कि 20 अक्टूबर को निर्धारित विचार गोष्ठी का विषय है। लैंगिक असमानता समस्या और समाधान में प्राचार्य ने विद्यार्थियों से अधिकतम संख्या में भागीदारी की अपील की है।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। झारखंड सरकार के तीन साल पुरा होने के उपलक्ष्य में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शिविर का शुभारंभ पाटन के सगुना पंचायत सचिवालय में किया गया ।शिविर का शुभारंभ डीएमओ पलामू आनंद कुमार,पाटन बीडीओ मनोज कुमार तिवारी,सीओ लाल बाबू,बीपीओ रणधीर जयसवाल,प्रमुख शोभा देवी,जिप सदस्य संग्राम सिंह,जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष रणजीत सिंह,सीडीपीओ अनिता कुमारी,उमाकांत सिंह व मुखिया जैनुल सिद्दीकी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन धीरज सिंह ने किया। मौके पर बीडीओ मनोज कुमार ने कहा कि शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि सरकार की जन उपयोगी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोग ले सके ,व जन समस्याओं का समाधान ऑनस्पॉट हो सके। इसलिए पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बीडीओ ने बताया की शिविर में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मनरेगा,राशनकार्ड,पीएम आवास योजना,वृद्धा पेंशन योजना,जेएसपीएल,15वीं वित,कल्याण विभाग,राजस्व विभाग,ई-श्रम व अन्य योजनाओ से संबंधित स्टॉल लगया गया। जिससे लाभुको के समस्या को रजिस्ट्रेशन कर ऑन स्पॉट समाधान किया गया। शिविर में शोभा देवी व संग्राम सिंह के हाथो लाभुकों के बीच साड़ी धोती का वितरण किया गया। वहीं सेमरी पंचायत मे भी शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर प्रधान सहायक मृत्युंजय सिंह,कॉर्डिनेटर अमित कुमार चौबे,एई,जेई अभिषेक पाण्डेय,रंजन कुमार,ब्रजेश कुमार,राजेन्द्र कुमार,रोजगार सेवक,पंचायत सेवक व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रोगों की है एक दवाई सभी जगह की रखो सफाई

नेहरू युवा केन्द्र ने चलाया जागरूकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

नावा बजार। नेहरू युवा केंद्र के द्वारा ब्रहमोरिया मोड़ पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जहां युवा केंद्र के महिला पुरुष सदस्य हाथों में झाड़ू लिए फैली गंदगी, कचड़े आदि को संग्रहित कर उसे नष्ट भी किया।। साथ ही स्थानीय लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने को लेकर कार्यक्रम भी किये गये। स्वच्छता जागरूकता अभियान कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहरू युवा केन्द्र की स्वयं सेवक जया मिश्रा व संचालन गोविंद मिश्रा ने की। मौके पर सबों ने जमा कूड़े के ढ़ेर को साफ किया। साथ ही परिसर में जगह-जगह उगी घास को भी उखाड़कर नष्ट किया। मौके पर नेहरू युवा केन्द्र की स्वयं सेवक जया मिश्रा ने कहा कि 'सब रोगो की एक दवाई सभी

जगहों का रखो साफ सफाई' साफ-सफाई का जीवन में बड़ा महत्व है। यदि मनुष्य को स्वस्थ रहना है तो उसे अपने आस-पास से गंदगी को भगाना होगा। मौके पर बसना पंचायत के समिति सदस्य हरिशंकर दुबे उर्फ देवगोड़ा ने कहा कि देश व समाज तभी स्वच्छ बन सकता है। जब हम सब मिलकर गंदगी के खिलाफ अभियान चलाये। साफ-सफाई कर लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान में सबों को विशेष भागीदारी निभाने की जरूरत है। स्वच्छता के प्रति सभी का सार्थक प्रयास हीं स्वस्थ समाज के निर्माण में काम आयेगा। जन सहयोग के माध्यम से हीं लक्ष्य को पूरा किया जा सकता है। समाजसेवी अखिलेश दुबे ने कहा कि हमारे आसपास फैली गंदगी के कारण मलेरिया व डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। स्वच्छता के प्रति है सबों को सजग होकर संकल्प लेना होगा कि अपने आसपास गंदगी फैलाने से स्वयं को रोके और दूसरे को भी प्रेरित करें। मौके पर सतीश पांडेय, अधीर दुबे, पंकज पांडेय, आशीष कुमार पांडेय, प्रदीप पांडेय, सुरेंद्र माली, शंकर साहू, विकास ठाकुर, अनिल बैठा सहित कई लोग थे।

भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व में छठ घाट की सफाई की गई

नावा बजार। नावा बजार प्रखंड स्थित तुकबेरा पंचायत के चोरही नदी पर छठ घाट का प्रखंड अध्यक्ष महादेव यादव के नेतृत्व में साफ सफाई किया गया। उन्होंने बताया हर साल इस घाट पर श्रद्धालु काफी संख्या में उपस्थिति होते है। छठ पूजा पूरे देश में आस्था व विश्वास के साथ मनाया जाता है। सभी लोग इस पूजा के अवसर पर जिससे जो बनता है अपना अपना सहयोग देते हैं। भगवान सूर्य देव का पूजा छठ पूजा के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर सफाई का आयोजन में उपस्थित पंकज चंद्रवंशी, मनोज गुप्ता ,महेंद्र शाह, सुनील सिंह ,अरुण मेहता, परशुराम मेहता, अर्जुन मेहता, अशोक पाल, लालदेव बैठा, शेखर राम ,राधेश्याम भारती, विकास चंद्रवंशी, नूर ए आलम सहित कई लोग सफाई कार्य में उपस्थित रहे।

प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रतिमा स्थापना समिति ने दिया धरना

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व विधायक स्व. हरिहर सिंह की प्रतिमा को सरकारी जमीन पर स्थापना को लेकर हरिहर सिंह प्रतिमा स्थापना समिति के तत्वाधान में प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवासीय धरना कार्यक्रम आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रघुराई यादव ने किया। जबकि संचालन समाजसेवी सुधीर कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि स्व. हरिहर बाबू हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के एक महान विभूति थे। उनकी प्रतिमा पूर्व विधायक दशरथ कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल में स्थापित कर उस जगह का नाम हरिहर चौक रखा था। लेकिन रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य होने से उस प्रतिमा को हटाया जाना है। समिति के लोग शहर के विकास के साथ है। लेकिन उक्त प्रतिमा को सरकारी जमीन पर पुनः स्थापित करने की जवाबदेही स्थानीय प्रशासन का है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नल संजय सिंह ने कहा कि जिस जगह पर हरिहर सिंह का प्रतिमा है, उक्त जगह पर सरकारी जमीन है। जिसका खाता संख्या 52 खेसरा नंबर 577 है, जो उक्त भूमि पर दुकान बना है। समिति इस धरना के माध्यम से मांग करती है की प्रशासन उक्त सरकारी भूमि अधिग्रहण कर वहां पर पुनः प्रतिमा स्थापित कराने के लिए पहल करें। कांग्रेस के वरिष्ट नेता रघुराई यादव ने कहा कि अगर प्रशासन इसपर पहल नहीं करती है, तो समिति के लोग चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने पर विवश हो जायेगी। कार्यक्रम के अंत मे महामहिम राज्यपाल के नाम सीओ को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रतिमा को पुनः स्थापित करने, बन रहे ओवरब्रिज का नामांकरण हरिहर सिंह ब्रिज रखने की मांग की है। मौके पर प्रेमतोष सिंह, मिथिलेश सिंह, बद्रीनारायण सिंह, मुन्ना कुमार देव, बिंदेश्वरी यादव, पूर्व नपा अध्यक्ष रामेश्वर राम, मृत्युंजय सिंह, जाफर इमाम, विजय सिंह, अजीत कुमार सिंह समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। धरना में विधानसभा क्षेत्र के काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

बरामद किये गये वाहन

मोटरसाईकिल **TVS Star City** (रंग–नीला)

कांडी थाना कांड सं0–89/2022 दिनांक–03.08.2022, धारा–379, भा0 द0वि0 के कांड में अभियुक्त के निशानदेही पर चोरी की बरामद मोटरसाईकिल **TVS Star City** (रंग–नीला)जिसका चेचिस नं0–**MD625KF5771A71544,** इंजन नं0– **BE5A71063010** के मालिक का नाम पता का सत्यापन जिला परिवहन पदाधिकारी गढ़वा से कराया गया परन्तु उक्त मोटरसाईकिल के मालिक का नाम पता का सत्यापन नहीं हो पाया है, (सत्यापन प्रति में ¼No Records Found½ दर्शाया गया है) उक्त बरामद वाहन को थाना परिसर में रखा गया है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त बरामद वाहन के मालिक का नाम पता के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करेंगे।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

PR.NO.280038 Police(22-23):D

नपं क्षेत्र में जल्द सफाई नहीं हुआ तो, करेंगे आंदोलन : राजीव

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में गंदगी का अंबार लगा है। उक्त बातें युवा समाजसेवी राजीव रंजन ने शनिवार को नगर पंचायत क्षेत्र का भ्रमण के दौरान ग्रामीणों की समस्या से रूबरू होते हुए कही। साथ ही कहा कि जगह-जगह बिखरे कूड़े स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रहे हैं। जहां महीनों से एक ओर शहर में साफ सफाई का कार्य बन्द रहने से जगह-जगह पर कूड़ा जमा हो गया है। सफाई नहीं होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इसका खामियाजा नगर पंचायत वासियों को भुगतना पड़ रहा है। जिससे संक्रमित बीमारियां फैल रही हैं। वही श्री रंजन ने कहा

कि स्वच्छता के प्रति नगर पंचायत के अधिकारी, कर्मियों का ध्यान नहीं है। आने वाले दीपावली व छठ जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के मौके पर भी सभी गली-मोहल्ले की सफाई नहीं कि जाती है। वही राजीव रंजन ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही साफ सफाई कार्य शुरू नहीं कराया गया तो, चरणबद्ध आंदोलन करने की चेतावनी दी है। मौके पर गोपाल प्रसाद, शंभू यादव, टंटू मिश्रा, पंकज कुमार, अभय, छोटू , अजय, शिवपूजन मेहता, रितिक रोशन, शशि कुमार, भोला शर्मा, अवधेश मेहता, गोलू सिंह, विनोद पासवान, संतोष, राजू साव, प्रदीप, अरुण सहित कई लोग मौजूद थे।

आईटीआई में लगा रोजगार मेला, 150 उम्मीदवार हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। प्रखंड क्षेत्र के भगत तेंदुआ स्थित एसआरएम चित्रांश प्राइवेट आइटीआइ कॉलेज परिसर में शनिवार को कैंपस सेलेक्शन का आयोजन किया गया। कैंपस सेलेक्शन में रसिक सनन लिमिटेड, गाड़ियां इंटरप्राइजेज, एसकेएचवाई टेक्नोलॉजी, भादवे इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड तथा सनोड़ा इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड के प्लेसमेंट ऑफिसर विष्णु कुमार यादव तथा हर्ष भारद्वाज के द्वारा कैंपस में इंटरव्यू लिया गया। जहां क्षेत्र के 150 स्किल के लिए फीटर तथा इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में आइटीआइ के प्रशिक्षु व नन टेक्निकल मैट्रिक उत्तीर्ण छात्र-छात्राऐ ने भाग लिया। जिसमें से 50 से अधिक प्रतिभागियों का सेलेक्शन किया गया। वहीं आइटीआइ के प्रधानाचार्य चंदन प्रजापति ने कहा कि बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने के लिए संस्थान प्रतिबंध है। जो युवा प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रोजगार के लिए भटकते हैं। उन्हें रोजगार दिया जा सके। प्रत्येक वर्ष इस तरह का कैंपस सलेक्शन का आयोजन किया जाता है। ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को रोजगार दिया जा सके। मौके पर अकाउंटेंट रजनीश कुमार वैद्य, शिक्षक अनीश कुमार, प्रदीप कुमार यादव, विनीत कुमार कुशवाहा के अलावे रामाधार पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
कार्यालय अधीक्षक, मंडल कारा, गढ़वा
E-Mail ID.- dj-garhwa@jharkhandmail.gov.in
jailsuperintendent.garhwa@gmail.com

अति अल्पकालीन ई0 निविदा सूचना
HJ AND DM/DJ-GARHWA/Q-1/2023/1416

1. कारा का नाम – मंडल कारा, गढ़वा
2. विषय – कारा में आपूर्ति हेतु खाद्यानों, आलू, हरी सब्जी, फल, दूध एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय हेतु ई0 निविदा का आमंत्रण।
   (i) प्रथम त्रैमासिक ई0 निविदा–2023 (दिनांक–01.01.2023 से 31.03.2023 तक)
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) राष्ट्रीयकृत बैंक से बैंक ड्राफ्ट के रूप में अधीक्षक, मंडल कारा, गढ़वा के पदनाम से होगा जो निम्न प्रकार है–
   (i) ₹10.00 लाख तक की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु–₹2,500.00 (दो हजार पाँच सौ रूपये) मात्र।
   (ii) ₹10.00 लाख से 50.00 लाख तक की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु–₹5,000.00 (पाँच हजार रूपये) मात्र।
   (iii) ₹50.00 लाख से उपर की सामग्रियों की आपूर्ति के निमित्त निविदा हेतु–₹10,000.00 (दस हजार रूपये) मात्र।
4. Website पर निविदा प्रपत्र उपलब्धता की तिथि – 07.11.2022 पूर्वाह्न 10.00 बजे से 11.11.2022 के अपराह्न 4.00 बजे तक।
5. निविदा जमा करने की तिथि – 07.11.2022 पूर्वाह्न 11.00 बजे से 11.11.2022 के अपराह्न 4.00 बजे तक सभी कार्य दिवस को।
6. Tender Fee, EMD का Original Copy एवं उल्लेखित नमूना (Sample) दिनांक–14.11.2022 एवं दिनांक–16.11.2022 के पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक कार्यावधि में मंडल कारा, गढ़वा के कार्यालय में जमा करना होगा।
7. निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान – दिनांक–17.11.2022 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अपर समाहर्त्ता, गढ़वा के समक्ष मंडल कारा, गढ़वा के कार्यालय कक्ष में।
8. उपरोक्त संबंधित निविदा Website-jharkhandtender.gov.in पर केवल e-Tender द्वारा ही प्राप्त/स्वीकृत किया जायेगा। पूर्ण जानकारी उपरोक्त Website पर प्राप्त किया जा सकता है।
9. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, गढ़वा के कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को Online Upload करने से संबंधित जानकारी के लिए Helpline No.-9430342752 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0–
अधीक्षक
मंडल कारा, गढ़वा

PR 280022 (Home, Prison And Disaster Management) 22-23 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर
ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना संख्या – **DWSD/RPWS/Med-13/2022-23 (1st Call)**
दिनांक 14.10.2022

क्र0 सं0	कार्य का नाम	केन्द्र प्रायोजित योजना "जल जीवन मिशन" के अन्तर्गत :–
		Part–1 Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House, R.C.C. Gangway 32 M long and 3.00 M wide, 14.0MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir- 2 nos. Staff Quarter, Compound wall, Railway crossing, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor, Five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for **Devri Khurd - Devri Kalan and Adjoining villages Rural Water Supply Scheme.** Part–2 Detailed survey, designing and drawing, Construction of RCC Elevated Service Reservoir- 2 nos., Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Distribution Network, House Connection with allied works etc. all complete job for **Baniyadih- Belvigaha and Adjoining villages Rural Water Supply Scheme.** Part–3 Detailed survey, designing and drawing, Construction of Sump 8.20 Lakh litre, RCC Elevated Service Reservoir- 5 nos., Pump house, Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Distribution Network, House Connection with allied works etc. all complete job for **Pathra - Poldih and Adjoining villages Rural Pipe Water Supply Scheme** under D.W & S. Division, Mediningar on turnkey basis. Year 2022-23.
1	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	**14768.16** (एक सौ सैंतालीस करोड़ अड़सठ लाख सोलह हजार रूपये मात्र)
2	अग्रधन की राशि (लाख में)	**147.69** (एक करोड़ सैंतालीस लाख उनहत्तर हजार रूपये मात्र)
3	परिमाण विपत्र का मूल्य	**10,000/-** (दस हजार रूपये मात्र)
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	**27** (सताईस) महीना + **3** (तीन) महीना Trial & Run
5	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	**07/11/2022 / 12.30** बजे अपराहन तक।
6	प्री बीड की तिथि एवं समय	**11/11/2022 / 12.30** बजे अपराहन से (अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, नेपाल हाउस)
7	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	**22/11/2022 / 05.00** बजे अपराहन तक।
8	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	**23/11/2022 / 05.00** बजे अपराहन तक (क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, राँची प्रक्षेत्र राँची, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	**24/11/2022 / 04.00** बजे अपराहन में।
10	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
11	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
12	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0	9835068475
13	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0	0651-2490920

नोटः– निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,मेदिनीनगर।

PR 280076 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

आपकी सरकार,आपके द्वार शिविर में आये कुल 5913 आवेदन

ऑन स्पॉट 3306 का हुआ निष्पादन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। इन दिनों जिले में आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत ग्रामीण के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी शिविर लगाकर लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को 11 पंचायतों,मेदिनीनगर नगर निगम के दो वार्डो व नगर पंचायत हुसैनाबाद के दो वार्डो में शिविर लगाया गया। इन शिविरों में कुल 5913 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 3306 का ऑन स्पॉट निष्पादन कर दिया गया।आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 16 अक्टूबर को हैदरनगर के चौकड़ी, नौडीहा बाजार के नावाटार, चैनपुर के सलतुआ, पांकी के पकड़िया पंचायत में शिविर लगाया जायेगा। सभी शिविर स्थानीय पंचायत भवन में लगाया जायेगा। इसके अलावे नगर पंचायत छतरपुर के वार्ड संख्या 3 व 4 के लाभुकों के लिए उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाड़ा में शिविर का आयोजन कर आमजनों को लाभान्वित किया जायेगा। **नावा बाजार :** प्रखंड क्षेत्र के कुंम्भी कला पंचायत स्थित दुर्गा माईस परिसर में शनिवार को आपकी योजना, आपके द्वार, आपकी सरकार कार्यक्रम के तहत मुखिया सब्या सिंह की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया गया। जिसका संचालन विकास पांडे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ नावा बाजार बीडीओ मोहम्मद अमिर हमजा, सीओ राकेश श्रीवास्तव, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सोनी, सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव मुखिया सब्या सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

शिविर में दर्जनों विभागीय स्टॉल लगाकर लाभुकों को ऑन स्पॉट लाभ दिया गया तथा सरकार की महत्वकांक्षी योजना अंतर्गत बीपीएल परिवार व आदिम जनजाति के लोगों के बीच विकलांग पेंशन, वृद्धा पेंशन ,विधवा पेंशन, केसीसी, कंबल परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। मौके पर लाभुकों द्वारा शिविर में बकरी सेट गाय सेट मुर्गी सेट सहित अन्य योजनाओं को आवेदन प्रस्तुत किया गया। उक्त मौके पर पटेल दुबे ,झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के प्रबंधक अरविंद कुमार द्विवेदी, पंचायत सेवक शिव कुमार यादव, उदय यादव ,छोटू सिंह ,नागेंद्र सिंह, संतोष प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित थे। **चैनपुर:** चैनपुर प्रखंड के बॉडी पंचायत में 15 अक्टूबर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नेता देवेंद्र तिवारी , कमाल खान और बाल कृष्ण राव प्रखंड अध्यक्ष कमरुद्दीन अंसारी इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर लाभुकों का मदद करते हुए योजनाओं का लाभ दिलाने का काम किया । इस कार्यक्रम में कंबल वितरण के साथ-साथ और भी योजनाओं के साथ अवामो को जोड़ने का काम किया गया।

न्यूज गैलरी

मैट्रिक व इंटर के परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

मेदिनीनगर। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने मैट्रिक और इंटर परीक्षा 2023 ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। अब परीक्षार्थी 21अक्टूबर तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। वही शुल्क जमा करने क अंतिम तिथि 27 अक्तूबर तक तय की गई है। वही, विलंब शुल्क के साथ 22 से 28 अक्तूबर तक ऑनलाइन फॉम भरे जायेंगे और 1 नवंबर तक विलंब शुल्क के साथ शुल्क जमा होगा। 1 अक्तूबर तक ही बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि है। जैक ने इसके लिए परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्र छात्राओं, उनके अभिभावकों, संबंधित विद्यालय, महाविद्यालय के प्रधानों और पदाधिकारियों को सूचित कर दिया है। इधर,मैट्रिक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के आवेदन करने की तिथि भी बढ़ाई गई है।। झारखंड मैट्रिक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2022 का आवेदन फॉर्म जमा करने की भी तिथि बढ़ा दी गयी है । इसके लिए अब 10 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन लिये जायेंगे। परीक्षा शुल्क देने की अंतिम तिथि 12 नवंबर तक है। 14 नवंबर से 17 नवंबर तक अभ्यर्थी जमा आवेदन फॉर्म में संशोधन कर पायेंगे।

विश्रामपुर में नहीं रुक रहा अवैध महुआ शराब की बिक्री

मेदिनीनगर। विश्रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कौड़िया निवासी अयोध्या सिंह के द्वारा अपने घर मे लगातार अवैध महुआ शराब बना कर बेचने का काम किया जा रहा है। जिसके वजह से गांव के आसपास का माहौल बिगड़ रहे हैं। यहां के स्थानीय ग्रामीण अवैध महुआ शराब पीकर बर्बाद हो रहे हैं। शराब के नशे में युवक अपने घर जाकर अपने परिवार व पत्नी के साथ मारपीट गाली गलौज कर रहे हैं। जिसके कारण घर का वातावरण भी बिगड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी शिकायत विश्रामपुर थाना प्रभारी से कई बार की है। इसके बावजूद कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही है। शनिवार को स्थानीय लोगों ने सूचना दिया कि अयोध्या सिह के द्वारा विश्रामपुर थाना क्षेत्र के खेड़मोड़हा सप्ताहिक बाजार में भी खुल कर शराब बेचा जा रहा है। शराब के नशे में इस साप्ताहिक बाजार में भी लोग दारू पीकर झगड़ा झंझट करते नजर आ रहे थे।

कांग्रेस के प्रदेश कमेटी संग प्रखंड अध्यक्ष की बैठक सम्पन्न

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा शनिवार को कांग्रेस भवन के सभागार में प्रदेश प्रतिनिधि एवं नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने किया । बैठक में मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर उपस्थित थे । बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के साथ किसी तरह समझौता नहीं होगा।। कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है । जिस प्रकार राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा में जिस प्रकार लोगों का समर्थन और प्यार मिल रहा है। निश्चित रूप से आने वाला 2024 में कांग्रेस की सरकार बनेगी। कार्यकारी अध्यक्ष ने प्रदेश प्रतिनिधियों को एक-एक प्रखंड का दायित्व दिया गया था। उसका समीक्षा की गई सभी प्रखंड अध्यक्ष ने अपने प्रखंड कमेटी की सूची जिला कार्यालय को सौंपा। अपना पूर्ण अपने प्रखंड प्रभारी में निम्न कार्यों में सुचारू रूप से मार्गदर्शन कर-अथवा सहयोग कर सफल बनायें।

जेएसएससी ने निकाला प्रमाण पत्रों के जांच की तिथि

मेदिनीनगर। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दो अगस्त को पारित आदेश के आधार पर हाई स्कूल शिक्षकों की रुकी हुई नियुक्ति प्रक्रिया फिर से शुरू की है। इसके तहत आयोग ने शनिवार की शाम जीव विज्ञान व रसायन विज्ञानविषय के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। इन अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र की जांच 03 से 04 नवंबर तक दो पालियों में होगी। ज्ञात हो कि सर्वोच्च न्यायालय ने सिविल अपील संख्या 4038/2022 झारखंड राज्य मामले में स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा 2016 में गठित राज्य स्तरीय मेघा सूची के आधार पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। इसके तहत 192 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्रों की जांच के लिए बुलाया गया है।आयोग के अनुसार प्रमाण पत्रों की जांच के लिए आमंत्रित किया जाना उम्मीदवार का अंतिम चयन नहीं है।आवश्यकता अनुसार के विरुद्ध मेघा सूची में अंकित अनुक्रमांक से अन्य अभ्यर्थियों को भी प्रमाण पत्रों की प्रारंभिक जांच हेतु आमंत्रित कर सकता है। वैसे अभ्यर्थी जो किसी कारण निर्धारित तिथि को प्रमाण पत्रों की जांच के लिए नहीं आ सकेंगे।उन्हें 11 नवंबर को इसके लिए अंतिम अवसर प्रदान किया जाएगा।

विधायक ने किया भक्ति जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन

पड़वा। प्रखंड के मझीगांव पंचायत अन्तर्गत डुमरी गांव में भक्ति जागरण का कार्यक्रम किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पाटन छतरपुर विधायक पुष्पा देवी व पूर्व संसद भाजपा नेता मनोज कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने फीता काट कर भक्ति जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आज के इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार, विधायक पुष्पा देवी, विधायक प्रतिनिधि अशोक तिवारी, पाटन विधायक प्रतिनिधि संजय सिंह, श्याम देव सिंह, प्रमोद सिंह, नवल सिंह, कार्यक्रम के संयोजक रामानुज पांडेय, संचालक पूर्व मुखिया जयपाल सिंह, निरंजन प्रसाद, वशिष्ठ मेहता, पड़वा मंडल उपाध्यक्ष राकेश कुमार पाण्डेय, विष्णु देव मेहता, जितेंद्र चंद्रवंशी, कौशल मेहता, बालक मेहता, डॉक्टर सत्येंद्र मेहता, मुन्ना प्रसाद, भारदूल पासवान, और सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झाक्राम केन्द्रीय सचिव ने प्रेस विज्ञप्ति कर बिजली विभाग की खामियों पर उठाया सवाल

मेदिनीनगर। झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय सचिव सह नावाबाजार प्रखण्ड के पूर्व प्रमुख रेणु देवी, झारखण्ड क्रांति मंच के नावाबाजार प्रखण्ड अध्यक्ष व रबदा ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्य संतोष कुमार राम व मंच के नावाबाजार प्रखण्ड महासचिव उपेन्द्र कुमार राम ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से पूछा है कि राज्य कैबिनेट द्वारा राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक बिजली फ्री देने की घोषणा के बाद भी आखिर क्यों बल्व जलाने व पंखा चलाने वाले गरीब उपभोक्ताओं के घर छापामारी कर बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज कर भयाक्रांत किया जा रहा है।

बालू नीलामी में संवेदकों को नियम करना होगा पूरा : खनन पदाधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला खनन विभाग के द्वारा पलामू में भंडारित बालू की नीलामी को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी गयी है। खनन विभाग की ओर से पलामू के पांच स्थलों पर भंडारित बालूं की नीलामी को लेकर निविदा निकाली गयी है। जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने भंडारित बालू की नीलामी संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर पलामू के पांच भंडारित बालू की नीलामी को लेकर प्रक्रिया आरंभ कर दी गयी है। भंडारित बालू की नीलामी को लेकर 28 अक्टूबर को बालू भंडारित नीलामी उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि भंडारित बालू की नीलामी के लिए विभाग के द्वारा सर्शत नियम बनाए गए है। शर्त पूरा करने वाले संवेदक नीलामी में भाग ले सकते है। उन्होंने बताया कि लगभग 63000 घनफुट भंडारित बालू की नीलामी की जायेगी। उन्होंने कहा कि निविदा में भाग लेने वाले संवेदको को भारत एवं राज्य सरकार के द्वारा बनाये गए कोविड 19 के नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

सहायक शिक्षकों का फिर होगा महाजुटान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शिक्षा मंत्री के बयान से आहत सहायक अध्यापकों का एक बार फिर महजुटान होगा। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो द्वारा सहायक शिक्षकों के वेतनमान के संदर्भ में दिए गए बयान से पारा शिक्षक संघ काफी आहत है। ज्ञात हो कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा था कि पारा शिक्षकों को सीधे वेतनमान नहीं दिया जा सकता है। शिक्षा मंत्री के बयान को लेकर प्रखंड के टेट पास शिक्षकों ने कहा कि झारखंड सरकार के ही महाधिवक्ता की स्पष्ट राय है कि टेट उतीर्ण पारा शिक्षकों को वेतनमान दिया जा सकता है। बावजूद इसके विभागीय मंत्री का ऐसा बयान आना दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें विश्वास था कि जो व्यक्ति रघुवर दास के कार्यकाल में हमारी मांगों के समर्थन में स्लोगन लिखे हुए कपड़े पहनकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया करते थे। उनकी सरकार बनने पर वह हमें वेतनमान की मंजिल तक जरूर पहुंचायेंगे। सौभाग्य से माटी की सरकार सत्ता में आई और जगरनाथ महतो ही शिक्षा मंत्री बनाये गये। अपने वादे के अनुसार वेतनमान और स्थाईकरण के लिए उन्होंने पहल भी किया। पारा शिक्षकों को थमाई गई बकवास नियमावली दिसंबर 2021 में शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट कर दिया था कि बिहार के तर्ज पर झारखंड के पारा शिक्षकों को वेतनमान दिया जायेगा।। टेट पास पारा शिक्षकों के लिए ग्रेड पे 2400 एवं 2800 तय किया गया। सारे पारा शिक्षकों में खुशी का माहौल था। फिर दूसरे दिन एक ऐसी नियमावली सामने आई जिसमें पारा का नाम सहायक अध्यापक कर दिया गया और टेट एवं प्रशिक्षितों के मानदेय में क्रमशः 50% एवं 40% की मानदेय वृद्धि करके एक बकवास नियमावली थमा दिया गया। आपत्ति जताने पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि जनवरी 2022 में अलग से टेट पास पारा शिक्षकों के वेतनमान के लिए बैठक की जायेगी। लेकिन आज तक हम लोग बस इंतजार ही करते आ रहें है। शिक्षको ने कहा कि मंत्री के ऐसे व्यवहार की हमलोगों ने कल्पना भी नहीं की थी। ध्यान रहे हमने अहंकारी रघुवर सरकार को हटाकर माटी की सरकार को इसलिए नहीं लाया कि इस सरकार में भी हमें आंदोलन करना पड़े।। आपके विचारों को सुनकर लगा कि ये चिराग बुझने के पहले की फड़फडाहट है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर रांची की धरती पारा शिक्षकों के जन सैलाब का गवाह बनेगी। इंकलाब के नारों से मोरहाबादी एक बार फिर गुंजायमान होगा।

सरकार आपके द्वार के जमीनी क्रियान्वयन के लिए पहुंचा लहरबंजारी : अविनाश देव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लाभ से वंचित झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में बसे गरीबों तक योजना के लाभ पहुंचाने के लिए हेमन्त सरकार ने आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चला कर अपने मुलाजिमों को जरूरतमन्दों के दरवाजे तक भेज रही है। योजना लाभुकों तक पहुंचे, इसके लिए हेमन्त सरकार अपने पार्टी के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को निष्पादन के लिए शिविरों तक भेज रही है । ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। इसी सिलसिले में आज उंटारी रोड प्रखण्ड के लहर बंजारी पंचायत,पांडु प्रखण्ड के डाला पंचायत शिविर में अविनाश देव ने शिरकत किया। सम्बंधित पदाधिकारियों से मिला हालचाल जाने फिर लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आपके लिए आज अपने पदाधिकारियों को आपके दरवाजे तक भेजी है। किसी प्रकार का कोई काम छूटने नहीं पाए, नहीं तो फिर नौकरशाहों के दफ़्तर का चक्कर लगाते चपल घिस जायेगा या फिर योजना की बलि चढ़ जायेगा। इसीलिए पार्टी की ओर से प्रभारी नियुक्त कर निरीक्षण हेतु हम भी आपके दरवाजे पर आए हैं। ताकि योजना का सही सही कार्यान्वयन हो सके। हेमन्त सरकार गरीबों की पार्टी है माटी की पार्टी है,आंदोलन की पार्टी है । जो हमेशा गरीबों के हक के लिए लड़ती है। आप सबों को अफसरों बिचौलियों दलालों से डरने की जरूरत नहीं है। क्योंकि हेमन्त हैं तो हिम्मत है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सह प्रभारी हसरत रब्बानी , उटारी रोड प्रखंड अध्यक्ष अजय गुप्ता, कार्यकर्त्ता इरफान आलम समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहें।

आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के आने लगे सुखद परिणाम

मेदिनीनगर। आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में कहीं पेंशन के आवेदन को ऑन स्पॉट स्वीकृत तो किसी का आधार में सुधार,किसी को कंबल तो किसी को अन्य उपकरण दिए जा रहे है। जिसे देखकर कहा जा सकता है कि लोगों का काम उनके घर पर ही किया जा रहा है

आयोजित शिविरों का दिखने लगा सकारात्मक असर :जिले में आयोजित किये जा रहे इन शिविरों से सुखद एवं सकारात्मक परिणाम आने लगे हैं। शनिवार को नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड के दारूडीह पंचायत भवन में आयोजित किये गये शिविर में सोतमडबरा निवासी निरक्षर महिला छठनी देवी को एसडीओ राजेश कुमार शाह ने फूलो-झानो आशीर्वाद योजना के तहत 40 हजार का चेक प्रदान किया। मौके पर बीडीओ-सीओ,स्थनीया मुखिया,समेत अन्य उपस्थित थे।

फूलो-झानो आशीर्वाद योजना से लाभान्वित होने के पश्चात छठनी देवी ने बताया कि वो इसके पूर्व पंजाब में मजदूरी कर अपनी जीविका चलाती थी । वहीं घर लौटने के पश्चात दिसंबर 2021 से हड़िया व दारू बेचने के कारोबार में लग गयी।

पलामू के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण सिद्धार्थ गौरव सम्मान से नवाजे गये

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण सिद्धार्थ को रांची में एक सम्मान समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा गौरव सम्मान से नवाजा गया है। इस संबंध में डॉ प्रवीण सिद्धार्थ ने कहा कि हमारे चाहने वालें, गुरुजनों, वरिष्ठ सहयोगियों, मित्रों, परिवार वालों एवं पलामू के समस्त लोगों को इस गौरवान्वित करने वाले पल में विशेषकर मैं अपने परिवार के सभी मरीजों,पलामू की जनता का तहेदिल से धन्यवाद करता हूँ। जिनकी दुआओं ने ही मुझे इस लायक बनाया है। मैंने पूरी लगन और निष्ठा से अपने पास आये सभी मरीजों का समुचित और किफायती इलाज करने की कोशिश की है। मेरा यह पूर्ण विश्वास है कि आप सभी का सहयोग इसी तरह आगे भी बना रहेगा । जिससे मैं पलामू के लोगों के लिए और बेहतर कर सकूँगा। उन्होंने कहा कि मैं सुरेश दुलारी पॉली क्लीनिक/निर्मला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल ऐंड ट्रॉमा सेंटर की पूरी टीम को भी इस अवसर पर बधाई देता हूँ । जिसके सहयोग के बिना यह मुकाम संभव नहीं था।

महिला ने एसपी से मारपीट की शिकायत

मेदिनीनगर। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कूलहिया पंचायत अंतर्गत लादी गांव निवासी दलित महिला सुभाष भुइयां की पत्नी शोभा देवी ने पलामू एसपी चंदन सिन्हा को आवेदन देकर गांव के ही लोगों के विरुद्ध डायन बिसाही मामले में मारपीट का आरोप लगाया है । आवेदन के माध्यम से उसने कहा है कि बीते 11 अक्टूबर को वह अपने घर में खाट पर सोई हुई थी । तभी अचानक घर में घुसकर गांव के ही अखिलेश यादव, सुनीता देवी, दीपक यादव, धनेश्वरी कुंवर ने डायन कहकर उसके साथ गाली गलौज व मारपीट की । साथ ही गले से उसका सोने का मंगलसूत्र भी छीन लिया। मामले में महिला ने जांचोपरांत उचित कार्रवाइ करने की पलामू एसपी से मांग की है।

नि:शुल्क स्वास्थ जांच शिविर रेहला में 255 मरीजों को मिला लाभ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड कैमिकल डिवीजन के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ हरि प्रसाद एवं डॉक्टर अरविंद शर्मा ने सैमफोर्ड हॉस्पिटल राँची के डॉक्टर को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। सैमफोर्ड सुपर स्पेशललिटी हॉस्पिटल कोकर चौक रांची एवं ग्रासिम इंडस्ट्रीज रेहला के द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ जांच शिविर में करीब 255 मरीजो को निःशुल्क जाँच किया गया। मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ डॉ अरुण कुमार के द्वारा 135 मरीजो को देखा गया एवं हड्डी रोग के विशेषज्ञ डॉ रोहित लाल के ने 120 मरीजों को देखा । साथ ही प्रत्येक मरीजों को निःशुल्क परामर्श एवं जाँच किया गया। जैसे कि बीएमडी मशीन से हड्डी की जाँच , ब्लडप्रेशर, ब्लड सुगर जाँच एवं अन्य तरह की भी जाँच की गयी । साथ ही मरीजों को मुफ्त में दवा भी वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से ग्रासिम इंडस्ट्रीज के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ हरि प्रसाद , डॉ अरविंद शर्मा, डॉ अनूपा कुजूर, जितेंन्द्र वर्मा, रूबी, सैमफोर्ड हॉस्पिटल मार्केटिंग मैनेजर अमित चन्देल, फ्रंट ऑफिस मैनेजर श्याम राणा, रविन्द्र जी, वकार नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले से सटे लातेहार जिले के नेतरहाट आवासीय विद्यालय में वर्ष 2022-23 में नामांकन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गयी है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। नामांकन के लिए 15 से 30 अक्टूबर तक फॉर्म जमा किया जायेगा। नामांकन के लिए 29 जनवरी 2023 को विभिन्न केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। ज्ञात हो कि विद्यालय में कक्षा छह में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा ली जाती है। नेतरहाट आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए विद्यार्थी प्रवेश पत्र 10 जनवरी से डाउनलोड किया जा सकेगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी झारखंड राज्य का मूल निवासी/स्थानीय निवासी होना चाहिए। नामांकन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी विद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। परीक्षा प्रत्येक प्रमंडल के मुख्यालय में होगी।

2021-22 सत्र के लिए होगी नामांकन : गौरतलब है कि नेतरहाट आवासीय विद्यालय में केवल 100 बच्चो का नामांकन लिया जाता है। लेकिन नामांकन के लिए चयनित 100 में से 34 बच्चों ने नामांकन नहीं लिया है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा नामांकन के लिए दूसरी लिस्ट जारी की गयी है। जिन बच्चों का नामांकन नहीं हुआ, उनमें से 12 बच्चे चयन के बाद मेडिकल जांच में शामिल नहीं हुए थे। जबकि 18 बच्चे ओवर एज पाये गये। चार बच्चों का प्रमाण पत्र फर्जी पाया गया। विद्यालय प्रबंधन ने रिक्त रह गयीं सीटों पर नामांकन के लिए फिर से मेरिट लिस्ट जारी की। 21 अक्टूबर को 34 विद्यार्थियों को स्वास्थ्य जांच के लिए बुलाया गया है। वर्ष 2021-22 के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में ही नामांकन प्रक्रिया शुरू की गयी थी।

बीएचपी के कार्यवाहक ने किया रक्तदान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व हिंदू परिषद के अधिकारी भोला अग्रवाल की पत्नी को प्लेटलेट डाउन होने पर विभाग कार्यवाह राजीव सिंह ने रक्तदान किया। जिसके लिये विश्व हिंदू परिषद ,बजरंग दल ने आभार जताया। मौके पर उन्होंने कहा कि मैंने 10 वी बार रक्तदान किया । रक्तदान महादान होता है। धीरे-धीरे लोग इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिर भी बहुत सारे जिनको अभी अभी रक्तदान करने से डर लगता हैं, तो हमारा कर्तब्य हैं कि हम उन्हें जागरूक करे। यह भावना जन-जन तक पहुंचानी चाहिए कि रक्तदान महादान है। इससे लाखों लोगों की जिंदगी बच सकती है। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर आगे आना हैं और रक्तदान के प्रति आमजन में व्याप्त गलत धारणाओं को उखाड़ फेंकना हैं।

न्यूज गैलरी

रमना में यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के निधन पर यादव महासभा नें श्रद्धांजलि अर्पित की

रमना। यादव महासभा रमना की ओर से शुक्रवार की देर शाम यादव भवन में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत सरकार के पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष प्रताप यादव ने कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव नें जीवन पर्यंत सर्वसमाज के उत्थान के लिए काम किया। देश मे सुभाष चन्द्र बोस के बाद वे दूसरे ऐसे व्यक्ति थे,जिन्हें नेताजी के नाम से जाना जाता था। संतोष प्रसाद यादव ने कहा कि भारत सरकार में रक्षा मंत्री रहते हुए शहीद जवानों का पार्थिव शरीर सम्मान सहित घर भेजने का नियम बनाकर सैनिको को सम्मान देने का काम किया । जगदीश प्रसाद यादव ने कहा कि वे सभी समाज के लिए प्रेरणास्रोत थे।, संजय प्रसाद यादव ने कहा कि सभी को साथ लेकर चलने की अद्भुत कला उनके अंदर थी। उनका निधन देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। कार्यक्रम के अंत मे दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी। यादव सभा में शयमबिहारी यादव, बालेश्वर यादव, जगदीश यादव, मनोज यादव,प्रमोद यादव,उपेंद्र यादव, संजय यादव, प्रदीप यादव,रामधार यादव, रूपनारायण यादव, सोनू यादव सहित समाज के कई लोग मौजूद थे।

अभिलेख जांच में मुखिया पुत्र के शामिल होने से बीससूत्री अध्यक्ष ने जतायी नाराजगी, कहा

सरकारी आदेश का अवहेलना कर रहे हैं मुखिया

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)। शनिवार को मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं का अभिलेख जांच में मुखिया मंजू देवी की अनुपस्थिति में उनके पुत्र पुरुषोत्तम प्रसाद को भाग लेने पर 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने नाराजगी व्यक्त किया है। 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने कहा प्रखंड कार्यालय से सभी पंचायत में संचालित मनरेगा योजनाओं का अभिलेख जांच करने हेतु तिथिवार लेखा सहायक आसनंदन राम तथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी डिंपल गुप्ता को जिम्मेवारी दी गई है। शनिवार को खरौंधी पंचायत भवन में संचालित योजनाओं का अभिलेख जांच किया जा रहा था।

अभिलेख जांच में मुखिया मंजू देवी नहीं थी उनके स्थान पर उनका लड़का पुरुषोत्तम प्रसाद ने भाग लिया। जो सरकार के नियम के तहत गलत है। अभिलेख जांच में लेखा सहायक आसनंदन राम, बिएफटी सुनील कुमार, रोजगार सेवक धर्मेंद्र कुमार व मुखिया के लड़का पुरुषोत्तम प्रसाद ने भाग लिया है। नाराजगी व्यक्त करते हुए 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने कहा निर्वाचन विभाग तथा सरकार का सख्त निर्देश है कि किसी भी परिस्थिति में मुखिया के पति या उनके संबंधित किसी बैठक या संचालित योजनाओं के जांच में भाग नहीं ले सकते है। इसके बावजूद भी खरौंधी मुखिया मंजू देवी द्वारा इनके आदेश की अहेलना करते हुए स्वयं अनुपस्थित रहकर अपने लड़के को पंचायत में संचालित योजनाओं की जांच में भाग लेने की अनुमति दी गई। जो सरकार के नियमसंगत नही है। साथ ही जिला के वरीय पदाधिकारी से मांग किया कि किसके आदेश पर मुखिया द्वारा लगातार इस तरह का कार्य किया जा रहा है। जिसकी जांच करते हुए मुखिया पर कार्रवाई हो।

मुखिया ने आंगनबाड़ी भवन का किया शिलान्यास

खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड के कुपा पंचायत के ग्राम चौरिया में उपस्वास्थ्य केंद्र के पास 6 लाख 72 हजार कि लागत से बनने वाले आंगनबाड़ी केंद्र का मुखिया प्रमोद राम ने शुक्रवार को शिलान्यास किया। मुखिया प्रमोद राम ने बताया कि ग्राम चौरिया में आंगनबाड़ी केंद्र का अपना भवन बन जाने के बाद बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में किसी प्रकार के परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।व मौके पर उपमुखिया सूर्यदेव चौधरी,कनीय अभियंता वसीम अकरम, रोजगार सेवक आनंद गुप्ता, वार्ड सदस्य कबिता देवी, ग्रामीण लिला पटेल, सुनिल चौधरी, विद्याधर चौधरी,ललन चौधरी, मनोज चौधरी, अजित पासवान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीएसपी संचालक को एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय डाल्टनगंज द्वारा मिला प्रशस्ति पत्र

मंझिआंव। भारतीय स्टेट बैंक बरडीहा शाखा मझिआंव के 2 सीएसपी भारतीय स्टेट बैंक ग्राहक सेवा केंद्र गोपालपुर एवं टढ़हे को क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार के द्वारा शुक्रवार को प्रशस्ति पत्र दिया गया। बताते चलें कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में 1 अगस्त से 31 अगस्त तक मानसून कैंपेन में भाग लेकर उत्कृष्ट कार्य करने पर प्लैटिनम सीएसपी का अवार्ड आज भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय डालटेनगंज में भारतीय स्टेट बैंक ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक अनूप कुमार दुबे उर्फ मीनू दुबे को उत्कृष्ट कार्य का सर्टिफिकेट मैनेजर के हाथों दिया गया। साथ ही क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार के द्वारा कहा गया कि आपके द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है और इससे ग्राहकों को लाभ मिल रहा है। साथ ही कहा कि इसी तरह से कार्य करें और लोगों को लाभ पहुंचाने का काम करें। इधर सीएसपी संचालक अनुप कुमार दुबे उर्फ मिनू दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना लाभुकों के लिए बहुत अच्छा है जो लोग इस बिमा को नहीं कराए हैं वो भारतीय स्टेट बैंक ग्राहक सेवा केंद्र गोपालपुर पहुंच कर तिनों बिमा करवा सकते हैं।

पचफेड़ी गांव में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में 5 लोग घायल

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के पचफेड़ी गांव में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में 5 लोग घायल हो गए घायलों में एक पक्ष के मेराल थाना के पचफेड़ी निवासी अब्दुल रहमान , मुसीन अख्तर एवं शोएब अख्तर एवं दूसरे पक्ष के इकराम आलम नबी रसूल आलम के नाम शामिल है। सभी घायलों को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में एक पक्ष के अब्दुल रहमान ने बताया कि उनकी पत्नी पांच बहन है। उनके ससुर द्वारा पांचों बहन का हिसाब बराबर बराबर बंटवारा कर दिया गया था। इसके बाद उसके जमीन पर इकराम आलम आदि उसके जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर रहे थे। इसका विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया जबकि दूसरे पक्ष के इकराम आलम ने बताया कि जमीन का बंटवारा पूर्व में हो गया था लेकिन प्रथम पक्ष के लोग द्वारा उसे खेती नहीं करने दे रहा था। शनिवार को अपना हिस्से के खेत में ट्रैक्टर लेकर गया तो प्रथम पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट करने लगा। इस घटना में दोनों पक्ष के 5 लोग घायल हो गए दोनों पक्षों द्वारा इस मामले को लेकर थाने में आवेदन दिया गया है पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

वित्तरहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक में कई विषयों पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

विशुनपुरा/गढ़वा। वित्तरहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक आर आर पी डी हाई स्कूल बिशुनपुरा में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि वित्तरहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा संघ के संयोजक अरविंद सिंह ने कहा कि सरकार के गाइड लाइन के अनुसार सभी विद्यालय, कॉलेज चलने के बाद भी समान काम के बदले समान वेतन नही मिल रहा है। जिससे शिक्षकों एव शिक्षकेत्तर कर्मियों के समक्ष भुखमरी की स्थिति आ गई है। वित्तरहित संयुक्त मोर्चा इसी सवाल को लेकर आगामी 18 अक्टूबर को रांची में राजभवन का घेराव करेगा। जिसमे प्रदेश के हजारों शिक्षक एव कर्मी भाग लेंगे। कहा की मुख्यमंत्री ने विधानसभा में सवाल के जवाब में कहते हैं कि समान काम के बदले समान वेतन सबको मिलना चाहिए लेकिन शिक्षा विभाग के द्वारा वित्तरहित शिक्षक शोषन के शिकार हो रहे हैं। सरकार की दोहरी नीति के कारण कर्मी हासिये पर हैं। जबतक सरकार वित्तरहित स्कूल कालेजों का अधिग्रहण या घाटा अनुदान की स्वीकृति नही देती है तबतक आंदोलन जारी रहेगा। इसके पूर्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक नागेन्द्र पांडेय ने मुख्य अतिथियों का स्वागत स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी ने किया। मौके पर धनजय सिंह,भगवान प्रसाद यादव, दिनेश कुमार, गजेंद्र तिवारी, अजित कुमार तिवारी, सिधेश्वर सिंह,मनोज मिश्रा, नंदकिशोर पाठक, एजाज अहमद रिजवी सहित अन्य उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गढ़वा

आवश्यक सूचना

(लापता सुमन्त शुक्ला)

नगरउंटारी थाना सनहा सं0–10/2019, दिनांक–05.06.2019 में लापता सुमन्त शुक्ला, उम्र करीब–54 वर्ष (मानसिक रुप से विक्षिप्त हैं), पिता–स्व0 झालखण्डी शुक्ला, ग्राम–जतपुरा, थाना–नगरउंटारी, जिला–गढ़वा राज्य–झारखण्ड, के रहने वाले हैं। जो दिनांक–21.05.2019 को अपने घर से लापता है। उक्त लापता सुमन्त शुक्ला का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि लापता सुमन्त शुक्ला के बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की सूचना प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

हुलिया:–
रंग–गोरा, लम्बाई–05 फीट, 06 इचं लगभग बाल एवं दाढ़ी–सफेद
पहनावा–नीला कमीज, काला–पैन्ट, पैर में हवाई चप्पल।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 280016 Police (22-23)_D

झारखण्ड सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल विभाग

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

ई-प्रोक्योरमेंट अल्प कालीन निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DWSD/Lohardaga/09/2022-23 दिनांक : 14.10.2022

1	कार्य का नाम – Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House with infiltration Gallery, RCC Gangway 50 Mtr. Long & 3.0 0 Mtr. Wide, 4.5 MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir 1 –440 Kiloliter capacity staging height – 24m, RCC Elevated Service Reservior 2-340 Kiloliter capacity staging height – 25m., RCC Elevated Service Reservior 3-380 kiloliter capacity Staging height 10m, Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, House Connection, Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor and Five years operation & maintenance with allied works etc all complete job for **Lawagai and Adjoining village Rural Water Supply Scheme** under D.W. & S. Division **Lohardaga** on turnkey basis.”	
2	प्राक्कलित राशि	5798.30 लाख रूपये
3	अग्रधन की राशि	57.99 लाख रूपये
4	परिमाण विपत्र का मूल्य	0.10 लाख रूपये
5	कार्य पूरा करने की अवधि	24 months + 3 months (Trial and run for rectification of defects etc.)
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	07.11.2022, 03:30 बजे अपराह्न से
7	प्री बीड मिटिंग की तिथि	दिनांक 10.11.2022, समय 11:30 बजे पूर्वाह्न में अभियंता प्रमुख, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का कार्यालय, नेपाल हाउस, रांची
8	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	18.11.2022, 03:30 बजे अपराह्न तक
9	बैंक गारंटी एवं परिमाण विपत्र का मूल्य जमा करने की अंतिम तिथि, समय एवं स्थान	19.11.2022, 03:30 बजे अपराह्न तक 1. कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा का कार्यालय 2. अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला का कार्यालय 3. क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, रांची प्रक्षेत्र, रांची का कार्यालय
10	निविदा के तकनीकी बीडों को खोलने की तिथि एवं समय	21.11.2022, 11:30 बजे पूर्वाह्न से
11	निविदा के वित्तीय बीडों को खोलने की तिथि	बाद में सूचित किया जाएगा।
12	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी एवं कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा
13	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0	9431516030

नोटः प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है। तद्नुसार ही अग्रधन की राशि देय होगी।
विस्तृत जानकारी बेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

PR 280086 Lohardaga (22-23)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना संख्या – **DWSD/RPWS/Med-14/2022-23 (1st Call)**

दिनांक 14.10.2022

क्र0 सं0	कार्य का नाम	केन्द्र प्रायोजित योजना "जल जीवन मिशन" के अन्तर्गत :– Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House, R.C.C. Approach Bridge60 M long and 3.00 M wide, 6.10MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir–04 Nos., Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw &Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Railway Crossing, Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor and Five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for **Pansha-Rambandh and Adjoining Multi villages Rural Pipe Water Supply Scheme** under D.W & S. Division, Medininagar on turnkey basis. Year 2022-23.
1	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	**5395.76** (तिरपन करोड़ पन्चानबे लाख छिहत्तर हजार रूपये मात्र)
2	अग्रधन की राशि (लाख में)	**53.96** (तिरपन लाख छियानबे हजार रूपये मात्र)
3	परिमाण विपत्र का मूल्य	**10,000/-** (दस हजार रूपये मात्र)
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	21 (एक्कीस) महीना + 3 (तीन) महीना **Trial & Run**
5	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	**07/11/2022 / 12.30** बजे अपराहन तक।
6	प्री बीड की तिथि एवं समय	**11/11/2022 / 12.30** बजे अपराहन से (अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, नेपाल हाउस)
7	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	**22/11/2022 / 05.00** बजे अपराहन तक।
8	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	**23/11/2022 / 05.00** बजे अपराहन तक (क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, राँची प्रक्षेत्र राँची, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	**24/11/2022 / 04.00** बजे अपराहन में।
10	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
11	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
12	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0	**9835068475**
13	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0	**0651-2490920**

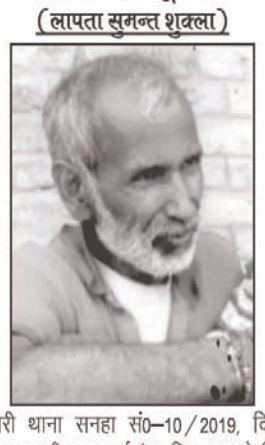

नोटः– निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
मेदिनीनगर

PR 280074 (Drinking Water and Sanitation)22-23*D

झारखण्ड सरकार

कार्यालय :उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू, मेदिनीनगर
(खनन शाखा)

e-mail- dmo-palamau@jharkhandmail.gov.in

पलामू जिला के उटॉरी रोड, नावा बाजार, सदर,मेदिनीनगर अंचल अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर अवैध रुप से भंडारित बालू खनिज के आम नीलामी हेतु सूचना।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पलामू जिला के उटॉरी रोड, नावा बाजार, सदर,मेदिनीनगर अंचल अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर अवैध रुप से भंडारित बालू खनिज को जब्त कर *"The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining, Transportation and Storage) Rule, 2017* के नियम 11(V) के तहत राजसात हेतु माननीय उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू के न्यायालय में दायर विविध वाद संख्या 35/2022–23 राज्य सरकार बनात अज्ञात में माननीय न्यायालय के पारित आदेश दिनांक 07.10.2022 सह पठित ज्ञापांक 1386/विधि, दिनांक 08.10.2022 के आलोक में निम्नलिखित भंडारित बालू खनिज को झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 यथा संशोधित नियमावली, 2017 एवं झारखण्ड लघु खनिज समनुदान (संशोधित) नियमावली, 2019 के नियम–54A के तहत् आम नीलामी दिनांक 21.10.2022 को समय 12.00 बजे मध्यान् में उपायुक्त, पलामू के निदेशानुसार उप विकास आयुक्त, पलामू की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में सम्पन्न की जायेगी। डाक में भाग लेने वाले .अभ्यर्थीयों को भारत सरकार एवं झारखण्ड सरकार द्वारा Covid-19 के तहत् निर्गत SOP का पालन करना अनिवार्य होगा। भण्डारण का विवरण, लोक नीलामी की प्रक्रिया एवं शर्त्त निम्नवत् है–

क्र० सं०	स्थल का विवरण	भंडारित बालू खनिज की मात्रा (घनफुट में)	सुरक्षित जमा राशि (रुपये में) (@ Rs. 7.50/1 Cft)	प्रतिभूति राशि (रुपये में) (सुरक्षित जमा राशि का 10 प्रतिशत)
1	उटॉरी रोड स्थित अस्पताल के समीप	6000.00 लगभग	45000.00	4500.00
2	नावा बाजार स्थित राजहारा रेलवे स्टेशन के समीप, थाना नावा बाजार पलामू के समीप	20000 एवं 15000.00 कुल–17000.00 लगभग	127500.00	12750.00
3	मौजा बड़कागांव, फुलवार घाट के पास, थाना सदर, डालटनगंज, पलामू के समीप मौजा रजवाडीह, थाना सदर, डालटनगंज, पलामू के समीप मौजा बड़कागांव, थाना सदर, डालटनगंज, पलामू के विभिन्न स्थलों के समीप	4000.00 5000.00 3000.00 कुल–12000.00 लगभग	90000.00	9000.00
4	मौजा बड़कागांव, आयुष्मान भारत सेन्टर, बड़कागांव के बगल में, थाना सदर, डालटनगंज, पलामू के समीप	1000.00 2000.00 10000.00 कुल–13000.00 लगभग	97500.00	9750.00
5	पता भवानी नगर, बारालोटा, थाना शहर, डालटनगंज, पलामू के समीप लगभग एवं पता बारालोटा, संत जेवियर स्कूल के सामने, पांकी रोड, बारालोटा, थाना शहर, डालटनगंज,पलामू के समीप	10000.00 5000.00 कुल–15000.00 लगभग	112500.00	11250.00

2. नीलामी में भाग लेनेवाले व्यक्ति/संस्था भारत के नागरिक होंगें तथा उनके पक्ष में पलामू जिलान्तर्गत कोई निर्माण/विकास कार्य आवंटित हो।
3. नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्था को निर्धारित सुरक्षित जमा राशि का 10% प्रतिभूति राशि के रूप में नीलामी में भाग लेने के लिए नीलामी की तिथि से दो दिन पूर्व कार्यालय अवधि में जिला खनन पदाधिकारी, पलामू के पदनाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट एवं अन्य आवश्यक कागजात के साथ जमा करना होगा, अन्यथा व्यक्ति/संस्था को डाक में भाग लेने से वंचित कर दिया जायेगा। सफल डाकवक्ता (अधिकतम राशि) की प्रतिभूति रकम को छोड़कर अन्य डाकवक्ता द्वारा जमा प्रतिभूति राशि का बैंक ड्राफ्ट नियमानुसार वापस कर दिया जायेगा।
4. नीलामी के उपरांत बालू खनिज के उच्चतम डाक की राशि के साथ–साथ अन्य शुल्क यथा **GST** (@ 5% of Sand Price), **Royalty** (@ Rs. 1.42/CFT), **DMFT** (10% of Royalty), **Environment Cess** (@1% of Royalty), **Management Fee** (@ 0.04 Rs./CFT), **Income Tax** (@2% of Royalty) आदि शुल्क देय होगा। झारखण्ड गजट के असाधारण अंक के अधिसूचना संख्या–218, राँची, दिनांक 23 मार्च 2016 द्वारा Jharkhand District Mineral Foundation (TRUST) Rules, 2016 के कंडिका 6 (i) में 10 % DMF की राशि का योगदान के रूप में संग्रहण करने का उल्लेख किया गया है– *"Ten percent of the royalty paid in terms of the second schedule to the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957 (67 of 1957) (herein referred to as the said Act) in respect of mining leases or, as the case may be, prospecting licence-cum-mining lease granted on or after 12th January, 2015".*
5. नीलामी में बोली गयी उच्चतम डाक की राशि का 10% में से प्रतिभूति राशि को छोड़कर शेष राशि डाक की समाप्ति पर उपायुक्त/प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निदेश दिये जाने पर नीलामी वाले राशि को बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक/ऑनलाईन के माध्यम से उच्चतम डाकवक्ता द्वारा जमा करना होगा, अन्यथा उच्चतम डाकवक्ता को भविष्य में नीलामी में भाग लेने से वंचित कर दिया जायेगा।
6. उच्चतम डाक की पूर्ण राशि नीलामी की तिथि से दो दिनों के अन्दर कार्यालय अवधि में ही भुगतान करना होगा। पूर्ण राशि के भुगतान में असफल रहने की स्थिति में दूसरे नम्बर के डाकवक्ता को उच्चतम डाक की राशि पर सहमति हेतु प्रस्ताव दिया जायेगा एवं उनके समर्थन या स्वीकार होने की स्थिति में यह नीलामी उनके पक्ष में घोषित किया जायेगा।
7. नीलामी के उपरान्त उच्चतम डाक की राशि के पूर्ण भुगतान के पश्चात् ही सफल डाकवक्ता के पक्ष में झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 यथा संशोधित नियमावली के सुसंगत नियमों के तहत् आदेश, सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत किया जायेगा।
8. उक्त खनिज का उठाव/प्रेषण JIMMS Portal से निर्गत परिवहन चालान के माध्यम से आदेश निर्गत होने की तिथि से एक माह के अंदर अनिवार्य रूप से कर लेना होगा। विशेष परिस्थिति में कारणों सहित लिखित आवेदन पर समीक्षोपरांत अवधि विस्तार पर निर्णय लिया जायेगा।
9. बन्दोबस्ती के पश्चात् बालू का प्रेषण करने में किसी प्रकार का अड़चन यथा पहुँच पथ वगैरह के कारण या किसी अन्य कारणवश नीलामीधारी, नीलामी किये गये बालू का प्रेषण नहीं कर पाते है, तो इसकी पूरी जिम्मेवारी नीलामीधारी की होगी तथा भुगतान की गयी राशि के विरूद्ध किसी भी प्रकार का दावा/कटौती मान्य नहीं होगा।
10. बालू निष्कासन के क्रम में यदि रैयती भूमि का उपयोग किया जाता है तो उसकी क्षतिपूर्ति का भुगतान नीलामीधारी द्वारा ही किया जायेगा।
11. अन्य शर्त्त एवं बंधेज झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 (सभी संशोधनों सहित) एवं The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining, Transportation & Storage) Rules, 2017 के प्रावधानों के अनुसार होगा।
12. नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति/वैसी संस्था जो झारखण्ड सरकार अन्तर्गत किसी विभाग में निर्माण कार्य (Construction Work) हेतु निबंधित है या मनरेगा/नरेगा अन्तर्गत Vendor के रूप में निबंधित है एवं सक्रिय तथा क्रियाशील है।

नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्था दिनांक 19.10.2022 को समय 3.00 बजे अपराहन् तक जिला खनन कार्यालय, पलामू में निम्नांकित वांछित कागजातों (स्वअभिप्रमाणित) के साथ आवेदन दाखिल कर सकते है। उक्त निर्धारित तिथि/समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएगें।

(i) सुरक्षित जमा का 10% राशि निर्धारित प्रतिभूति रकम के रूप में।
(ii) विगत तीन वर्ष का आयकर रिटर्न की छायाप्रति।
(iii) GST निबंधित प्रमाण–पत्र की छायाप्रति।
(iv) आवंटित कार्य के कार्यादेश की छायाप्रति
(v) पासपोर्ट साईज फोटो की दो प्रति।
(vi) स्वच्छ चरित्र–प्रमाण की छायाप्रति।
(vii) आवेदन के साथ इस आशय का शपथ–पत्र जमा करना होगा कि खनन विभाग से संबंधित भुगतान बकाया/लंबित नहीं हो एवं किसी विभाग द्वारा उनका नाम/संस्था का नाम काली सूची में दर्ज न हो एवं खनिज के अवैध भंडारण/उत्खनन/परिवहन के विरुद्ध में किसी न्यायालय द्वारा दंडित नहीं गया है और न ही उक्त से संबंधित किसी न्यायालय में मामला लंबित है।

नोट :– विशेष जानकारी के लिए जिला खनन कार्यालय, पलामू में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

ह०/–
उपायुक्त, पलामू

PR 280012 (District)22-23*D

न्यूज गैलरी

नारायण सेवा समिति द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच वस्त्र वितरित

बरवाडीह। प्रखंड के चुंगरू पंचायत अंतर्गत ग्राम-कोरवा मडाई उरांव टोला में नारायण सेवा समिति सतबरवा के द्वारा असहाय और अत्यंत गरीब जरूरतमंदों के बीच दो बोडा साड़ी धोती और छोटे-छोटे बच्चों का वस्त्र वितरण किया गया। वस्त्र वितरणनारायण सेवा समिति ट्रस्ट के निर्दोष कुमार द्वारा 100 से अधिक बच्चों, असहाय वृद्ध व जरूरतमंद लोगों के बीच बारी-बारी से वितरण किया गया। नारायण सेवा समिति के अध्यक्ष निर्दोष कुमार ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर इस धरती में और कोई सेवा नहीं है। हम गरीबों को सेवा करके भी ईश्वर के घर में जगह बना सकते हैं। उन्होनें कहा कि के माध्यम से उनकी संस्था के माध्यम से प्रखंड के विभिन्न सुदूर क्षेत्रों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरण का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा शनिवार को वितरण किए गए वस्त्र को रोटरी स्कूल चैनपुर के प्रिंसिपल असलेश कुमार पांडे द्वारा विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिका और छात्र-छात्राएं के द्वारा वस्त्र उपलब्ध कराया गया था। मौके पर नारायण सेवा समिति का अध्यक्ष, समाजसेवी सुरेंद्र कुमार भुइंया, संतोष कुमार संस्था के सदस्य एवं जरूरतमंद ग्रामीण उपस्थित थे।

मटवाटोंगरी में खेल मैदान व फुटबॉल टूर्नामेंट का किया गया उद्घाटन

लातेहार। मनिका प्रखंड के जुंगुर के मटवाटोंगरी में खेल मैदान व फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन जिप सदस्य,राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि रंजीत प्रसाद साहू,मुखिया देवेंद्र कुमार कुजूर,समेत कई अन्य मुख्य अतिथियों ने संयुक्त रुप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। इसके साथ ही विधिवत पूर्वक खेल मैदान का स्वर्गीय घूंशी उरांव एवं महेंद्र उरांव के नाम से नामकरण किया गया।मौके पर राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि रंजीत प्रसाद साहू ने कहा कि खिलाड़ी हमेशा खेल को खेल की भावना से खेलें खेल से मानसिक एवं शारीरिक दोनों का विकास होता है। मौके पर नागेंद्र उरांव,गुलाब यादव, नरेश राम, संजय उरांव, नंदकिशोर राम,अरुण कुजूर,प्रमोद राम, राजेंद्र यादव, मनोज उरांव, हरेंद्र उरांव, दीपक विश्वकर्मा, सुजीत उरांव, योगेंद्र उरांव, पंकज कुजुर,समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

एनडीपीएस के फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

कुंदा(चतरा)। पुलिस ने एनडीपीएस के फरार अभियुक्त परमेश्वर गंझू व रामविलास गंझू के घर शनिवार को ढोल नगाड़ा बजाकर इश्तेहार चिपकाया। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर अभियुक्त के घर इश्तेहार चिपकाया गया। दोनों अभियुक्त थाना क्षेत्र के बंठा गांव निवासी है। अभियुक्त के खिलाफ थाना में कांड 10/19 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। कांड दर्ज होने के बाद से दोनों फरार चल रहे हैं। थाना प्रभारी परमानंद मेहरा ने बताया कि फरार आरोपी को न्यायालय के समक्ष शीघ्र समर्पण के लिए इश्तेहार चिपकाया गया है, आरोपी समर्पण नहीं करते हैं तो न्यायालय के आदेशा पर घर की कुर्की जब्ती की जाएगी। इश्तेहार चिपकाने में एसआई मुकेश कुमार, अमन कुमार आदि शामिल थे।

जिले के 9 पंचायतों में हुआ सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

चतरा। जिले के 12 में 9 प्रखंड के 9 पंचायतों में शनिवार को आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके-द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं सदर प्रखंड के बरेनी पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त अबु इमरान पहुंचे। उपायुक्त ने इस दौरान पंचायत सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर ऑनस्पोट हो रहे निष्पादित मामलों की भी विस्तृत जानकारी लेते हुए योग्य लाभुकों को शत प्रतिशत योजनाओं से लाभान्वित करने की बात कही। शनिवार को प्रतापपुर प्रखंड के एघारा, लावालौंग के मधनिया, हंटरगंज के नावाडीह, कान्हाचट्टी के तुलबूल, चतरा के बरैनी, इटखोरी के इटखोरी, पत्थलगडा के बरवाडीह, सिमरिया के सेरनदाग, टंडवा के मिश्रोल पंचायत तथा नगर परिषद के वार्ड 4 एवं 5 मध्य विद्यालय दिभा में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा परिसंपति वितरण को लेकर बीडीओ ने की बैठक

गिद्धौर(चतरा)। आगामी 19 अक्टूबर को चतरा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम में परिसंपति वितरण के तैयारी को लेकर बीडीओ संजीत कुमार सिंह ने शनिवार को गिद्धौर प्रखंड कार्यालय में प्रखंड कर्मियों आदि के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उपस्थित कर्मियों को बीडीओ ने बताया कि गिद्धौर प्रखंड से परिसंपतियों का वितरण मुख्यमंत्री के हांथो होना है। इसके लिए सूची बना जल्द देने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रखंड में जरूरतमंद लोगों को चिन्हित कर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ दें। बैठक में बीपीओ अजय कुमार सिंह, तेजस्विनी कोडिनेटर संध्या कुमारी, पंचायत सचिव मिथलेश सिंह, चितरंजन शर्मा, उजवल सिंह, महेश मिस्त्री, नाजीर रामदेव ठाकुर सहित आदि उपस्थित थे।

आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे विधायक, कहा

जन-जन तक पहुंचेगी विकास योजनाएं: बैद्यनाथ

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। आपकी योजना आपकी सरकार कार्यक्रम झबर पंचायत में किया गया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि लोक प्रिय विधायक बैधनाथ राम ने उपस्थित हुए जिन्हें बुके व माला पहना कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विधायक व जीप उपाध्यक्ष व जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर सामूहिक रूप से किया। मौके पर विधायक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का यही सोच है कि जन जन तक विकास योजना पहुंचे। जिसके लिए सरकार में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया है। मौके पर सरकार द्वारा संचालित योजना का विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कहा कि शिविर में लगाए गए सभी विभाग के शिक्षा स्वास्थ राशन कार्ड पेंशन कृषि लोन रोजगार कार्ड सुकन्या योजना बालिका योजना स्टॉल लगाए गए हैं जिसमें आप नियम संगत आवेदन कर संबंधित कागजात संलग्न कर योजना का लाभ उठाएं।

ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुए विधायक

मौके पर दर्शन योजना का सुकृति प्रमाण पत्र विधायक ने लाभुक को दिए इसी दौरान विधायक ग्रामीणों से रूबरू होकर ग्रामीणों की समस्या जाना। ग्रामीणों ने शिक्षक पेयजल स्वास्थ्य आवास पेंशन संबंधित कई योजना विधायक को प्राप्त हुए जीसे विधायक ने ग्रामीण को आश्वासन देते हुए त्वरित संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारी को मामले की निष्पादन के लिए निर्देश दिए। वीडियो ललिता बाखला, अंचलाधिकारी आफताब आलम, जिप उपाध्यक्ष अनिता देवी,राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रितलाल यादव,जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष इस्वर उरांव, राजद नेता श्याम सुंदर यादव जिला पार्षद अभियंता अविनाश कुमार,परमेस्वर गंझू सहित मंचासीन अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों को योजना से जुड़े लाभ लेने की आग्रह की। मौके पर ग्रामीणों ने 200 से भी अधिक योजना लेने के लिए आवेदन की। कार्यक्रम का संचालन बीपीओ आलोक कुमार ने की।

मौके पर उपरोक्त लोगो के अलावे झाबर मुखिया शीलो देवी,पंचयात सेवक ब्रह्देव राम, आशीष कुमार, दिनेश कुमार, अजय कुमार,मो मुज्जफर हुसैन, समाज सेवी सह झामुमो नेता औरेन्जेब खान, पंकज सिंहा, लल्लू उराव, वकील कुमार, दीपक कुमार, अंकित पांडे,लाल आशीष नाथ शाहदेव,राजेश यादव, समाज सेवी अजित कुमार सहित प्रखंड-अंचल, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, सहित कई सरकारी विभाग के कर्मी व महिला पुरुष ग्रामीण जनता उपस्थित हुए।

ग्रामीणों के लिए अभिशाप बना नवादा में डीवीसी द्वारा निर्मित बांध

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड(चतरा)। इटखोरी प्रखंड क्षेत्र के नवादा पंचायत अंतर्गत ग्राम धनरास पीपरा के खाता 3, 4, 7, 9 और 19 कुल रकबा लगभग 5 एकड में डीवीसी क्षेत्र बरही द्वारा निर्मित बांध किसानों के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। वर्ष 2016/17 में डीवीसी द्वारा पीपरा सिमाना में रैयती जमीन से निकले नाले में जल संचय के लिए दो लाख छियासी हजार रुपये की लागत से बांध का निर्माण किया गया था। लेकिन इससे किसानों को फायदा मिलने के बजाय नुकसान उठाना पड़ रहा है। क्योंकी पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से अगल बगल खेती योग्य लगभग बीस एकड भूमि भी नाले में तब्दील होते जा रहा है। इस नाले में इटखोरी प्रखंड के अलावा मयूरहंड प्रखंड से भी पानी बहकर आता है। जब तक बांध नहीं बना था, तब तक पानी का तेज बहाव खेतों से बहकर लेढिया नदी में चला जाता था। बांध बनाए जाने के कारण पानी दुसरी ओर से नाला बनाकर निकल जा रहा है, जिससे धीरे-धीरे रैयती जमीन नाले में तब्दील होते जा रही है। ऐसे में खेती योग्य जमीन में नाला बन जाने से किसानों को डीवीसी द्वारा जल संचयन का निर्माण करवाना गले का फांस बन गय है। किसान रामफल सिंह और घनश्याम कुमार ने बताया की अगर समय रहते डीवीसी द्वारा पानी निकासी के लिए उपाय नहीं किया गया, तो जमीन के साथ-साथ गांव भी नाला से प्रभावित हो जाएगा।

सड़क पर तड़प रहे घायल युवक को विधायक प्रतिनिधि ने पहुंचाया अस्पताल

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। एनएच 75 रांची मेदिनीनगर मुख्य पथ पर स्थित लाधुप सेन्हा के समीप शुक्रवार देर शाम एक युवक घायलावस्था में सड़क किनारे तड़प रहा था। तभी वहां से गुजर रहे लातेहार विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार की नजर उक्त युवक पर पड़ी जिसके बाद उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर युवक को अपने वाहन बिठाया और उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा पहुंचे। जहां डॉ नन्द कुमार पांडेय के द्वारा युवक की गंभीरता को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के पश्चात उसे रिम्स रेफर कर दिया। घायल युवक की पहचान पतरातू चान्हो निवासी बालकिशोर मुंडा के 18 वर्षीय पुत्र सागर मुंडा के रूप में हुई है। युवक के कमर व हाथ में गंभीर चोट लगी है। बताया जाता है कि लातेहार विधायक बैथनाथ राम के पुत्र सह प्रतिनिधि प्रभात कुमार लाधुप में आयोजित

फुटबॉल मैच समाहरोह में शामिल होने पहुंचे थे। श्री कुमार मैच समाहरोह के समापन के बाद समाजसेवी राजकुमार साहु, मनोज कुमार के साथ लातेहार वापस लौट रहे हैं। तभी उक्त घायल युवक को सड़क पर घायलावस्था में देखा और उसे अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश कुमार गंझू,शितमोहन मुंडा,मो सरफराज,समेत कई लोग अस्पताल पहुंचे और घायल युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से रिम्स भेजने में मदद की।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए डीडीसी, कहा

योजनाओं का लाभ दिलाना ही शिविर का उद्देश्य

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रखंड में चल रहे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के चौथे दिन जमीरा में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिले के उप विकास आयुक्त सुरेन्द्र कुमार वर्मा भी शामिल हुए। शिविर में पहुंचे श्री वर्मा का जमीरा मुखिया दुर्गावती देवी के नेतृत्व में पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाघटन करते हुए डीडीसी श्री वर्मा ने कहा कि जनकल्यालकारी योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना ही शिविर का मुख्य उद्देश्य है। ग्रामीणों को आगे आकर इस शिविर का लाभ उठाना चाहिए। राज्य सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मिले जिससे उसका और क्षेत्र का हो विकास हो सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बीडीओ विजय कुमार ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। शिविर में आये कई आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। शिविर में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, सावित्री बाई फुले बालिका समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, आवास योजना, मनरेगा, ई श्रम विभाग समेत कई विभागों से जुड़े आवेदन प्राप्त किये गए।मौके पर जिला सहकारिता पदाधिकारी जैकमनी टोप्पो, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश कुमार गंझू, मुखिया दुर्गावती देवी, सितमोहन मुंडा, झामुमो प्रखंड सचिव मो इजहार, प्रखंड उपाध्यक्ष मो सरफराज, मालहन मुखिया जतरु कुमार मुंडा, बब्लू राही समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

- ग्रामीणों को आगे आकर इस शिविर का लाभ उठाना चाहिए: डीडीसी
- बीडीओ ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी
- अपनी समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने दिया आवेदन

सवासार गांव में खराब जलमीनार को लेकर ग्रामीणों मे रोष

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत सेरेगाड़ पंचायत के सवासार ग्राम में डीएमएफटी के मध्यम से लगे जलमिनार पिछले एक साल से हाथी का दांत साबित हो रहा है ।भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा को जानकारी मिलते ही सवासार ग्राम पहुंच ग्रामीणों के साथ खराब पड़े जलमीनार एवम ग्रामीणों मे विरोध को देखते हुए आस्वासन दिया।और कहा इस खराब पड़े जल मीनार को विभाग के अफसरों द्वारा कोई सुध नहीं लिया जा रहा है ग्रामीणों द्वारा बार-बार कंप्लेंट करने के बाद भी उनके कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है।विभाग अपनी मनमानी से ग्रामीणों के परेशानियों को अनदेखा कर आंख मूंद लिए है। जल्द से जल्द इस जलमिनार को दुरस्त कर उपयोग में लाने का मांग विभाग से किया गया।मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा मंडल महामंत्री विजय यादव पोहन पांडेय संतोष राय शंकर राव सुरेंद्र भगत हरी लाल भगत मानी भगत समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्व छात्र दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

सिमरिया (चतरा)। शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव प्रज्ञा बाजपाई के निर्देशन में सिमरिया प्रखंड मुख्यालय में संचालित इंटर महाविद्यालय सिमरिया में विश्व छात्र दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कानूनी सहायता केंद्र के विधिक कार्यकर्ता सुबोध कुमार शर्मा द्वारा छात्रों को बताया गया कि प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। साथ ही साथ उपस्थित बच्चों को बाल श्रम, बाल विवाह एवं साइबर क्राइम से संबंधित जानकारी दी गई।

बरवाड़ीह में पौधरोपण कर आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ, बोले डीडीसी

योजनाओं का शत-प्रतिशत मिलेगा लाभ

नवीन मेल संवाददाता

पत्थलगड़ा(चतरा)। पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह पंचायत सचिवालय में शनिवार को आयोजित आपके द्वारा कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता शामिल हुए। जेएसएलपीएस व प्रतिनिधियों ने मुख्य अतिथि डीडीसी श्री गुप्ता का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने बरवाडीह पंचायत भवन प्रांगण में पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ डीडीसी, प्रमुख मनीषा कुमारी, बीडीओ मोनी कुमारी, मुखिया संदीप कुमार सुमन, बीस सूत्री अध्यक्ष विकास यादव व जिप सदस्य रामसेवक दांगी ने संयुक्त रुप से दीप-प्रज्वलित कर किया। उप विकास आयुक्त ने लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के साथ विभिन्न

विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर संबंधितों को कई दिशा निर्देश दिए। वहीं इस दौरान ग्रामीणों ने बैंक मैनेजर व कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार करने तथा केसीसी नही करने का आरोप लगाया। जिसपर डीडीसी ने स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक को फटकार लगाते हुवे सही से लोगों का काम करने का निर्देश दिया। इस दौरान कई लाभुकों के बीच वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, केसीसी ऋण स्विकृति पत्र, जेएसएलपीएस महिला समूहों के बीच दस लाख ऋण का वितरण किया गया। कार्यक्रम में एसबीआई प्रबंधक प्रकाश पांडेय, बीओआई प्रबंधक प्रशांत कुमार, पंचायत सेवक मो. आलम, श्रमिक मित्र सुनील दांगी, रोजगार सेवक महेंद्र ठाकुर, बीस सूत्री उपाध्यक्ष जितेंद्र दांगी, जेएसएलपीएस सीसी नीता कुमारी, रवि कुमार, राधा कुमारी, पूनम कुशवाहा सहित भारी संख्या में लोग शामिल थे।

सन्हा में ग्रामीणों की हुई बैठक भूमि बचाओ संघर्ष समिति गठित

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। शनिवार को टंडवा प्रखंड अंतर्गत सन्हा के पटेल मैदान में उरदा, सिसई व काढमदिरी के ग्रामीणों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता लोकनाथ महतो व संचालन दिलीप पांडेय ने किया। बैठक में बताया गया कि कोयले की ढुलाई करने को लेकर एनटीपीसी चट्टी बारियातु कोल माइंस रेलवे से भूमि अधिग्रहण की कवायद तेज करते हुए कौड़ी के भाव पर लगभग 8 लाख रुपए प्रति एकड़ असंतोषजनक मुआवजा निर्धारित किया है। ऐसे में सर्वसम्मति से भूमि बचाओ संघर्ष समिति का गठन करते हुए अध्यक्ष रमेश राणा, उपाध्यक्ष रोहन महतो, सचिव लोकनाथ महतो, कोषाध्यक्ष राजकुमार राम, उपकोषाध्यक्ष धर्मनाथ महतो, मीडिया प्रभारी

दिलीप पांडेय सहित 61 सदस्य मनोनीत किए गए। प्रस्ताव लिया गया कि जब तक ग्रामीणों के साथ संतोषजनक वार्ता, मुआवजा व मूलभूत सुविधाओं के विकास को लेकर नीति स्पष्ट नहीं होती, तबतक एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा आयोजित किसी भी शिविर या बैठक में कोई भी ग्रामीण भाग नहीं लेंगे। मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का पांच किशोरियों को मिली स्वीकृति पत्र

सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं: विधायक

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड के मंगरा पंचायत सचिवालय भवन परिसर में शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह, बीडीओ राकेश सहाय, जेएसएलपीएस बीपीएम अभय कुमार, मंगरा मुखिया बिपीन बिहारी सिंह, बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, सीडीपीओ अनिता कुमारी, पंचायत समिति सदस्य सुनीता देवी, यूथ कांग्रेस स्टेट कोऑर्डिनेटर विजय बहादुर सिंह,विधायक प्रतिनिधि प्रेम कुमार सिंह ने बारी बारी से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश के गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पंचायत स्तर

पर सभी ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निदान हेतु इस योजना के माध्यम से सभी पंचायतों में शिविर लगाकर गांव के अंतिम व्यक्ति तक सभी लोगो की समस्याओं का निदान करने हेतु प्रयासरत है। पंचायत के सभी लोग अपनी-अपनी क्षेत्रों के विभिन्न समस्याओं को पंचायत शिविर रख सकते हैं। शिविर में उठाए गए समस्याओं का पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक तत्काल निष्पादन किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से 60 वर्षे सेऊपर की उम्र के लोगों को सर्वजन पेंशन योजना का लाभ उठाने, पढ़ने वाली बालिकाओं को सावित्री फुले बाई योजना, राशन कार्ड से वंचित लोगों को राशन कार्ड का लाभ उठाना समेत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं। सभी योजनाओं का जानकारी देते हुए लाभ उठाने की अपील किया।

कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट किया गया निष्पादन

बीडीओ राकेश सहाय ने सरकार की सभी योजनाओं की जानकारी देते हुए पंचायत स्तर पर लगाए जा रहे शिविर में पहुंचकर अधिक से अधिक संख्या लोगों को लाभ उठाने की अपील किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के कर्मियों द्वारा कई स्टॉल लगाए गए थे जिनमे पंचायत के लोगों की समस्या सुन व ऑन द स्पॉट समस्याओं का निष्पादन किया जा रहा था। शिविर में आवास, पेंशन, राशन, जाति ,आय, निवास, मनरेगा, जेएसएलपीएस सहित कई विभाग के स्टॉल लगाए गए थे। विधायक रामचंद्र सिंह ने बीडीओ के साथ शिविर के स्टॉल का निरीक्षण किया व दूरदराज से आए हुए लोगों की समस्याओं से भी अवगत हुए। विधायक श्री सिंह ने कार्यक्रम में सावित्री फुले बाई योजना के तहत चयनित 5 बालिकाओं का प्रमाण पत्र भी वितरण किया। इसके अलावा कार्यक्रम में लाभुकों के बीच सोना सोबरन योजना के तहत धोती साड़ी व अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य जांच , कोविड-19 टीकाकरण भी किया जा रहा था. मौके पर पंचायत के सभी वार्ड सदस्य, ग्राम प्रधान समेत काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे, वही सभी विभाग के कर्मी उपस्थित थे

मुख्यमंत्री के चतरा आगमन को लेकर डीसी ने पदाधिकारियों संग की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। शनिवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरान ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के चतरा आगमन के तैयारी को लेकर जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अपने-अपने दायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वहन करेंगे। साथ ही लाभुकों के बीच वितरण होने वाली परिसंपत्तियों की समीक्षा करते हुए सम्पूर्ण व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने का निर्देश दिया। बैठक में सभी विभागों के अन्तर्गत संचालित योजनाओं से संबंधित शीलान्यास, परिसंपत्ति वितरण, उद्घाटन, नियुक्ति पत्र की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने

विभाग अन्तर्गत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराएं। बैठक में मुख्य रूप से डीडीसी उत्कर्ष गुप्ता, अपर समाहर्ता पवन कुमार मंडल, निदेशक डीआरडीए अरूण कुमार एक्का, सदर एसडीओ मुमताज अंसारी, सिमरिया एसडीओ सुधीर दास, सिविल सर्जन श्याम नन्दन सिंह, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी गौरांग महतो, डीएसडब्ल्यूओ सुरजमुनी कुमारी व सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

खनन विभाग ने कार्रवाई कर बंगरु से एक अवैध बालू के साथ ट्रैक्टर किया जब्त

सिमडेगा। खनन विभाग द्वारा बंगरू के समीप अवैध बालू लदा हुआ ट्रैक्टर शनिवार की अहले सुबह जब्त करते हुए सिमडेगा थाना को सुपुर्द किया। खनन निरीक्षक गणेश चंद्र परीड़ा ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी के निर्देश अनुसार छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान अवैध बालू लोड कर शहर की ओर आ रहे एक ट्रैक्टर को बंगरु के पास जब्त करते हुए थाना को सुपुर्द किया है तथा उनके विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार बार-बार अवैध खनन को लेकर खनन विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है लेकिन इसके बावजूद कई ट्रैक्टर चालक मनमाना तरीके से चोरी-छिपे अवैध बालू का कारोबार कर रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी ताकि सरकार का राजस्व का नुकसान ना हो। गौरतलब हो सिमडेगा के पालमाड़ा नदी सहित कई नदियों में अभी तक टेंडर नहीं हुआ है इसके बावजूद अवैध बालू के कारोबारी धड़ल्ले से बालू का उठाव कर रहे हैं।

नशे में धुत पति ने पत्नी को पीटकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बानो। बानो सर्किल के महबुवांग ओपी क्षेत्र अंतर्गत वीरता पूरब टोली में बीती रात नशे में धुत पति ने अपनी पत्नी को पीट-पीटकर हत्या कर दिया। घटना की जानकारी सुबह पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची एवं शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार पति पत्नी दोनों नशे में धुत थे। किसी बात को लेकर दोनों में तू-तू-मैं-मैं हुआ। गुस्से में पास रखे डंडे से मार डाला। जिससे हल्यानी बडिंग की मौत हो गई। जानकारी मिलने पर महाबुवांग पुलिस गांव जा कर मृत शव को कब्जे में ले ली। थाना प्रभारी जितेश कुमार ने बताया कि आरोपी हत्यारा पति गाब्रिएल तोपनो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इधर शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को शव सौप दिया।

विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान

सिमडेगा। कोलेबिरा प्रखंड में एस के बागे कॉलेज में पीरामल फाउंडेशन के सौजन्य से कॉलेज में पढ़ रहे बच्चों को हाथ के सफाई के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया। बताया गया कि सभी लोगों को भोजन करने एवं किसी प्रकार के कार्य करने के पूर्व हाथ अवश्य धोनी चाहिए ताकि हाथ में फैली गंदगी और हाथ में जो भी बैक्टीरिया हो वह साफ हो और साफ हाथों से रोग नहीं होते हैं। वही बच्चों के बीच क्विज कॉन्पिटिशन और गतिविधियां चलाई गई जिससे बच्चे जागरूक हो और लोगों को भी जागरूक कर सके। इस मौके पर पीरामल फाउंडेशन के डिस्ट्रिक्ट लीड दीपिका कुमारी एवं कॉलेज के बालमुकुंद प्रसाद, रीना कुमारी के अलावा कई लोग मौजूद थे।

आदिवासी प्रकृति और परम्परा की पहचान है जतरा : रोहित उरांव

कैरो/लोहरदगा। शनिवार को कैरो प्रखंड के गजनी में जतरा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में लोहरदगा विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के पुत्र रोहित उरांव एवं विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल उपस्थित हुए। इस अवसर पर जतरा कमिटी के द्वारा आदिवासी परंपरा के अनुरूप मुख्य अतिथि का स्वागत ढ़ोल नागाड़े एवं आदिवासी वेश-भूषा दे कर किया गया। इस मौके पर रोहित उरांव ने कहा आदिवासी प्रकृति एवं परम्परा कि पहचान है जतरा, प्रकृति के साथ प्रेम का संदेश देती है जतरा। आदिवासी समाज प्रक्रितिक पूजक है प्रकतिक के प्रति प्रेम एवं सौहार्द आपसी भाईचारा एवं प्रेम है, साथ ही हम सभी को अपने आदिवासी समाज एवं प्रकृति कि रक्षा करने कि जरूरत है वर्तमान समय मे पूर्वजो का सपना को साकार करने कि जरूरत है।इस दौरान आदिवासी परंपरा और संस्कृति के अनुसार जतरा चाल्हो, महुआरी, बीयासी, कोलसीमरी और गजनी का खोड़हा ढोल नगाड़े मांदर के साथ जतरा में झूमते गाते सामिल हुए। मेला में विधि व्यवस्था संधारण हेतु कैरो थाना पुलिस अवर निरीक्षक हरिऔध करमाली दल बल के साथ उपस्थित रहे।इस दौरान आयोजकों के द्वारा माला पहनाकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर मुखिया सुमन उराव ,भूत पूर्व मुखिया करमचंद उराव, वार्ड सदस्य विनोद उरांव ,पहान बीरू उराव, समाजसेवी गुहा उराव ,वीरसिंहटाना भगत संजय नायक, गणपत उरांव,नारायन उरांव, हरिदास उरांव, सुशील उरांव आदि मौजूद थे।

कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष जुगल भगत की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी की एक दिवसीय बैठक

भंडरा/लोहरदगा। कांग्रेस पार्टी की एक दिवसीय बैठक शनिवार को स्थानीय जिला परिषद निरीक्षण भवन भंडरा में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष जुगल भगत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य रूप से भारत जोड़ो पदयात्रा के प्रखंड प्रभारी सिकंदर अंसारी उपस्थित हुए। और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया और कहा एक तरफ नरेंद्र मोदी देश को तोड़ने पर लगे हुए हैं। और हमारे राहुल गांधी देश को जोड़ने के लिए पूरे भारत का दौरा कर रहे हैं। इससे साबित होता है की देश को कौन आगे ले जा सकते है। वंही प्रखंड अध्यक्ष जुगल भगत ने कहा की आज देश को हिंदू, मुस्लिम, मंदिर मस्जिद से चीन ,पाकिस्तान से उपर उठकर सोचने वाले व्यक्ति की जरूरत है तभी देश की विकास हो सकता है। इसके साथ कई वक्ताओं ने अपना विचार कांग्रेस पार्टी की मजबूती को लेकर रखा। बैठक में मुख्य रूप से तबरेज मीरदहा, जीवन लकड़ा, निरंजन एक्का, इम्तियाज अंसारी, जुबी उरांव, विरिया उरांव, मोबारक अंसारी, फगुआ उरांव, गन्दूरा उरांव, बिरसु उरांव, गौशूल मीरदहा, लाल गौरीशंकर, मनराज उरांव, काले उरांव, सलाउद्दीन अंसारी, प्यारी उरांव, विगा पहान, खुर्सीद अंसरी, बासुदेव उरांव, विजय उरांव, बिरसु उरांव आदि उपस्थित थे।

20 सूत्री कार्यक्रम व क्रियान्वयन और जिला योजना समिति की बैठक

'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम से सभी वर्ग को हो रहा फायदा : सत्यानंद भोक्ता

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिला के जिला परिषद सभागार में आयोजित 20 सूत्री एवं जिला योजना समिति की बैठक में सत्यानंद भोक्ता, मंत्री, श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड ने कहा कि राज्य में जैसे ही वर्तमान सरकार का गठन हुआ। देश में बहुत बड़ी आपदा आयी। कोविड-19 में हाट बाजार सब बंद था, लेकिन अब एक वर्षों से जो दिखाई दे रहा है गांव और शहर में, जब कोविड-19 से हमलोग को मुक्ति मिला। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक अभियान 'आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार' पंचायतों में चलाया। इसमें जो बहुत सारी समस्याएं थीं वो बुनियादी समस्याएं थीं। उसमें लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। उसी तर्ज पर अभी राज्य के हर जिले में के सभी पंचायत में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका लाभ सभी वर्ग को मिल रहा है। मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष 40 लाख आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 36 लाख आवेदन का निष्पादित हुआ है। फिर दूसरा फेज चल रहा है। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभी 14 नवंबर तक चलेगा। 20 सूत्री की समीक्षा में मंत्री ने विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा बनाई जा रही मनहे चंदगो सड़क, सनई हापे सड़क, की जांच 20 सूत्री उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में विधायक प्रतिनिधि, सांसद प्रतिनिधि, जिला परिषद का स्थानीय सदस्य तथा अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा की जायेगी। मंत्री ने सनई हपात पथ में पुल निर्माण के ठेकेदारों को 15 दिन में कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया। 15 दिन में कार्य प्रारंभ नहीं होने पर उन्हें डीबार किया जाय। कृषि पदाधिकारी को रवि फसल के बीज वितरण जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में करने का निर्देश दिया गया। भूमि सरक्षण के बड़े तालाब, छोटे तालाब, पंप सेट, ट्रैक्टर वितरण करने की समीक्षा उपायुक्त को करने का निर्देश दिया।

ऊर्जा विभाग के कार्यपालक अभियंता को जर्जर तारों को बदलने का प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया। 100 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले परिवारों को निशुल्क करने का निर्देश दिया गया। जिला आपूर्ति के डाकिया योजना, खाद्यान वितरण, कार्डधारी, के समीक्षा में कहा गया की धनी लोगों द्वारा राशन लिया गया है उसे बाजार मूल्य के आधार पर राशि जोड़कर नोटिस देते हुए वसूली की जाय। पथ निर्माण विभाग को पथों का निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। सामाजिक सुरक्षा के तहत सर्वजन पेंशन योजना से जुड़े लाभुको की जानकारी ली गई। जिले से पलायन रोकने हेतु प्रशिक्षण एवं स्थानीय लोगो का रोजगार देने का निर्देश दिया गया। खनन विभाग को बालू घाटों की नीलामी की प्रक्रिया पूरा करने निर्देश दिया गया। हिंडाल्को को माईनिंग एवं परिवहन क्षेत्र में खराब सड़क की मरम्मती एवं पानी की छिड़काव करने का निर्देश दिया गया। शहर में सुरक्षा की दृष्टि से डीएमएफटी फंड से सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया गया। सभी जिला परिषद सदस्यो द्वारा अपने अपने प्रस्ताव दिए गए। बैठक में विधायक सह मंत्री डा0 रामेश्वर उरांव, उपायुक्त वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक आर राम कुमार, डीएफओ अरविंद कुमार, एसडीओ अरविंद कुमार लाल, सिविल सर्जन डॉ संजय कुमार, साबिर खान 20 सूत्री उपाध्यक्ष, जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी, सांसद प्रतिनिधि चंदशेखर प्रसाद, अशोक यादव, विधायक प्रतिनिधि, सदस्य जगदीप भगत, सुखैर भगत सहित सभी 20 सूत्री सदस्य एवं सभी जिला परिषद सदस्य उपस्थित थे।

निकाय चुनाव का समय आते तक ओबीसी आरक्षण का मामला निपटारा कर लेगी : मंत्री

लोहरदगा पहुंचे सूबे के श्रम नियोजन मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने स्थानीय पत्रकारों से कहा कि, झारखंड में महागठबंधन की सरकार निकाय चुनाव का समय आते आते तक ओबीसी आरक्षण का मामला का निपटारा कर लेगी। निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण का लाभ मिलेगा। ओबीसी को आरक्षण से वंचित नहीं किया जाएगा। कहा कि, बिहार में अभी होने वाले निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। इस बात को लेकर झारखंड में चर्चा हो रही है। जबकि मामला बिहार का है। मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य के हेमंत सोरेन सरकार ओबीसी को 27प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा कर विपक्ष का मुद्दा समाप्त कर दिया है। इससे पूर्व की बहुमत की सरकार ओबीसी को हमेशा ठगा है। राज्य के महागठबंधन की सरकार ने ओबीसी को 27प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा कर ओबीसी समाज के प्रति अपनी सोच और नजरिया स्पष्ट कर दिया है।

अपग्रेड ईपोस मशीन राज्य सरकार क्रय करेगी : सत्यानंद भोक्ता

झारखंड के सभी राशन दुकानो में ई पोस मशीन से राशन सामग्री देने से गरीब लाभुकों को होने वाली परेशानी से राज्य सरकार भली प्रकार अवगत है। झारखंड में 2जी पर आधारित ई पोस मशीन को राज्य सरकार यथाशीघ्र अपग्रेड करने में लगी है। झारखंड के सभी राशन डीलरों को राज्य सरकार 4जी पर चलने वाली आधुनिक ईपोस मशीन खरीद कर उपलब्ध कराएगी। उपरोक्त बातें शनिवार को सूबे के श्रम एवं नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने स्थानीय पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा। मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि 4जी 5जी पर चलने वाली ई पोस मशीन की खरीदारी राज्य सरकार करेगी। इसको लेकर राज्य कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर लिया गया है। यथाशीघ्र जन वितरण प्रणाली के लाभुकों और राशन डीलरों को इसका लाभ मिलेगा।

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मनाया गया ग्लोबल हेंडवासिंग दिवस

बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग बानो में ग्लोबल हेंडवासिंग दिवस मनाया गया। जिसमें छात्राओं ने नाटक तथा क्विज प्रतियोगिता के द्वारा ग्लोबल हेंडवासिंग दिवस के माध्यम से सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक किया वहीं सही तरीके से हैंडवासिंग न करने से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बहुत बारीकी से समझाया। निदेशक डॉ. प्रहलाद मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरे विश्व में ग्लोबल हेंडवासिंग दिवस पर मनाया जा रहा है वहीं हेंडवासिंग केवल दिवस मात्र नहीं बल्कि आर्दश जीवन का सार्थक हिस्सा है। वहीं इस कार्य को अपने जीवन में बहुत सारी चीजों को छूने से हमारे हांथ तथा नाखून तक वेक्टेरिया से सम्पर्क में होता है जिससे हमसभी कई प्रकार के बीमारी के चपेट में आ जाते हैं। जिससे बचाव के लिए हेंडवासिंग अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में नोवेल कोरोना वायरस से बचाव के लिए भी नियमित रूप से हेंडवासिंग अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य संगीता कुमारी ने भी अपने विचार रखते हुए लोगों को हेंडवासिंग अत्यंत आवश्यक है जिसे विशेष ध्यान देने को कहा। जिससे हम सभी स्वस्थ रहें और एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकें। वहीं इस मौके पर सहायक प्राचार्या प्रभा सुरीन, संस्थान के कोर्डिनेटर रविकांत मिश्रा ट्यूवटर नूतन कीड़ो, अलविना तोपनो, कुमुदनी कुमारी, लीलावती साहू, बिनीता, रश्मि बा एवं अन्य सभी उपस्थित थे।

टॉय पिस्टल दिखाकर ज्वेलरी दुकानदार से मांगी रंगदारी, आरोपी गिरफ्तार

एसडीपीओ बीएन सिंह ने प्रेसवार्ता कर किया खुलासा, कहा अपराधी प्रवृत्ति का है आरोपी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के बीचोबीच स्थित एक ज्वेलरी दुकान में पिस्टल दिखाकर रंगदारी मांगने और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी को पुलिस ने महज तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस गिरफ्त में आये आरोपी की पहचान कौनेज कुरैशी पिता आजम कुरैशी, पता कुरैशी मुहल्ला लोहरदगा के रूप मे किया गया है। सदर थाना में आरोपी के विरुद्ध कांड संख्या 245/22 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। दर्ज मामला में हथियार दिखाकर भयभीत कर रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया गया है। इस संदर्भ में शनिवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने प्रेस वार्ता आयोजित कर पूरे मामले का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की दोपहर लोहरदगा थाना अन्तर्गत रिहायशी एरिया मैंना बगीचा स्थित गायत्री ज्वेलर्स के मालिक निलेश खत्री को अज्ञात अपराधी द्वारा बेखौफ पिस्टल दिखाकर रंगदारी मांग की गयी तथा रंगदारी नहीं देने पर जान से हाथ धोने की धमकी की सूचना मिली थी। सूचना प्राप्त होने पर लोहरदगा थाना द्वारा त्वरीत कार्रवाई करते हुए ज्वेलर्स दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज का अवलोकन कर अपराधी की पहचान किया गया तथा 03 घंटा के अंदर घटना का उदभेदन करते हुए घटना में संलिप्त अपराधी को हिरासत में लिया गया तथा उसके पास से एक टॉय पिस्टल बरामद की गयी, जो देखने में बिल्कुल असली पिस्टल जैसा है, जिसे देख कर कोई भी व्यक्ति भयभीत हो सकते है।

एसडीपीओ बी एन सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कौनेज कुरैशी अपराधी प्रकृति का व्यक्ति है। एक माह पूर्व ही वह जेल से रिहा होकर बाहर आया है ।उसके विरुद्ध सदर थाना कांड संख्या 108 / 22 दर्ज है । पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी में अनिल कुमार, पंकज कुमार शर्मा, शैलेन्द्र कुमार, सुजित कुमार, सुकु सोरेन, अरविन्द कुमार शर्मा समेत अन्य ने सराहनीय भूमिका निभाई।

पाइकपारा में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मिला लाभ

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर प्रखंड के पाइकपारा पंचायत में शनिवार को सरकार के निर्देश पर आप की योजना आपकी सरकार आपके द्वार के तहत प्रखंड प्रशासन द्वारा पंचायत में शिविर लगाकर लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया कार्यक्रम की शुरूआत जिला परिषद अध्यक्ष रोश प्रतिमा सोरेंग, जिप सदस्य अजय एक्का, पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा, आइटीडीए निदेशक सलन भुईयां, डीडीसी अरूण वाल्टर सांगा सीओ समीर कच्छप ने किया।मौके पर जिप सदस्य अजय एक्का ने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष शिविर पर कहा कि यह कार्यक्रम आपकी सुविधा एवं लाभ देने की लिए लगाई गई। इसका आप सभी लाभ लें उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। कहा कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना अन्तर्गत बालिकाओं को कक्षा 8वीं, 9वीं में 2500, कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 5000 एवं 18-19 वर्ष की आयु की किशोरियों को 20000 रुपए का आर्थिक मदद मिलेगा। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के अन्तर्गत 50 हजार तक ऋण बिना किसी गारंट की मिलेगी। डीडीसी सिमडेगा अरूण वाल्टर सांगा ने कार्यक्रम में लगाये गए स्टॉल का निरीक्षण किया। कर्मियों से कार्यों की जानकारी प्राप्त की, वहीं ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण एवं योजना से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। कार्यक्रम में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय के स्टॉल सहित राजस्व, शिक्षा, विद्युत, पंचायत राज, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, सहकारिता, कृषि, समाज कल्याण, पशुपालन, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, श्रम, कल्याण, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, बैंक, जेएसएलपीएस के स्टॉल सहित अन्य विभागों के स्टॉल लगाये गए थें। ऊसलाईन कान्वेंट रेंगारिह विद्यालय के बालिकाओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। इसके अलावे परिसम्पति का वितरण किया। मुखिया सुशीला लकड़ा, जिप सदस्य प्रतिनिधि अमृत चिराग तिर्की, जेएमएम केंद्रीय सदस्य मोहम्मद शाहिद, अन्य उपस्थित थें।

कांग्रेस व आजसू के तीन दर्जन कार्यकर्ताओं ने थामा जेएमएम का दामन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा/लोहरदगा। प्रखंड के आकाशी पंचायत के कांग्रेस पार्टी एवं आजसू के तीन दर्जन कार्यकर्ताओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया। बता दें कि कांग्रेस पार्टी एवं आजसू के तीन दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि बिठ्ठु उरांव एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य शामिल उरांव के द्वारा सभी को माला पहनाकर झारखंड मुक्ति मोर्चा में स्वागत किया गया।

इस मौके पर अपने संबोधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में हेमंत सोरेन की सरकार के द्वारा जो तेज गति से कार्य किए जा रहे हैं इसी से प्रभावित होकर दूसरे संगठनों के लोग स्वतः झारखंड मुक्ति मोर्चा में खींचे चले आ रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा में सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत है तथा सभी के बातों को सुनते हुए सभी की समस्याओं को पूरी तरह से दूर करने का कार्य किया जाएगा। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष प्रवेज अंसारी, शामिल उरांव, बिठ्ठु उरांव, मनसूर अंसारी, नौसद अंसारी, जमाल अंसारी, नेजाम अंसारी, आशिक अंसारी, अल्ताफ राजा, जमानत अंसारी, हैदर अंसारी, शेख काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

20 को खुंटीटोली चौक से शुरू होगी भारत जोड़ो पदयात्रा

पदयात्रा में शामिल होंगे प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारत जोड़ो पदयात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी की बैठक परिसदन भवन में हुई। मौके पर झारखंड सरकार के सचेतक सह विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि भारत जोड़ो पदयात्रा को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का अहम रोल होगा। सभी कार्यकर्ता अभी से ही कार्यक्रम की तैयारी में जूट जाएं। उन्होंने सभी नवनियुक्त डेलिगेट सदस्यों एवं प्रखंड अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि आपको पार्टी ने अहम जिम्मेवारी सौंपी है। इसे बखुभी निभाएं और जिले में संगठन को मजबूत करें। विधायक ने बताया कि जिले में 20 अक्तूबर को भारत जोड़ा पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा खुंटीटोली चौक से शुरू होगी। जो नीलम पेट्रोल पंप तक जाएगी। दिन के 11 बजे से निकलने वाले पदयात्रा में मुख्य रुप से प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की उपस्थित रहेंगे। बैठक में प्रखंड का विस्तार करने पर भी चर्चा की गई। मौके पर नव नियुक्त सभी डेलीगेट सदस्यों एवं प्रखंड अध्यक्षों को विधायक सहित पार्टी जिलाध्यक्ष अनुप केसरी ने फुल माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही जिले में संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीडी सिंह, मो समी आलम, जोनसन मिंज, रंणधीर रंजन, दिलीप तिर्की, प्रदीप केसरी, जिप सदस्य जोसिमा खाखा, शांतिबाला केरकेट्टा, समरोम पौल तोपनो, नवीन बिरेन तिर्की, रजत लकड़ा, अनुप लकड़ा, नॉमिता बा, शीला देवी, फुलजेन्सिय बिलुंग, तुलसी पारंगत खलखो, बर्थलोमि तिर्की, सुशील जरिया, रजत लकड़ा, अजित लकड़ा, सिल्वेस्टर बघवार, सोनल लकड़ा, जेफ्रीन केरकेट्टा, सुषमा कुजूर, मंजू तिर्की, प्रतिमा कुजूर, श्यामलाल प्रसाद, सुलभ नेल्सन, अशफाक आलम,मो करू, प्रेम दास, मो अरमान, संजय केसरी, वरदान लकड़ा, लीला नाग, खुशी राम, सोनल लकड़ा, रवेल लकड़ा, वारिस राजा, अनिल खेस, तारसिला बिलुंग सहित कई कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

इस्लामपुर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गुजरात से आये शब्बीर बरकाती ने एक से बढ़ कर एक नात-ए-पाक पेश की

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। मरहबा कमेटी के द्वारा शुक्रवार की रात शहर के इस्लामपुर में जश्न ए ईद मिलादुन्नबी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आये उलेमा एक कराम व शायर ए करामों ने एक से बढकर नबी के शान में कलाम पेश किए। कार्यक्रम में गुजरात से आये शब्बीर बरकाती ने एक से बढ़ कर एक नात ए पाक पेश करके लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत कुरान-ए-पाक के तिलावत के साथ किया गया। मौके शब्बीर बरकाती द्वारा प्रस्तुत किए गए नूर वाला आया है, नूर लेकर आया है,सारे आलम में ये देखो कैसा नूर छाया है.... पर लोग झूमने के लिए मजबूर हो गए। उन्होंने ख्वाजा गरीब नवाज के शान में कुर्सी पर कोई तो बैठे राजा मेरा खाजा है... प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही मेरा बादशाह हुसैन है....मौला अली अली अली प्रस्तुत किया गया। जिस पर अकीदतमंद झूम उठे। कार्यक्रम में मौलाना रौशनुल कादरी ने कहा कि मोहम्मद साहब ने पूरी कायनात को इंसानियत का पाठ पढ़ाया। उन्होंने लोगों की मदद करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद साहब के बताए हुए बातों को अपनी जिंदगी में उतारें तब ही इसका मक्सद पूरा होगा। बीमारों-गरीबों की मदद करने की अपील की। कार्यक्रम में मौलाना ने एकता का पाठ पढ़ाते हुए समाज के विकास के लिए एकता जरूरी है। कार्यक्रम में कारी जमील अख्तर, हाफिज वशीम अकरम, कमर गयावी आदि ने एक से बढ़कर एक नातिया कलाम पेश किया। कार्यक्रम का समापन सलातो सलाम दुआओं के साथ हुआ जलसे को लेकर कार्यक्रम स्थल में खास साज सज्जा की गई थी। मौके पर लंगरख्वानी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में सिमडेगा जिले के विभिन्न प्रखंडों के अलावा ओड़िशा, राउरकेला, बिरमित्रापुर, राजगांगपुर, खटकुलबहार, गुमला, लोहरदगा, रांची सहित विभिन्न जगहों से लोग पहुंचे थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मरहबा कमेटी के सदर मो. जुनैद, हुजैफा हुसैन, सैफ अली, राजा कुरैशी, मोजस्सम अंसारी, वशीम कुरैशी, तनवीर अंसारी, जुनैद रजा आदि का योगदान रहा। कार्यक्रम में सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए गए थे। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दयानंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस जवानों को तैनात किया।

इन शेयर में बिल्कुल भी न लगाएं पैसा उठाना पड़ सकता है भारी नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेश करना कोई बड़ी बात नहीं है। हालांकि शेयर बाजार में किन शेयरों में निवेश किया जा रहा है, यह काफी समझदारी वाली बात होती है। अक्सर देखने को मिलता है कि लोग शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश नहीं करते हैं और किसी भी शेयर को चुन लेते हैं, जो कि निवेश का सही तरीका नहीं है। शेयर मार्केट में निवेश करते वक्त जिन शेयरों को चुना जा रहा है, उन पर काफी ध्यान रखना चाहिए। किन शेयरों में पैसा नहीं लगाना चाहिए, इसको लेकर एसएमसी ग्रुप के डायरेक्टर आयुष अग्रवाल ने विस्तार से बताया है। आयुष अग्रवाल के मुताबिक शेयर मार्केट में पैसा लगाते वक्त जिन कंपनियों के शेयर चुने जा रहे हैं, उनको लेकर कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए। आयुश अग्रवाल ने बताया कि किसी भी कंपनी के शेयर चुनते वक्त ये ध्यान देना चाहिए कि उस कंपनी पर कर्ज कितना है। कर्ज कम होना चाहिए। आयुष अग्रवाल का कहना है कि कर्ज के अलावा प्रोमोटर की स्थिति भी देखनी चाहिए। साथ ही इसकी भी जांच करनी चाहिए कि प्रोमोटर का नाम कभी किसी स्कैम में ना जुड़ा हो और कंपनी में प्रोमोटर की होल्डिंग भी अच्छी हो। साथ ही इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि कंपनी के शेयर गिरवी रखे गए हैं या नहीं। आयुष अग्रवाल ने बताया कि किसी भी शेयर को खरीदते वक्त कंपनी के क्रेडिट रेटिंग और एनुअल रिपोर्ट को भी देखनी चाहिए। अगर कंपनी का क्रेडिट स्कोर खराब है और एनुअल रिपोर्ट में भी कुछ गलत सामने आता है तो उस कंपनी के शेयर खरीदने से बचना चाहिए।

रजिस्ट्री सं डी.एल.-33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ-23092022-239042 CG-DL-E-23092022-239042

असाधारण EXTRAORDINARY भाग II- खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4277] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 22, 2022/ भाद्र 31, 1944
No. 4277] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 22, 2022/BHADRA 31, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय अधिसूचना
नई दिल्ली, 22 सितम्बर,2022

का.आ 4466 (अ).– केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम,1956 (1956 का 48) की धारा 3 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दी गयी अनुसूची में यथा विनिदिष्ट एन.एच 39 (पुराना–एनएच –75) खंड को मौजूदा कि.मी. 55.000 (डिजाईन कि.मी. 59.000) (कुडू) से मौजूदा कि.मी 94.400 (डिजाईन कि.मी. 97.600) (उदयपुरा) तक 4 लेन का बनाना (पैकेज.1) तक के भुखण्ड के संबंध में उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण (चौड़ा करने/चार लेन का बनाने, आदि), अनुरक्षण, प्रबंध और प्रचालन हेतु उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पान करने के लिए इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख से सक्षम प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है।

अनुसूची झारखंड राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–NH75 तक की भूमिका अर्जन।

क्रमिक संख्या	सक्षम प्राधिकारी	भूमि का विवरण	राज्य	जिले का नाम	तालुक का नाम	गांव का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	भू अर्जन अधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी लोहरदगा	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या NH75 के कि.मी. 59.000 से 65.500 तक	झारखंड	लोहरदगा	कुडू	1 टीको, 2 कुड, 3 कुन्दो

[फा.सं NHAI/PIU/DLTJ/NH-75(Sec-I)/LA/2929]
राजेश गुप्ता,निदेशक

PR 279948 (Lohardaga)22-23*D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।

(Phone: 06541.222288, E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद चतरा द्वारा प्रखण्ड हंटरगंज में निर्मित न्यू डाकबंगला को तीन वर्षो के लिए बंदोबस्ती/लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है–

क्र. सं	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि तीन वर्ष का	जमानत की राशि (10%)
1	2	3	4	5
1	हंटरगंज डाकबंगला	3876 sqft	**418608.00**	**41861.00**

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 29/10/2022 को 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा के सभागार में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रकिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 500.00 (पांच सौ) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते है, जो लौटायी नहीं जायेगी।

शर्त :–

1. बन्दोबस्ती तीन वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफ्ट द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद,चतरा के पदनाम से जिला परिषद,चतरा कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्त्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र/पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोबस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अनिवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तधारी को बन्दोबस्ती की पूर्ण राशि का 50 प्रतिशत बन्दोबस्ती के तुरंत बाद तथा अवशेष राशि को एक पक्ष के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. निविदा में कोविड–19 के दिशा निर्देश (मास्क पहने एवं समाजिक दूरी) का आक्षरशः अनुपालन करते हुए भाग लेगें।
10. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा।

PR 280037 (District) 22-23 (D)

कार्यालय उप विकास आयुक्त, पलामू।

(डी0आर0डी0ए0)

Phone No. 06562-224077,224033 E-mail - ddc-pal@nic.in

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत रिक्ति के विरूद्ध विभिन्न पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदन से संबंधित दावा/आपत्ति संबंधी सूचना।

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर(जिला स्तरीय), एवं लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर (प्रखण्ड स्तरीय) पद पर नियुक्ति हेतु दिनांक 17.09.2022 से 27.09.2022 तक आवेदन–पत्र राज्य स्तर से विभागीय पोर्टल http://applyrdd.jharkhand.gov.in पर online प्राप्त किये गये हैं।

उक्त पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी करने के उपरान्त पलामू जिले के वेबसाईट www.palamu.nic.in पर अपलोड किया गया है। अपलोड किये गये सूची में यदि किसी प्रकार की टंकण त्रुटि के संबंध में कोई आपत्ति हो तो अभ्यर्थी अपना दावा/आपत्ति दिनांक 22.10.2022 के संध्या 03:00 बजे तक उप विकास आयुक्त, पलामू के कार्यालय में लिखित रूप से साक्ष्य के साथ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि के पश्चात किसी अभ्यर्थी से प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। साथ ही उक्त निर्धारित अवधि के अन्दर मूल आवेदन पत्र के साथ संलग्न दस्तावेज के अतिरिक्त अन्य कोई भी दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उप विकास आयुक्त,
पलामू।

PR 280021 District(22-23)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD),RANCHI

Nirupan Bhawan, 3rd Floor, Room No. 401,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Tender Notice)

Letter of Invitation (LOI) No.-09/2022-23
1st Call
e-Tender Ref No:– RCD/PI Div./Ranchi/09/648 Date:-13.10.2022

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project R eport for Aesthetic Improvement , Protection Work, View Point, Lay -by, Widening and Strengthening of Ghaghara -Netarhat Road including replacement of Culverts, Minor & Major Bridge, ROB, RUB, Elevated Corridor, Complete Land Acquisition Proposal inc luding Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Proposal of Utility Shifting in details etc. as required by the Department (If any) under Road Division, Gumla in the St ate of Jharkhand from empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No.3063(S) WE Dated 22.08.2022 are allowed to bid only.
2	Tentative Length	**58.500 KM**
3	Period of Completion of Work	90 Days
4	Cost of Tender documents	Demand Draft/Banker Cheque of any Scheduled Bank (non -refundable fee) of Rs 5,000/ - (Five Thousand) only. EMD:- 2 % of the quoted amount (Net of GST) in the form of current issue of NSC, Fixed Deposits of a Scheduled Bank (all the above mentioned form of Security deposits money issued within the State of Jharkhand), Bank draft and Bank Guarantee issued by any Scheduled bank anywhere in India Payable at Ranchi in favour of Executive Engineer, Planning& Investigation Division, Road Construction Department, Ranchi for a period of 45 days beyond the validity of bid.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	20.10.2022,10:30 AM
7	Date of Pre Bid Meeting	04.11.2022, 11:00 AM (In the Chamber of CE, CDO, RCD, 1St Floor, Nirupan Bhawan, Doranda, Ranchi-834002)
8	Date of PPT on work Methodology	04.11.2022, 14:00 PM (In the Chamber of CE, CDO, RCD, 1St Floor, Nirupan Bhawan, Doranda, Ranchi-834002)
9	Last Date/Time of Bid Submission	09.11.2022, 12:00 PM
10	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	09.11.2022, 12:00 PM
11	Date and Time for opening of Technical Bid.	10.11.2022, 12:30 PM
12	Bid validity	120 days
13	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication), Road Construction Department, 1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
14	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division, RCD, Ranchi Mob-94311-65712

Note:- Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 280034 Road (22-23)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना संख्या– DWSD/RPWS/Med-16/2022-23 (1st Call) दिनांक 14.10.2022

क्र0 सं0	कार्य का नाम	केन्द्र प्रायोजित योजना "जल जीवन मिशन" के अन्तर्गत :–
		Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House, R.C.C. Approach Bridge40 M long and 3.00 M wide, 10.10 MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir–07 Nos., Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw &Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Highway Crossing, Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor and Five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for RABDA-NENUA-KANKARI & BASARIYA KALA and Adjoining Multi villages Rural Pipe Water Supply Scheme under D.W & S. Division, Medininagar on turnkey basis. Year 2022-23.
1	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	9920.40 (निनान्बे करोड़ बीस लाख चालीस हजार रूपये मात्र)
2	अग्रधन की राशि (लाख में)	99.21 (निनान्ब लाख एक्कीस हजार रूपये मात्र)
3	परिमाण विपत्र का मूल्य	10,000/- (दस हजार रूपये मात्र)
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	21 (एक्कीस) महीना + 3 (तीन) महीना Trial & Run
5	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/11/2022 / 12.30 बजे अपराहन तक।
6	प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 बजे अपराहन से (अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, नेपाल हाउस)
7	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 बजे अपराहन तक।
8	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 बजे अपराहन तक (क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, राँची प्रक्षेत्र राँची, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 बजे अपराहन में।
10	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
11	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
12	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0	9835068475
13	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0	0651-2490920

नोटः– निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,मेदिनीनगर

PR 280075 Drinking Water and Sanitation(22-23).D

रजिस्ट्री सं.डी.एल.–33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.–अ.-24092022-239054 ,CG-DL-E-24092022-239054

असाधारण, EXTRAORDINARY

भाग II–खण्ड 3–उप-खण्ड (ii),PART II--Section 3--Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित,PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4267] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 22, 2022/भाद्र 31, 1944
No. 4267] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 22, 2022/BHADRA 31, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय अधिसूचना नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 2022

का.आ. 4456(अ).–केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) की धारा 3 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से, झारखण्ड राज्य के लोहरदगा जिला में कि.मी. 0.000 से 33.35 तक पेब्ड शोल्डर के साथ दो लेन में उन्नयन हेतु उक्त अनुसूची के स्तम्भ (4), (5), (6) और (7) में क्रमशः उल्लिखित राज्य, जिलों, तालुकों और गावों से सम्बन्धित उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट भूमि के सम्बन्ध में अनुसूची के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को उक्त अधिनियम के अन्तर्गत सक्षम अधिकारियों के कृत्यों का निष्पादन करने के लिए एतद् द्वारा सक्षम प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है।

अनुसूची

झारखण्ड राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–NH143AG पर लोहरदगा जिला में कि.मी. 0.000 से 33.35 तक पेब्ड शोल्डर के साथ दो लेन में उन्नयन कार्य हेतु भूमि का अधिग्रहण

क्रमिक संख्या	सक्षम प्राधिकारी	भूमि का विवरण	राज्य	जिले का नाम	तालुक का नाम	गांव का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	डिस्ट्रिक लैंड एक्वीजीशन अफसर, लोहरदगा	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या NH-143AG के कि.मी. 0 से 33.35 तक	झारखंड	लोहरदगा	लोहरदगा	1 तिगरा, 2 इंटा, 3 अरकासा, 4 भक्सो, 5 खखपरता, 6 मन्हा, 7 हिरही, 8 बाघा
					सेन्हा	1 बरही, 2 चटकपुर, 3 सिठियो
					भण्डरा	1 उदरंगी, 2 बेनारी, 3 कसपुर, 4 नौडीहा, 5 भण्डरा, 6 पझरी, 7 वकील अन्बुवा, 8 धोबाली, 9 ततरपोका, 10 झारो टोली, 11 कुन्दा, 12 कचनवी, 13 कोटा, 14 पड़रिया, 15 झीका, 16 भैसमुन्दो

[फा.सं. RW/Ranchi/LA/NH-143AG]
राजेश गुप्ता, निदेशक

PR 279951 Lohardaga(22-23).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं0 822114

E-mail :- eedwsd.garhwa1@gmail.com

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

(1st Call)

निविदा सूचना संख्या–**DWSD/GAR-12/2022-23** दिनांक–**10.10.2022**

क्र0 सं0	कार्य का नाम	केन्द्र प्रायोजित योजना 'जल जीवन मिशन' के अन्तर्गत :–
		Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House, R.C.C. Gangway 160 M long and 3.00 M wide, 7.00 MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir–05 Nos, Staff Quarter, NH & Railway Crossing, Compound wall, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor and **Five years** operation & maintenance with allied works etc. all complete job for **Chama-Karkoma Adjoining village Rural pipe Water** Supply Scheme under D.W. & S. Division Garhwa on turnkey basis."
1	प्राक्कलित राशि (लाख में)	**8249.51** लाख (बेयासी करोड़ उन्चास लाख इकावन हजार रू0) मात्र
2	अग्रधन की राशि (लाख में)	**82.50** लाख (बेयासी लाख पचास हजार रू0) मात्र
3	परिमाण विपत्र का मूल्य	**10,000/-** (दस हजार रूपये मात्र)
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	21 (इकीस) माह + 3 (तीन) माह **Trial & Run**
5	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	**21/10/2022/12.30** बजे अपराहन तक।
6	प्री बीड मिटिंग की तिथि एवं समय	**27/10/2022/12.30** बजे अपराहन में अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पेयजल एवं स्व0 विभाग, झारखंड, रांची।
7	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	**10/11/2022/05.00** बजे अपराहन तक।
8	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य जमा करने की तिथि एवं समय	**11/11/2022** को **10:30** पूर्वाहन से **04.00** बजे अपराहन तक :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्व0 प्रमंडल कार्यालय, गढ़वा 2) अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर 3) क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता, विभाग रांची प्रक्षेत्र, रांची
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	**12/11/2022/04.00** बजे अपराहन में।
10	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।
11	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।
12	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0	**9973003856**
13	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0	**0651-2490920**

(1) निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय होगा।
(2) विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट **http://jharkhandtenders.gov.in** पर या कार्यालय में सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा

PR 280015 (Drinking Water and Sanitation)22-23*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना संख्या– DWSD/RPWS/Med-15/2022-23 (1st Call) दिनांक 14.10.2022

क्र0 सं0	कार्य का नाम	केन्द्र प्रायोजित योजना "जल जीवन मिशन" के अन्तर्गत :–
		Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House, R.C.C. Approach Bridge40 M long and 3.00 M wide, 6.00MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir–03 Nos., Staff Quarter, Compound wall, Supplying and laying Raw & Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection, Highway & Railway Crossing, Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor and Five years operation & maintenance with allied works etc. all complete job for Sonpurwa-Nawadih & Rajwadih-Jamune and Adjoining Multi villages Rural Pipe Water Supply Scheme under D.W & S. Division, Medininagar on turnkey basis. Year 2022-23.
1	प्राक्कलित राशि लगभग (लाख में)	6835.70 (अड़सठ करोड़ पैंतीस लाख सत्तर हजार रूपये मात्र)
2	अग्रधन की राशि (लाख में)	68.36 (अड़सठ लाख छत्तीस हजार रूपये मात्र)
3	परिमाण विपत्र का मूल्य	10,000/ - (दस हजार रूपये मात्र)
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	21 (एक्कीस) महीना + 3 (तीन) महीना Trial & Run
5	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	07/11/2022 / 12.30 बजे अपराहन तक।
6	प्री बीड की तिथि एवं समय	11/11/2022 / 12.30 बजे अपराहन से (अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, नेपाल हाउस)
7	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	22/11/2022 / 05.00 बजे अपराहन तक।
8	अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी) जमा करने की तिथि एवं समय	23/11/2022 / 05.00 बजे अपराहन तक (क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, राँची प्रक्षेत्र राँची, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची, अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	24/11/2022 / 04.00 बजे अपराहन में।
10	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
11	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, मेदिनीनगर।
12	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0	9835068475
13	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0	0651 -2490920

नोटः– निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,मेदिनीनगर

PR 280071 Drinking Water and Sanitation(22-23).D

त्योहारी मौसम में महंगाई की चिंता

इस समय जब रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों तथा ओपेक देशों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कमी करने की वजह से लगभग सभी देशों में महंगाई की दर रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। महंगाई पर काबू पाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक नरम मौद्रिक नीति से पीछे हट कर नीतिगत दरों में वृद्धि की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। इससे महंगाई पर कुछ नियंत्रण हुआ है। यकीनन त्योहार के इन दिनों में महंगाई आम आदमी के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। हाल ही में मौद्रिक स्थिति पर प्रकाशित भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि महंगाई में कुछ कमी आई है, मगर अब भी इसकी दर सहन क्षमता के स्तर से ऊपर बनी हुई है। चालू वित्त वर्ष में इसके 6.7 फीसद पर रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ जायेगी और इसका स्तर 5.2 फीसद तक रहने की उम्मीद है। देश में महंगाई की चुनौती इसलिए भी बढ़ी हुई है कि कोविड-19 के बाद गरीबी, बेरोजगारी व मानव विकास सूचकांक की चुनौतियां बड़ी हुई हैं। इन दिनों वैश्विक स्तर पर बढ़ती गरीबी पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि कोरोनाकाल में जहां भारत में गरीबी, बेरोजगारी बढ़ी, वहीं मानव विकास सूचकांक में भी गिरावट आई है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में करीब 5.6 करोड़ भारतीय अत्यंत गरीबी में धंस गये, जबकि दुनिया भर में 7.1 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में चले गये। मानव विकास सूचकांक की दृष्टि से भी नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) 2021 में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य और शिक्षा की चुनौतियां बढ़ी हैं। इससे भी महंगाई की मुश्किलें बढ़ी हैं। गौरतलब है कि इस समय जब रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों और ओपेक देशों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कमी करने की वजह से लगभग सभी देशों में महंगाई की दर रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। महंगाई पर काबू पाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक नरम मौद्रिक नीति से पीछे हट कर नीतिगत दरों में वृद्धि की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। इससे महंगाई पर कुछ नियंत्रण हुआ है। अगस्त माह में थोक महंगाई दर 12.41 फीसद दर्ज हुई, जबकि यह दर मई में रिकार्ड 16.63 फीसद पर थी। इसी तरह अगस्त में खुदरा महंगाई दर सात फीसद दर्ज हुई, जबकि मई माह में 7.04 फीसद थी। स्पष्ट है कि त्योहारी मौसम के बावजूद खाद्य वस्तुओं की महंगाई काबू में है। पिछले माह, सितंबर में खाद्य तेल और दालों के मूल्य में गिरावट आई है। जबकि खुले बाजार में सरकारी गोदामों से अस्सी लाख टन से अधिक खाद्यान्न की बिक्री (ओएमएसएस) से गेहूं और चावल के मूल्य में गिरावट का रुख है। आमतौर पर सितंबर में आलू और प्याज की कीमतें सातवें आसमान पर पहुंच जाती थीं, जबकि इस बार सरकारी तैयारियों के तहत बफर स्टाक बनाये जाने से बाजार में इन जिंसों की पर्याप्त उपलब्धता है। अगर वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत में महंगाई के परिदृश्य को देखें तो इसके लिए चार प्रमुख रणनीतिक कदम उभरते हैं। एक, सरकार द्वारा रूस से कच्चे तेल का सस्ता आयात। दो, रिजर्व बैंक के महंगाई नियंत्रण के रणनीतिक उपाय। तीन, पर्याप्त खाद्यान्न भंडार और कमजोर वर्ग के लोगों तक खाद्यान्न की निशुल्क आपूर्ति। चार, पेट्रोल में एथेनाल का अधिक उपयोग। निस्संदेह रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका और यूरोपीय संघ के दबाव के बावजूद भारत ने किसी पक्ष का समर्थन नहीं किया और भारत ने जिस तरह तटस्थ रुख अपनाया, उसका एक बड़ा फायदा भारत को रूस से सस्ते कच्चे तेल के रूप में मिलता दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तेल के कुल आयात में रूस की हिस्सेदारी पिछले वर्ष की इसी अवधि के 2.02 फीसद से बढ़ कर करीब 12.9 फीसद हो गई है। जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी पिछले वर्ष की इसी अवधि के 9.2 फीसद से घट कर 5.4 फीसद रह गई है। नये आंकड़ों के मुताबिक इस समय भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक और उपभोक्ता देश है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि जब से भारत ने पर्याप्त छूट के साथ रूस से कच्चे तेल का आयात शुरू किया है, तब से इराक भी कच्चे तेल की आपूर्ति में बड़ी छूट की पेशकश कर रहा है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल में एथेनाल का मिश्रण बढ़ा कर ईंधन की कीमतों में कमी लाने का सफल प्रयास हुआ है। वर्ष 2014 में पेट्रोल में एथेनाल मिश्रण बमुश्किल 1.4 फीसद था, जबकि इस वर्ष 10.6 फीसद मिश्रण किया जा रहा है, जो लक्ष्य से कहीं ज्यादा है। वर्ष 2025 तक पेट्रोल में एथेनाल मिश्रण का लक्ष्य बीस फीसद रखा गया है। आठ वर्ष पहले देश में चालीस करोड़ लीटर एथेनाल का उत्पादन होता था, अब करीब चार सौ करोड़ लीटर उत्पादन हो रहा है। एथेनाल के उपयोग में तेल विपणन कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ रही है। जहां महंगाई पर काबू पाने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाने की रणनीति के साथ-साथ वैश्विक जिंस बाजार में भी कीमतों में आई कुछ नरमी अहम है, वहीं देश में अच्छी कृषि पैदावार, पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, गेहूं तथा चावल के निर्यात पर उपयुक्त नियंत्रण की नीति व आम आदमी तक खाद्यान्न की निशुल्क आपूर्ति भी प्रभावी रही है। केंद्रीय कृषिमंत्री के मुताबिक फसल वर्ष 2021-22 के चौथे अग्रिम अनुमान के मुताबिक में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन करीब 31.57 करोड़ टन के रिकार्ड स्तर पर रहा। साथ ही एक जुलाई, 2022 को देश के केंद्रीय भंडार में 8.33 करोड़ टन खाद्यान्न (गेहूं और चावल) का बफर और आवश्यक भंडार संचित है। हालांकि पिछले महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के अस्सी करोड़ गरीबों के लिए मुफ्त राशन की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को तीन महीने और बढ़ा दिया है, लेकिन त्योहारों के इस मौसम में देश के करोड़ों लोग महंगाई से अधिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम हो रही थीं। इस वर्ष जनवरी के बाद पहली बार 26 सितंबर को कच्चे तेल की कीमत पचासी डलर प्रति बैरल से नीचे आ गई, लेकिन तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के निर्णय से 10 अक्तूबर को यह निन्यानबे डालर प्रति बैरल के आसपास हो गई। फिर भी सरकार से पेट्रोल-डीजल की कुछ कीमत घटा कर राहत की अपेक्षा की जा रही है। महंगाई को छह फीसद के स्तर पर लाने के लिए कई और कारगर प्रयासों की जरूरत है। अभी रेपो रेट में कुछ और वृद्धि करके अर्थव्यवस्था में नकद प्रवाह को कम किया जाना उपयुक्त होगा। देश में महंगाई को रोकने के लिए अनावश्यक आयात को नियंत्रित करना और खाद्यान्न तथा उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाना होगा। इन उपायों के साथ-साथ अब देश में कच्चे तेल के अधिक उत्पादन और उसके विकल्पों पर ध्यान देना होगा। इलेक्ट्रानिक वाहनों के साथ-साथ अन्य अत्याधुनिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करना होगा। सरकार द्वारा ई-कारों की तरह हाइब्रिड कारों पर भी जीएसटी घटाना लाभप्रद होगा। पेट्रोल-डीजल से चलने वाली कारों को हतोत्साहित करते हुए ग्रीन ईंधन वाले वाहनों को प्रोत्साहित करना होगा। अभी रूस से कच्चे तेल के आयात में और वृद्धि करना लाभप्रद होगा।

विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में करीब 5.6 करोड़ भारतीय अत्यंत गरीबी में धंस गये, जबकि दुनिया भर में 7.1 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में चले गये। मानव विकास सूचकांक की दृष्टि से भी नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) 2021 में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य और शिक्षा की चुनौतियां बढ़ी हैं। इससे भी महंगाई की मुश्किलें बढ़ी हैं।

■ जयंतीलाल भंडारी

एक नजर इधर भी

कागज के नोटों को बॉय-बॉय

भारतीय समाज में नोट को धन के पर्यायवाची के रूप में देखा जाता है। हिंदी फिल्मों के बहुत सारे गाने इस पर आधारित हैं। जैसे 'अपना सपना मनी-मनी', 'पैसा-पैसा करती है, तू पैसे पर क्यूं मरती है', 'सबसे बड़ा रुपैया', 'एक पैसा दे दो बाबू', 'पैसे की कहानी', 'छन-छन बाजे रुपैया', 'पैसा फेंक तमाशा देख'। काले धन पर भी आधारित बहुत खबरें छपती रहती हैं। भारत में बैंक नोट का चलन लगभग 150 वर्ष पहले शुरू हुआ। ब्रिटिश सरकार ने 1861 में 'पेपर करंसी एक्ट लागू किया और उसके बाद किसी प्राइवेट बैंक की करंसी जारी करने का चलन समाप्त हो गया। केवल सरकारी करेंसी, जो बैंक ऑफ इंग्लैंड द्वारा छापी जाती थी, प्रचलित रह गई। इन पर इंग्लैंड की महारानी की फोटो रहती थी। भारत में नोट छापने की पहली प्रेस 1928 में नासिक में स्थापित की गई। 1935 में रिजर्व बैंक की स्थापना हुई, जिसे यह पूरी जिम्मेदारी दी गई। 1938 में आरबीआई ने सर्वप्रथम नोट छापे, जिसमें इंग्लैंड के किंग जॉर्ज ङ्कढ्ढ की फोटो थी। 1947 में देश के स्वतंत्र होने के बाद 1949 में भारत में पहला एक रुपये का नोट छपा, जिसमें अशोक की लाट का चित्र था। 1969 में महात्मा गांधी के चित्र के साथ पहली बार नोट छापे गये। काले धन पर अंकुश लगाने के लिए नवंबर 2016 में नोटबंदी की घोषणा हुई, जिसके कारण पुराने बड़े नोट बंद हो गये और नये डिजाइन, आकार और रंगों के नये नोट बाजार में आ गये। इनका एक मकसद देश में नकली नोटों की समस्या से निपटना भी था, जिनका इस्तेमाल आतंकवाद और असामाजिक गतिविधियों के लिए होता था। साथ ही आधुनिक डिजिटल तरीके से लेन-देन को बढ़ावा देना था। इससे बैंकों में भी डिजिटल तकनीक और लेन-देन का अधिक प्रयोग प्रारंभ हो गया। आगे जाकर इसका लाभ विशेष रूप से कोरोना महामारी के दिनों में हुआ, जब देश-विदेश में व्यापार के लिए भारत में भी व्यापक रूप से डिजिटल देन-लेन का प्रचलन चालू हो गया। **मैले-कुचैले होते नोट :** फिर भी भारत में आम जनता द्वारा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में और अनौपचारिक/ असंगठित सेक्टर में अभी भी मुख्यतः बैंक नोट द्वारा ही लेन-देन होता है। व्यापक प्रचलन और लापरवाही में मैल, नमी और गंदगी से और मौसम के कारण भी नोट समय के साथ पुराने और मैले-कुचैले हो जाते हैं। देखा गया है कि कुछ लोग नोट के ऊपर कुछ लिख भी देते हैं, जिससे नोट और भी गंदे दिखने लगते हैं। ज्यादा गंदे नोटों को रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों के माध्यम से बदल दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों के आरबीआई के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में गंदे नोटों की भरमार हो गई है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 के अनुसार, इस तरह के नोट के निपटान की मात्रा वित वर्ष 2020 में 1,46,530 लाख से बढकर वित वर्ष 2022 के दौरान 1,87,801 लाख हो गई। **हल क्या है :** आजकल विश्वभर में कागज के नोटों की जगह पॉलिमर के नोटों का चलन तेजी से बढ़ रहा हैं। ये कागज के नोटों के मुकाबले, अधिक सुंदर, चमकदार, स्मार्ट, मजबूत, वॉटरप्रूफ और टिकाऊ होते हैं। इन्हें बार-बार बदलने की आवश्यकता नहीं होती। विश्व में 75 से अधिक देश पॉलिमर के नोटों का उपयोग कर रहे हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, इस्राइल, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फिलिपींस आदि शामिल हैं। इसके कुछ फायदे बेहद अहम हैं। पॉलिमर नोट जाली मुद्रा की समस्या का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जो आतंकवाद के वित्तपोषण का एक प्रमुख आधार बना हुआ है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 20, 200, 500 और 2000 रुपये के जाली नोटों में क्रमशः 16.5 फीसदी, 11.7 फीसदी, 101.9 फीसदी और 54.6 फीसदी की वृद्धि हुई है। जाली नोटों में यह वृद्धि एक चिंताजनक मुद्दा है।

■ धनेन्द्र कुमार

ऐसी यात्राओं से मिलती रही है पद, प्रतिष्ठा व पहचान

भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में अनंत काल से पग यात्राएं चलती रही हैं। इंसान रोज अपने पैरों पर चलता है और उसकी यात्राएं ज्यादातर स्वार्थ तक सीमित रहती हैं। पदयात्रा का अपना इतिहास है, वह अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग के नेतृत्व में अश्वेतों के अधिकारों के लिए हुई थी, जब 1960 के दशक में वह संघर्षरत थे। सन 1965 में सेल्मा अल्बामा से मोंटगोमरी तक यात्रा निकली तथा अंततः अश्वेत अमेरिकी नागरिकों के साथ न्याय हुआ। भारत में अभिनेता सुनील दत्त ने आतंकवाद के खिलाफ पदयात्रा की, तो जापान जाकर परमाणु हथियार के खिलाफ भी। चंद्रशेखर की भारत यात्रा भी एक दौर में देश की उत्सुकता का कारण बनी, जब उन्होंने कन्याकुमारी से दिल्ली तक की यात्रा की। वैसे उसी समय इंदिरा गांधी की हत्या ने उनकी उस यात्रा का असर फीका कर दिया था, पर उसने उन्हें नेता के रूप में राष्ट्रीय फलक पर स्थापित कर दिया था, जिसके कारण आगे चलकर वह प्रधानमंत्री तक बने। आंध्र प्रदेश में वाई एस राजशेखर रेड्डी को पदयात्रा से सत्ता हासिल हुई, तो बाद में उनके पुत्र जगनमोहन रेड्डी को भी सत्ता में आगे बढ़ने का रास्ता मिला। सीमित मामलों में इंदिरा गांधी के काम आई ऐसी ही यात्रा 1977 के बाद, तो 2017 में दिग्विजय सिंह की नर्मदा यात्रा मध्य प्रदेश में कांग्रेस के काम आई। ऐसी तमाम पदयात्राएं होती रही हैं। अब राहुल गांधी पदयात्रा पर निकले हैं। पदयात्राओं ने हमेशा अपने यात्री को पद, प्रतिष्ठा और पहचान दी है, तो राजनीतिक पदयात्राओं ने सत्ता तक पहुंचाया है। सत्ता तो रथ यात्राओं से भी हासिल हुई है, लेकिन उनसे नफरत को भी कुछ बल मिला। ऐसी यात्राएं भी हुई हैं, जो सताये गये लोगों के पैरों के छाले देखने तथा भूखे लोगों की आवाज सुनने में नाकाम रही हैं। अपनी यात्राओं के दौरान एकल प्रवचन करते, अपने मनचाहे शोर और स्वार्थ में डूबे नेता भी बहुत हैं, जबकि पदयात्रा विचार यात्रा होती है, जो परिवर्तनकारी होती है और गौतम बुद्ध से लेकर महात्मा गांधी व विनोबा भावे तक ने अपने-अपने स्तर की पदयात्राओं से समाज के लिए बहुत कुछ अर्जित किया है। महात्मा गांधी की चंपारण से शुरू हुई यात्रा 1930 के डांडी मार्च तक आते-आते पूरे भारत को संदेश दे चुकी थी और जन-जन को गांधीजी से जोड़ चुकी थी। इन यात्राओं ने अंग्रेजों को अजेय सत्ता से ही बेदखल नहीं किया, बल्कि पूरे विश्व को अहिंसा और सत्याग्रह नामक एक नया व बहुत असरदार राजनीतिक हथियार भी दे दिया। विनोबा भावे ने अपनी सीमित यात्रा में लाखों बेघरों को घर और भूखों को उन लोगों से रोटी का साधन दिला दिया, जिनके पास ज्यादा था। इस वक्त भारत ही नहीं, पूरी दुनिया की निगाह राहुल गांधी की पदयात्रा पर है। राहुल की यात्रा इतनी चर्चित नहीं होती और उत्सुकता पैदा नहीं करती, अगर उन्होंने सिरे से सारे पद नहीं लेने और सत्ता के प्रति निर्मोही होने का मजबूत एलान न किया होता। भारत के जन-सरोकारों से जुड़े मुद्दों को धारदार तरीके से उठाते हुए हर तरह की टूटन के खिलाफ और हर तरह के जुड़ाव के लिए उन्होंने खुद को झोंक न दिया होता। अगर एक यात्रा पूरी कर राहुल गांधी भी काम पूरा किये बिना अपनी पुरानी जिंदगी में जाकर रम जाते हैं, तो हो सकता है कि इसका तत्कालिक लाभ कांग्रेस को मिल जाए और उसे सत्ता भी हासिल हो जाए, पर ये बाकी पदयात्राओं की श्रेणी में से ही एक होकर रह जायेगी और फिर बहुत दिनों के लिए पदयात्राओं का आकर्षण खत्म हो जायेगा। कई बार देखा गया है कि नेता अपनी बढ़त या चर्चा बनाये नहीं रख पाते हैं, क्योंकि उनकी सोच सीमित होती है। आगे राहुल गांधी के सामने भी यह चुनौती रहेगी। प्रत्यक्ष रूप से तो यही दिख रहा है कि राहुल गांधी सत्ता के मोह से दूर अपने बौद्धिक चिंतन के साथ एक बड़ा इरादा व मजबूत समर्पण लेकर चल रहे हैं। अगर यह यात्रा अंतिम नहीं, बल्कि बापू की तरह परिणाम हासिल करने तक निरंतर चलती रही और देश के कोने-कोने व जन-जन को उद्वेलित कर जोड़ने में कामयाब रही, तो फिर यह पदयात्रा नहीं, बल्कि 'पथयात्रा' हो जायेगी। समय इस बात का जवाब देगा कि राहुल पदयात्रा तक सीमित रहते हैं या पथयात्रा पर चल पड़ते हैं। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

भारत में अभिनेता सुनील दत्त ने आतंकवाद के खिलाफ पदयात्रा की, तो जापान जाकर परमाणु हथियार के खिलाफ भी। चंद्रशेखर की भारत यात्रा भी एक दौर में देश की उत्सुकता का कारण बनी, जब उन्होंने कन्याकुमारी से दिल्ली तक की यात्रा की। वैसे उसी समय इंदिरा गांधी की हत्या ने उनकी उस यात्रा का असर फीका कर दिया था, पर उसने उन्हें नेता के रूप में राष्ट्रीय फलक पर स्थापित कर दिया था, जिसके कारण आगे चलकर वह प्रधानमंत्री तक बने। आंध्र प्रदेश में वाई एस राजशेखर रेड्डी को पदयात्रा से सत्ता हासिल हुई।

■ चंद्र प्रकाश राय

है न विचित्र बात !

अंतरिक्ष अनुसंधान व मंगलयान

खासकर यह सवाल कि क्या मंगल पर जीवन संभव है और क्या इंसान वहां जाकर अपनी रिहाइश के लिए बस्तियां बसा सकता है। अगर पृथ्वी से मंगल की औसत साढ़े बाईस करोड़ किलो मीटर दूरी तय करने में हमारे यान पांच-छह महीने के बजाय एक महीने का वक्त लेने लगें, तो संभव है कि इंसान पृथ्वी के बाद मंगल को अपना दूसरा ठिकाना बनाने के बारे में सोच सकता है। इसे संयोग कहा जा सकता है कि 2014 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का यान मार्स एटमास्फीयर एंड वोलाटाइल इवोल्यूशन (मावेन) और भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का मार्स आर्बिटर मिशन (मंगलयान-1) लगभग साथ-साथ मंगल तक पहुंचे थे। पर उस वक्त की गई इनकी तुलना बताती है कि कई चीजें इत्तिफाक नहीं थीं। मसलन, 4026 करोड़ रुपए के खर्च से मंगल तक पहुंचे मावेन के मुकाबले करीब दस गुना कम लागत (450 करोड़ रुपए) वाले हमारे मंगलयान यानी मार्स आर्बिटर का पहले ही प्रयास में सफल होना कोई संयोग नहीं था। इसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस वैज्ञानिक इरादों के अलावा व्यापार की सोची-समझी रणनीति काम कर रही थी, जो भारत जैसे एक विकासशील देश को बेहद किफायत में अंतरिक्ष मिशन चला कर अंतरिक्ष में कमाई के मौके दिला रही है। अब हमारा मंगलयान खामोशी के साथ विदा हो गया है। बहुतों को लग सकता है कि अब भारत के अंतरिक्ष मिशन का क्या होगा और आखिर मंगलयान ऐसा क्या देकर गया, जिसे याद रखा जायेगा और जिसकी बुनियाद पर हमारे अगले अंतरिक्ष मिशनों का भविष्य तय होगा। गौरतलब है कि मंगलयान की चर्चा का प्रमुख आधार इस पर हुआ खर्च था। 5 नवंबर 2013 को इसरो के श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से पोलर सेटेलाइट वीकल (पीएसएलवी) सी-25 की मदद से प्रक्षेपित मंगलयान 24 सितंबर, 2014 को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचा था। फिलहाल सूचना यह है कि महज छह महीने के लिए मंगल ग्रह की कक्षा में परिक्रमा करने के लिए भेजा गया मंगलयान निर्धारित की गई मियाद से सोलह गुना ज्यादा लंबी उम्र गुजारने के बाद आखिरकार खामोश हो गया। इसरो के यूआर राव सेटेलाइट सेंटर के निदेशक की ओर से 27 सितंबर, 2022 को जारी एक अनौपचारिक सूचना के मुताबिक अब मंगलयान से हमारा संपर्क टूट चुका है। इसकी वजह है मंगल पर लगातार लगे सूर्यग्रहण, जिनमें से एक इस साल साढ़े सात घंटे तक चला था। इन सूर्यग्रहणों के कारण मंगलयान में लगी सौर बैटरियां नाकाम हो गईं। उल्लेखनीय है कि मंगलयान की बैटरियां सूरज से रोशनी न मिलने की सूरत में एक घंटे चालीस मिनट तक ही चार्ज रह पाती थीं। हालांकि साढ़े सात घंटे लंबे ग्रहण के बावजूद बैटरियों ने मंगलयान को संचालित करने की कोशिश की, लेकिन वापस पहले वाली हालत में आना संभव नहीं हुआ। फिर भी यह उपलब्धि कोई कम बड़ी नहीं है कि इन बैटरियों से मंगलयान आठ साल तक काम करता रहा, जबकि उसका निर्माण छह महीने के संचालन के लिए किया गया था। मंगलयान-1 के बाद भारत के मंगल मिशनों का अब कोई भविष्य है या नहीं- इसे लेकर कई चर्चाएं हैं। जैसे कहा जा रहा है कि अब इसरो की प्राथमिकता इंसानों को अंतरिक्ष में ले जाने वाली परियोजना- गगनयान और चंद्रयान-3 है। इसके अलावा सूर्य के नजदीकी अध्ययन के लिए आदित्य- एल 1 भी इसरो की प्राथमिकता सूची में है। भारत और उसके अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान- इसरो के लिए किसी भी परियोजना का महत्त्व उसके आर्थिक पहलू, देश तथा जनता को उससे मिलने वाले लाभों पर आधारित होता है।

■ अभिषेक कुमार सिंह

जब परदे पर उतरा तमिल महाकाव्य

कल्कि कृष्णमूर्ति के महाकाव्य पर आधारित फिल्म पोन्नियिन सेल्वन (पीएस-1) ने दक्षिण भारतीय सूबे तमिलनाडु में हलचल मचा दी है। इसका हिंदी संस्करण भी उत्तर भारत में धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। रुझान बता रहे हैं कि बाहुबली को पछाडकर यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन सकती है। बाहुबली भी एक तेलुगु फिल्म थी, जिसने कुछ साल पहले दक्षिण सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड बनाया था। दिलचस्प यह भी है कि पीएस-1 बनाने की प्रेरणा निर्देशक मणिरत्नम को बाहुबली से ही मिली, और वह इसे खुलेआम स्वीकार भी करते हैं। पोन्नियिन सेल्वन पर फिल्म बनाने का सपना कई बड़े अभिनेताओं और निर्देशकों ने देखा, लेकिन अब तक यह साकार नहीं हो सका था, क्योंकि इस मध्यकालीन रचना को परदे पर उतारने के लिए भगीरथ प्रयास की दरकार थी। पूर्व मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन से लेकर कमल हासन व कई अन्य छोटे-बड़े निर्देशकों ने 2,500 पन्नों के इस चलचित्र-सरीखे महाकाव्य को रुपहले परदे पर उतारने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसीलिए, कुछ निर्देशकों ने इस महाकाव्य के पात्रों को अपने फिल्म में शामिल किया, जैसे अप्रैल, 1999 में रिलीज हुई सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म पद्यप्पा में मुख्य अभिनेत्री के साथ-साथ एक अमीर खलनायिका भी है, जो हीरो से बदला लेने की कोशिश करती रहती है। बहरहाल, तमिलनाडु के बाहर और तमिल साहित्य से अपरिचित लोगों के लिए पोन्नियिन सेल्वन बेशक बाहुबली या उस जैसी फिल्मों की तरह रोमांचक हो और अपने सेट, ग्राफिक्स, विजुअल इफेक्ट्स आदि के कारण सिल्वर स्क्रीन पर कब्जा कर ले, मगर तमिलों के लिए पोन्नियिन सेल्वन जाना-पहचाना नाम है। यहां का कोई भी आदमी, जो थोड़ा-बहुत भी साक्षर है, उसने इसे जरूर पढ़ा होगा। यह उन चंद रचनाओं में एक है, जिन पर खूब चर्चा होती रही है। इसे कल्कि नामक साप्ताहिक पत्रिका के संस्थापक-संपादक कल्कि कृष्णमूर्ति ने 1950 के दशक में धारावाहिक रूप में छापना शुरू किया था, जिसके बाद यह पत्रिका खासा लोकप्रिय हो गई। तब इस अद्भुत लेखन को पढ़ने के लिए पत्रिका के नये अंक का हर कोई इंतजार करता था। पोन्नियिन सेल्वन चोलों की कहानी है, जिन्होंने दक्षिण भारत के एक बड़े हिस्से पर राज किया। एक समय था, जब उन्होंने श्रीलंका जैसे समुद्र पार के पड़ोसी देश को भी जीत लिया था। उनके पास इस इलाके की सबसे बड़ी व शुरूआती नौसैनिक शक्तियां थीं और इंडोनेशिया सहित कई देशों तक उनका व्यापार फैला था। हालांकि, इस महाकाव्य के पात्र वास्तविक हैं, पर इसमें कई काल्पनिक आख्यान भी हैं। बावजूद इसके, कल्कि कृष्णमूर्ति का जादू लोगों के सिर चढकर बोला। यह वह दौर था, जब टेलीविजन जैसे दृश्य-माध्यम नहीं थे। सिर्फ हाथ से तैयार रेखाचित्र प्रभावी माने जाते थे। मगर इस धारावाहिक लेखन में शब्दों को इस तरीके से बुना गया था कि उसे हर तरफ से प्रशंसा मिली। यही वजह है कि इस अद्भुत पृष्ठभूमि वाले कथानक पर जब मणिरत्नम जैसे कुशल निर्देशक ने फिल्म बनाना शुरू किया, तो उसने स्वाभाविक तौर पर तमिलनाडु में गहरी दिलचस्पी पैदा की। मणिरत्नम वीएफएक्स की मदद से कई समकालीन दृश्य बना सकते थे, जो पूर्व में असंभव रहा है। मगर उन्होंने ऐसा ग्रामीण इलाका खोजने का व्यर्थ प्रयास किया, जिसमें बिजली के पोल या तार न हों। देखा जाए, तो यह फिल्म गुणवत्ता के मामले में पूरी तरह खरी नहीं उतरती। इसमें राजमहल की साजिशें हैं, जासूसी है व प्रेम कहानी है। बीमार राजा को सेनापति ही महल में 'कैद' रखता है। सिंहासन का उत्तराधिकारी बड़ा राजकुमार अपने पिता से दूर राज्य के गठन और प्रबंधन में व्यस्त है। उसका छोटा भाई श्रीलंका में युद्ध में लगा हुआ है और साजिश को पहचानने का काम सुंदर और चतुर राजकुमारी के जिम्मे है। फिल्म में मुख्य कहानी के आसपास कई घटनाएं चलती रहती हैं, जिसने पूरा अनुभव दिलचस्प जरूर बना दिया है, लेकिन यह सब कुछ राज्य को बचाने के लिए नहीं होता। इसमें पात्र एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं, जिससे बेवजह की अपेक्षाएं और पीड़ाएं भी जन्म लेती हैं। तमिलनाडु में दशकों से पोन्नियिन सेल्वन पर आधारित नाटकों का कई थियेटर समूह मंचन करते रहे हैं, फिर भी इसकी कहानी सदाबहार रही है। शायद इसका कारण है, महल और उसमें होने वाली साजिशों के प्रति लोगों का खास आकर्षण। जाहिर है, जब इस तरह की फिल्में बनती हैं, तो वे विवादों में भी आ जाती हैं। इसकी कहानी संगम काल के बाद की लिखी गई है, जब बौद्ध और जैन धर्म का असर कम हो रहा था। उस समय शैववाद और वैष्णववाद के बीच जबर्दस्त प्रतिस्पर्द्धा चल रही थी। चोल राजा भगवान शिव के प्रबल भक्त थे और उन्होंने कई शिव मंदिरों का निर्माण भी कराया। इस कवायद ने स्वाभाविक तौर पर वैष्णवों को निराश किया। यह एक इतिहास है, लेकिन तमिल निर्देशक वेट्रीमारन यह कहकर विवादों को न्योता दे बैठे कि शैव हिंदू नहीं थे। उनके लिए सिर्फ एक देवता ही मायने रखता था, जो थे भगवान शिव। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर तमिलनाडु की स्थानीय पहचान को हथियाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। उनका कहना था कि पहले भी भाजपा महान तमिल कवि व दार्शनिक तिरुवल्लुवर के कपड़े को भगवा रंग देकर ऐसा करने की कोशिश कर चुकी है, जबकि तिरुवल्लुवर हमेशा सफेद पहना करते थे। उन्होंने कहा कि चोलों को हिंदू योद्धाओं के रूप में चित्रित करना गलत था। भाजपा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में यह साबित करने की कोशिश की है कि कैसे हिंदुओं की एकता को तोड़ने का लगातार प्रयास हो रहा है और भारत किस तरह से एक बहुआयामी संस्कृति वाला देश है। जाहिर है, फिल्म देखने वाले एक साधारण दर्शक या आम मतदाता को यह सब कुछ भ्रमित करेगा, लेकिन सच्चाई यही है कि लोग आंतरिक शांति के लिए अपने देवी-देवताओं की आराधना करते हैं और इतिहास के राजा-रानियों ने कई पूजा-स्थलों का निर्माण करके इस प्रवृत्ति को बढ़ाने का काम किया है।

तमिलनाडु में दशकों से पोन्नियिन सेल्वन पर आधारित नाटकों का कई थियेटर समूह मंचन करते रहे हैं, फिर भी इसकी कहानी सदाबहार रही है। शायद इसका कारण है, महल और उसमें होने वाली साजिशों के प्रति लोगों का खास आकर्षण। जाहिर है, जब इस तरह की फिल्में बनती हैं, तो वे विवादों में भी आ जाती हैं। इसकी कहानी संगम काल के बाद की लिखी गई है, जब बौद्ध और जैन धर्म का असर कम हो रहा था। उस समय शैववाद और वैष्णववाद के बीच जबर्दस्त प्रतिस्पर्द्धा चल रही थी। चोल राजा भगवान शिव के प्रबल भक्त थे और उन्होंने कई शिव मंदिरों का निर्माण भी कराया। इस कवायद ने स्वाभाविक तौर पर वैष्णवों को निराश किया।

■ एस श्रीनिवासन

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा-फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सपने वो नहीं जो आप नींद में देखें, सपने वो हैं जो आपको नींद ही न आने दे : डॉ अब्दुल कलाम

एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म मद्रास राज्य के एक शहर रामेश्वरम द्वीप में 15 अक्टूबर 1931 को एक मिडिल क्लास तमिल फैमिली में हुआ था। इनका जीवन संघर्ष, उनके जीवन की कई घटनाएँ सभी भारत वासियों के लिए एक प्रेरणास्रोत के समान है। डॉ अब्दुल कलाम का प्रारंभिक जीवन बहुत ही चुनौतियों भरा तथा गरीबी में बीता था। क्योंकि इनके पिता और चाचा ताऊ केवल मछुआरों को अपनी नाव किराए पर देते थे। उन्हीं रुपयों से घर का गुजारा चलाया करते थे। इससे ज्यादा आमदनी तो नहीं होती थी। किंतु सभी अच्छे से शिक्षा ग्रहण करना कई महंगे शौक रखना तथा अन्य सुविधाओं से वंचित रहते थे। वे अपने परिवार कि स्थिति को देखते हुए स्वयं इमली के बीज बेचकर अपनी कॉपी किताबों का खर्च उठाया करते थे। अपने भाई समसुद्दीन के साथ उन्होंने अखबार बेचने का भी कार्य किया था। उन्होंने अनुशासन और निष्ठा के साथ अपनी पढ़ाई आरंभ की और सफलता के शिखर तक पहुँचे। गरीबी की दलदल से निकलकर वे खुद के पैरों पर खड़े हो गए। बल्कि भारत को भी सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया । इन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अपना अतुल्य योगदान दिया। और भारत देश राष्ट्रपति होने का गौरव प्राप्त किया। विपक्षी कांग्रेस पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी घटक दलों ने मिलकर इन्हें अपना उम्मीदवार चुना और 90% बहुमत से एपीजे अब्दुल कलाम विजयी हुए। इन्हें जुलाई 2002 में राष्ट्रपति भवन के अशोक कक्ष में शपथ दिलाई गई। राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने अपने उत्तरदायित्व को भलीभाति निभाया। वे जुलाई 2007 को अपने कार्यकाल से मुक्त हो गए। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी जीवनी बिंग्स ऑफ फायर पुस्तक के नाम से लिखी है।जो भारतीय युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणा स्रोत रहेगी। वो आधुनिक भारत के उन महान वैज्ञानिकों में से एक थे। जिन्होंने भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने के लिए अथक प्रयास किया। वे अपने जीवन में आने वाले संघर्षो का डटकर सामना किया। उनका मानना था की सपने वो नही है जो आप नींद में देखे, सपने वो है जो आपको नींद ही न आने दे।अपने जीवन काल में इन कथनों को सार्थक करके दिखाया हैं। उन्होंने वैज्ञानिक बनने का सपना देखा बल्कि उसे सार्थक करके भी दिखाया। उन्होंने दिन रात मेहनत करके अपने मिसाइल बनाने के सपने को साकार किया। जिससे देश ने रक्षा के क्षेत्र में उन्नति की। इंतजार करने वालो को उतना ही मिलता है जितना कि कोशिश करने वाले छोड़ देते। संदेश देने वाले महान कलाम को मिसाइलमैन के नाम से भी जाना जाता है। देश के परमाणु क्षेत्र में विशेष योगदान को देखते हुए इन्हे मिसाइलमैन की उपाधि से सम्मानित किया गया। उनका पूरा जीवन हर किसी के लिए एक मिसाल हैं। डॉक्टर कलाम कहा करते थे कि यदि इंसान को मरने के बाद भी जिन्दा रहना है तो पढ़ने लायक लिखना चाहिए या फिर लिखने लायक काम करना चाहिए। डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने इन शब्दों को सार्थक करके बताया हैं । उन्होंने बहुत सी किताबों के साथ अपनी आत्मकथा व कविताएं भी लिखी है । उनके सराहनीय कार्य आज के हर वैज्ञानिक के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

❖ वेद प्रकाश

अपने ट्विटर प्रोफाइल पर खुद को एक लर्नर ही लिखते थे अब्दुल कलाम

कल 15 अक्टूबर को अब्दुल कलाम का जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वे देश के पहले राष्ट्रपति थे जिनका हेयर स्टाइल अपने आप में अनोखा था। वे देश के सम्मानित व्यक्तियों में से एक थे।जमीन और जड़ों से जुड़े रहकर उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई थी। सादा जीवन जीने वाले एक महान शख्त माने जाने वाले व्यक्ति थे। सच मानो तो उनका मुकाबला शायद कोई नहीं कर सकता। हर कोई तारीफ करता है क्योंकि डॉक्टर अब्दुल कलाम बहुत महान थे। हर किसी के प्रेरणा के स्रोत थे। कलाम के बारे में हमें कई कहानियां पढ़ने को मिलती है जो हम सभी को प्रेरणा देती है। जीवन का मकसद देश को आगे बढ़ाना था। उन्होंने वह कर भी दिखाया। अपने देश के लिए उन्होंने मिसाइल बनाई ,जो कि काफी कारगर साबित हुई। देश के राष्ट्रपति के रूप में भी उन्होंने बहुत ही कई सराहनीय कार्य किया। वे बहुत गरीब परिवार से थे। लेकिन उन्होंने अपनी लगन और मेहनत से सब कुछ कर दिखाया है। यदि जीवन में आगे बढ़ना है सफलता की बुलंदियों को छूना है तो उसे अब्दुल कलाम को अपना रोल मॉडल समझना चाहिए। उन्होंने एक वैज्ञानिक और एक राष्ट्रपति के रूप में अपना अतुल्य योगदान देकर देश सेवा की। हमारे देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का सपना देखने वाला ये कर्मवीर योद्धा मरते दम तक देश के लिए काम करता रहा। आखिरी क्षणों में भी वो बच्चों को लेक्चर दे रहे थे। कलाम ने अपने आखिरी कुछ घंटे ऐसे बिताए जो यादगार है। उनकी आखिरी इच्छा, उनके आखिरी शब्द, सब हमें बताते हैं कि वो देश के लिए कितना सोचते थे। भारत की 'अग्नि' मिसाइल को उड़ान देने वाले मशहूर वैज्ञानिक अब्दुल कलाम आईआईएम शिलॉन्ग में लेक्चर दे रहे थे। तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा। आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टर कुछ नहीं कर सके। 83 वर्ष के कलाम दुनिया से विदा ले चुके थे। एपीजे अब्दुल कलाम का पूरा नाम अवुल पकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम था। वो एक मछुआरे के बेटे थे। उन्होंने कई व्याख्यानों में इसका जिक्र किया कि वो शुरूआती जीवन में अखबार बेचते थे। कौन जानता था कि ये लड़का बड़ा होकर देश का वैज्ञानिक बनेगा, और राष्ट्रपति पद की शोभा बढ़ाएगा। करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत कलाम अपनी मीठी जुबान से हजारों की भीड़ को सम्मोहित कर लेते थे। उन्होंने दो दर्जन किताबें भी लिखीं। लेकिन फिर भी अपने ट्विटर प्रोफाइल पर खुद को एक लर्नर ही लिखते थे।

हर कोई तारीफ करता है क्योंकि डॉक्टर अब्दुल कलाम बहुत महान थे। हर किसी के प्रेरणा के स्रोत थे। कलाम के बारे में हमें कई कहानियां पढ़ने को मिलती है जो हम सभी को प्रेरणा देती है। जीवन का मकसद देश को आगे बढ़ाना था। उन्होंने वह कर भी दिखाया। अपने देश के लिए उन्होंने मिसाइल बनाई , जो कि काफी कारगर साबित हुई।

❖ बजरंगी कुमार

बचपन से ही कई समस्याओं का डट कर सामना किया

महान वैज्ञानिकों में से एक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती 15 अक्टूबर को धूमधाम से मनाई गई। कलाम हमेशा अपनी सादगी और अनुशासन के लिए जाने जाते हैं। अब्दुल कलाम अपने काम के प्रति समर्पण और राष्ट्रवादी सोच के लिए हमेशा देश के युवाओं को प्रेरित करते रहे। उन्होंने अपने शुरूआती समय में ही कलाम ने अपने परिवार की आर्थिक मदद करनी शुरू कर दी थी। उन्होंने तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज से अपना ग्रेजुएशन और चेन्नई के मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की पढ़ीई पूरी की। एपीजे अब्दुल कलाम की प्रारंभिक शिक्षा रामेश्वरम के ही एक प्राथमिक विद्यालय से शुरू हुई है। यहां पर उन्होंने मन लगाकर अध्ययन किया तथा अपने गुरु इयादुराई सोलोमन के व्यक्तित्व से अधिक प्रभावित हुए और उनकी दी गई शिक्षा के आधार पर उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान में जाने का निश्चय कर लिया। प्रारंभिक परीक्षा पूर्ण करने के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रवेश लिया तथा अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। एपीजे अब्दुल कलाम पायलट बनना चाहते थे। किंतु उनका पायलट में चयन नहीं हो सका अनंत में उन्होंने संचालनालय तकनीकी विकास दिल्ली में नौकरी कर ली। एपीजे अब्दुल कलाम का प्रारंभिक कैरियर अपने बचपन के जीवन में कई समस्याओं का सामना किया है। क्योंकि उनके परिवार की माली हालत ठीक नहीं थी।और वह किसी अच्छे स्कूल में पढ़ने नहीं जा सकते थे। एपीजे अब्दुल कलाम ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सबसे पहले इमली के बीजों को इकट्ठा करना शुरू किया था। उन्हें दुकान पर बेचकर अपने लिए जरूरत की किताबें अध्ययन सामग्री लेकर अपनी पढ़ाई करते थे।। इसके बाद उन्होंने पढ़ाई के साथ ही अखबार बेचने का काम भी शुरू कर दिया। लेकिन उन्हें पहली सफलता जब मिली जब उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी स्नातक डिग्री के साथ ही हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करना शुरू कर दिया था। इसके बाद उन्होंने भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में कई सफलतापूर्वक उपग्रहों के लिए काम किया। साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ज्वाइन किया और अपने अतुलनीय प्रयास के कारण भारतीय उपग्रह प्रक्षेपण प्रणाली को दुनिया की सबसे बेहतरीन उपग्रह प्रक्षेपण प्रणाली में लाकर शामिल कर दिया। जहाँ उन्होंने भारतीय सेना के लिये एक छोटा हेलिकॉप्टर डिजाइन किया। उन्होंने कमेटी के एक भाग के रुप में डॉ विक्रमसाराभाई के अधीन भी कार्य किया। बाद में, कलाम साहब भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपास्त्र के प्रोजेक्ट निदेशक के रुप में 1969 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन से जुड़ गये। भारत में बैलिस्टिक मिसाइल के विकास के लिये दिये गये अपने महान योगदान के कारण लोग उन्हें भारत के मिसाइल मैन के रुप में जानने लगे।

❖ गोलू कुमार

डॉ कलाम की जिंदगी की नई जंग को जानें

हर वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस मनाया जाता हैं।दरअसल डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को हुआ । उन्हें छात्रों से बहुत लगाव था। साथ ही उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए बहुत कुछ किया था। डॉ अब्दुल कलाम सबसे प्रसिद्ध एयरोस्पेस वैज्ञानिकों में से एक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति थे। उन्हें 'भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता था और उन्हें अब तक के सबसे महान शिक्षकों में से एक के रूप में भी याद किया जाता है। उन्होंने भारत के रक्षा और अंतरिक्ष अनुसंधान विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश ने महान वैज्ञानिक, शिक्षक और नेता को खो दिया। शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है जो किसी व्यक्ति के चरित्र, क्षमता, और भविष्य को आकार देता हैं। अगर लोग मुझे एक अच्छे शिक्षक के रूप में याद रखते हैं, तो मेरे लिए ये सबसे बड़ा सम्मान होगा। इसीलिए उनके सम्मान में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2010 से विश्व छात्र दिवस मनाने की शुरूआत हुई । और आज भी हम प्रति वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस मनाते हैं। देश के परमाणु क्षेत्र में विशेष योगदान को देखते हुए इन्हे मिसाइलमैन की उपाधि से सम्मानित किया गया। उनका पूरा जीवन हर किसी के लिए एक मिसाल हैं। कलाम एयरफोर्स की परीक्षा में फेल हो गए थे। लेकिन यहीं से उनकी जिंदगी की नई जंग शुरू हो गई। उनका कहना था की अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो। अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित्त निष्ठावान होना पड़ेगा। विज्ञान मानवता के लिए एक खूबसूरत तोहफा है। हमें इसे बिगाड़ना नहीं चाहिए। शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत की जरूरत होती है। चाहे वो माउंट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का। एक अच्छी पुस्तक हजार दोस्तों के बराबर होती है। जबकि एक अच्छा दोस्त एक लाइब्रेरी के बराबर होता है। हमें हार नहीं माननी चाहिए और हमें समस्याओं को खुद को हराने नहीं देना चाहिए। दुनिया में बहुत कम ऐसे लोग हैं । जिनका पूरा जीवन ही प्रेरणादायक हो। भारत के महान वैज्ञानिक तथा पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम निश्चित तौर पर एक ऐसे ही व्यक्ति थे। भले ही आज वह हमारे बीच नहीं हैं । लेकिन उनकी कही एक-एक बात हमें एक सच्चे, अच्छे और जिम्मेदार इंसान बनने के लिए आज भी प्रेरित करती है। जिंदगी सच में बेहतरीन बन जाती है । जब हम जीवन में सही समय पर थैंक्यू और सॉरी बोलना जान लेते हैं। चाहे कोई कुछ भी कहे लेकिन अपनी गलती होने पर माफी मांगना और दूसरे जब आप के लिए कुछ करे तो उसका आभार प्रकट करना आपको साधारण से असाधारण बनाता है।

❖ ओपी

डॉ. कलाम का सफर फर्श से अर्श तक का

पलामू सहित पूरे भारत के मिसाइल मैन के रूप में लोकप्रिय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की कल 15 अक्टूबर जयंती थी। जमीन और जड़ों से जुड़े रहकर उन्होंने ' राष्ट्रपति के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई थी। समाज के सभी वर्गो और विशेषकर युवाओं के बीच प्रेरणा स्रोत बने । डॉ. कलाम ने राष्ट्राध्यक्ष रहते हुए राष्ट्रपति भवन के दरवाजे आम जन के लिए खोल दिए। जहां बच्चे उनके विशेष अतिथि होते थे। एक सच्चे मुसलमान और एक नाविक के बेटे एवुल पाकिर जैनुलाबद्दीन अब्दुल कलाम ने 18 जुलाई 2002 को देश के 11वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला और उन्हें एक ऐसी हस्ती के रूप में देखा गया। पांच वर्ष की अवस्था में रामेश्वरम के पंचायत प्राथमिक विद्यालय से उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्रारंभ की। जीवन में सफलता तथा अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए तीव्र इच्छा, आस्था, अपेक्षा इन तीनों शक्तियों को भली-भांति समझ लेना और उन पर प्रभुत्व स्थापित कर लेना चाहिए। नन्हें कलाम ने इस सीख को आत्मसात कर आगे का सफर शुरू किया। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा के दौरान जिस प्रतिभा का परिचय दिया। उससे उनके शिक्षक बहुत प्रभावित हुए। कलाम एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में आने के पीछे अपनी पांचवी क्लास के टीचर सुब्रह्मण्यम अय्यर को वजह बताते हैं वो कहते हैं,वो हमारे अच्छे टीचर्स में से थे। एक बार उन्होंने क्लास में पूछा कि चिड़िया कैसे उड़ती है। क्लास के किसी छात्र ने इसका उत्तर नहीं दिया तो अगले दिन वो सभी बच्चों को समुद्र के किनारे ले गए।। वहां कई पक्षी उड़ रहे थे। कुछ समुद्र के किनारे उतर रहे थे तो कुछ बैठे थे। वहां उन्होंने हमें पक्षी के उड़ने के पीछे के कारण को समझाया साथ ही पक्षियों के शरीर की बनावट को भी विस्तार पूर्वक बताया जो उड़ने में सहायक होता है। उनके द्वारा समझाई गई ये बातें मेरे अंदर इस कदर समा गई कि मुझे हमेशा महसूस होने लगा कि मैं रामेश्वरम के समुद्र तट पर हूं और उस दिन की घटना ने मुझे जिंदगी का लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी। बाद में मैंने तय किया कि उड़ान की दिशा में ही अपना करियर बनाउं। मैंने बाद में फिजिक्स की पढ़ाई की और मद्रास इंजीनियरिंग कॉलेज से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई की। वास्तव में जो भी व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ना चाहता है सफलता की बुलंदियों को छूना चाहता है । उसे अब्दुल कलाम को अपना रोल मॉडल समझना चाहिए। सच्चे अर्थों में वह एक उच्च कोटि के राष्ट्रनायक थे। डॉ. कलाम ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया। उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में भारतीय राजनीति की दिशा बदलने की हर संभव कोशिश की। वह पहले ऐसे राष्ट्रपति थे, जिन्होंने सांसदों को कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने देश को न केवल महाशक्ति बनाने का मूलमंत्र दिया। बल्कि लोगों में यह विश्वास भी जगाया कि भारत वास्तव में उन्नति के शिखर पर पहुंच सकता है। उन्होंने देश भर में घूम-घूम कर असंख्य छात्रों को प्रेरित करने, उनके सपने जगाने और उन्हें पूरा करने का जो मंत्र दिया। उसकी मिसाल मिलनी मुश्किल है। उन्होंने यह भी दिखाया कि अपना काम करते हुए विवादों से कैसे दूर रहा जा सकता है। एक अराजनीतिक व्यक्ति होते हुए भी डॉ. कलाम राजनीतिक दृष्टि से सम्पन्न थे। अपनी इसी दृष्टि के बल पर उन्होंने भारत की कल्याण संबंधी नीतियों का जो खाका खींचा, वह अद्भुत है। उनकी सोच राष्ट्रवादी थी। वह एक महान देश हितैषी थे। भारत को एक सबल और सक्षम राष्ट्र बनाना उनका सपना था।

❖ ओम प्रकाश प्रजापति

मिसाइल मैन डॉ अब्दुल कलाम एक चुनौती का नाम

देश में ऐसे कई महापुरुष हुए हैं। जिन्हें मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है। एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने जीवन में विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने वाले व्यक्ति थे, जिसने अपनी मेहनत और लगन के बदौलत देश के राष्ट्रपति पद तक पहुंचे। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद वे तिरूवनंतपुरम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के कुलाधिपति बनाये गये और अन्ना यूनिवर्सिटी के एरोस्पेस इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर बने । उन्हें देश के कई कॉलेजों व विद्यालयों में विसिटिंग प्रोफेसर के रूप में बुलाया जाता था। ताकि बच्चे कलाम जी के द्वारा आगे बढ़ने व अपने सपनो का पूरा करने का मार्गदर्शक मिल सके। परिवार की माली हालत ठीक नहीं रहने के चलते, इन्होंने बहुत कम उम्र में ही आर्थिक सहायता देने के लिये काम करना शुरू कर दिया था। एपीजे अब्दुल कलाम के पिता का नाम जैनुलाब्दीन था, जो पैशे से एक मछुआरे थे और कभी-कभी अपनी नाव को मछुआरों को किराए पर दिया करते थे। जैनुलाब्दीन सीधे सरल स्वभाव वाले व्यक्ति थे और ज्यादा पढ़े लिखे नहीं थे। किंतु उनके जीवन से एपीजे अब्दुल कलाम ने लगन, मेहनत और कर्तव्य परायणता सीखी। फिर भी अपने काम करने के दौरान इन्होंने कभी-भी अपनी पढ़ाई नहीं छोड़ी। 1954 में तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज से उन्होंने अपना ग्रेजुएशन और मद्रास इंस्टीट्यूट से वैमानिकी इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। एपीजे अब्दुल कलाम का परिवार बहुत बड़ा था। डॉ अब्दुल कलाम स्वयं पांच भाई और पांच बहने थी और 3 परिवार एक साथ रहा करते थे। इतना बड़ा परिवार होने के बावजूद भी एपीजे अब्दुल कलाम कभी भी अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटे और स्वयं मेहनत कर देश के राष्ट्रपति के पद तक पहुंचे। डॉ कलाम ने गाइडेड मिसाइल विकास कार्यक्रम के मुख्य कार्यकारी के रुप में भी कार्य किया । जिसमें मिसाइलों कंपन के एक साथ होने वाले विकास शामिल थे। अपने जीवनकाल के दौरान डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को न केवल भारतीय संगठन और समितियों द्वारा बल्कि कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और समितियों द्वारा भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई किताबें लिखीं। जिसमें भारत को एक महाशक्ति बनाने की कार्य योजना शामिल थी। वो अपने सादगी और सत्यनिष्ठा के व्यक्ति थे। वह काम में इतना व्यस्त रहते थे। वह सुबह जल्दी उठते और आधी रात तक काम करते थे। आज हमारे देश में अग्नि और पृथ्वी मिसाइलों के निर्माण में भी उन्होंने मदद की, जिसकी वजह से वे मिसाइल मैन के नाम से जाने जाते है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो और भारत को परमाणु शक्ति बनाने में में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की उपलब्धियों के लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनकी अध्यक्षता अवधि के दौरान, सेना और देश ने कई इतिहास रचे, कलाम ने राष्ट्र के लिए बहुत योगदान दिया। उन्होंने खुले दिल से देश की सेवा की। अपने कार्यकाल के अंत में राष्ट्रपति कार्यालय छोड़ने के बाद डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने फिर से छात्रों को पढ़ाना शुरू किया। उन्होंने देश में स्थित भारत के कई प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए भी काम किया। अपने एक सन्देश में उन्होंने कहा था कि उनके अनुसार देश के युवा बहुत प्रतिभाशाली हैं। लेकिन उन्हें अपनी योग्यता साबित करने के लिए अवसर चाहिए।

एपीजे अब्दुल कलाम के पिता का नाम जैनुलाब्दीन था, जो पैशे से एक मछुआरे थे और कभी-कभी अपनी नाव को मछुआरों को किराए पर दिया करते थे। जैनुलाब्दीन सीधे सरल स्वभाव वाले व्यक्ति थे और ज्यादा पढ़े लिखे नहीं थे। किंतु उनके जीवन से एपीजे अब्दुल कलाम ने लगन, मेहनत और कर्तव्य परायणता सीखी।

❖ गुड्डू कुमार

डॉ कलाम का सपना बचपन से ही फाइटर पायलट बनने का था

डा. एपीजे अब्दुल कलाम एक महान भारतीय वैज्ञानिक थे। जिसने भारत के 11वें राष्ट्रपति के रुप देश की सेवा की। वो भारतीय जनता के दिलों में राष्ट्रपति और भारत के मिसाइल मैन के रुप में हमेशा जावित रहेंगे। डॉ कलाम का पूरा नाम अवुल पाकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम था। इनका जन्म एक तमिल मुस्लिम मछुआरे परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम जैनुलाब्दीन था।अब्दुल कलाम, पॉच भाई-बहन थे। कलाम के पिता बहुत धार्मिक प्रवृत्ति के थे। उन्होंने बचपन से ही कलाम को बहुत अच्छे संस्कार दिये गये थे। कलाम की प्रारंभिक शिक्षा गॉव के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई थी और फिर अपनी आरंभिक शिक्षा के लिए मद्रास चले गये। इन्होंने मद्रास इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की। क्योंकि बचपन से ही उनका सपना एक फाइटर पायलट बनना था। परन्तु वक्त के साथ उनका सपना बदल गया और डीटीडी एण्ड पी के तकनीकी केन्द्र में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का कायाभार संभालने लगे और इंडियन आर्मी के लिए हेलिकॉप्टर का डिजाइन तैयार किया। इन्होने भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास में प्रवेश लिया और कई उपग्रह प्रक्षेपण योजनाओं में सफलता प्राप्त की। मिसाइल मैन और राष्ट्रपति के रुप में भारतीय इतिहास में वो प्रकाशमान सितारे हैं। उनका जन्म तमिलनाडु में 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था। इनका जीवन बेहद संघर्षपूर्ण था, हालांकि भारत की नयी पीढ़ी के लिये वो प्रेरणा स्वरुप हैं। वो ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत को एक विकसित देश बनाने का सपना देखा था। जिसके लिये उन्होंने कहा कि आपके सपने के सच हो सकने के पहले आपको सपना देखना है। एक वैमानिकी इंजीनियर होने के अपने सपने को पूरा करने के लिये जहाज में उनकी विशाल इच्छा ने उन्हें सक्षम बनाया। एक गरीब परिवार से होने के बावजूद, उन्होंने कभी-भी अपनी पढ़ाई को नहीं रोका। वे भारत के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्ति थे । क्योंकि एक वैज्ञानिक और राष्ट्रपति के रुप में देश के लिये उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया था। क्योंकि बैलिस्टिक मिसाइल और स्पेस रॉकेट टेक्नोलॉजी के विकास में इनका बहुत बड़ा योगदान है। देश में रक्षा टेक्नोलॉजी के विकास के पीछे वो संचालक शक्ति थे। उनके महान योगदान ने देश को परमाणु राष्ट्रों के समूह में खड़ा होने का मौका दिया। जिसने हमेशा देश के विकास के लक्ष्यों को सपना देखा था जो सच कर दिखाया। भारत 2020 के शीर्षक की अपनी किताब में उन्होंने देश के विकास बारे में कार्य योजना को स्पष्ट किया। उनके अनुसार, देश की असली संपत्ति युवा है। इसी वजह से वो हमेशा उनको प्रोत्साहित और प्रेरित करते रहें हैं। वो कहते थे कि राष्ट्र को नेतृत्व में आदर्श की जरुरत है जो युवाओं को प्रेरित कर सके।

❖ कुमारी रिया

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

पक्षी से टकराया विमान बाल-बाल बचे यात्री

मुंबई (एजेंसी)। अकासा एयर की फ्लाइट क्यूपी-1103 बेंगलुरू जाते समय एक पक्षी से टकरा गयी जिसके बाद प्लेन मुंबई एयरपोर्ट पर वापिस लौटा। आकाशा एयरलाइंस की फ्लाइट के उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही वापस एयरपोर्ट लौटना पड़ा। दरअसल, विमान के केबिन में कुछ जलने की गंध आ रही थी, जिसके बाद पायलट द्वारा वापस लौटने का फैसला लिया गया। बता दें कि आकाशा एयरलाइंस की बोइंग मैक्स वीटी-वीईएई जब अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी तो विमान का इंजन सामान्य रूप से काम कर रहा था। लेकिन कुछ देर बाद केबिन से कुछ जलने की गंध आने लगी। जिसके बाद विमान को पौरन वापस मुंबई एयरपोर्ट लौटना पड़ा। विमान मुंबई से बेंगलुरु जा रहा था। मुंबई में जांच के दौरान पता चला कि विमान से कोई पक्षी टकरा गया था। इंजन में पक्षी के अवशेष पाये गये हैं। हालांकि, सभी यात्री सुरक्षित बताये जा रहे हैं।

माओवादी लिंक मामला : सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगायी रोक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने माओवादी संबंध मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा और अन्य को बरी करने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को शनिवार को निलंबित कर दिया। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को साईबाबा तथा अन्य को बरी किया था। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने साईबाबा के इस अनुरोध को भी खारिज कर दिया कि उनकी शारीरिक अक्षमता और स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें घर में नजरबंद किया जाये। पीठ ने गैर-कामकाजी दिन भी इस मामले की सुनवाई की। पीठ ने मामले में साईबाबा समेत सभी आरोपियों की जेल से रिहाई पर रोक लगा दी। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने उन्हें जेल से रिहा करने का आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने साईबाबा, अन्य से उन्हें बरी करने संबंधी बंबई उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार की अपील पर जवाब मांगा है। बंबई उच्च न्यायालय ने माओवादियों से कथित जुड़ाव के मामले में डीयू के पूर्व प्रोफेसर साईबाबा को गिरफ्तारी के करीब आठ साल बाद शुक्रवार को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा कि गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत मामले में आरोपी के खिलाफ अभियोग चलाने की मंजूरी देने का आदेश कानून की दृष्टि से गलत एवं अवैध था। साईबाबा (52) शारीरिक अक्षमता के कारण व्हीलचेयर की मदद लेते हैं। वह अभी नागपुर केंद्रीय कारागार में बंद है।

एक हजार किमी की हुई भारत जोड़ो यात्रा, 38 दिनों से चल रहे पदयात्री

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा का शनिवार को 38वां दिन था। भारत जोड़ो यात्रा के एक हजार किलोमीटर का पड़ाव पूरा करने के मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को कर्नाटक के बेल्लारी में एक जनसभा को संबोधित किया। शुक्रवार को हलकुंडी मठ में रात्रि विश्राम के बाद गांधी ने शनिवार को जिला मुख्यालय शहर बेल्लारी के कम्मा भवन पहुंचने के लिए फिर से पदयात्रा शुरू की। बेल्लारी के नगर निगम मैदान में उनकी जनसभा हुई। जनसभा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अलावा सिद्धारमैया, कमलनाथ, रणदीप सिंह सुरजेवाला और दिग्विजय सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लगभग छह महीने का समय बचा होने के मद्देनजर कांग्रेस इस यात्रा से राज्य में बड़ी उम्मीद लगाये हुए है। बेल्लारी में

गांधी की जनसभा को पार्टी के व्यापक शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। बेल्लारी में कांग्रेस के दिग्गज नेता सिद्धारमैया ने 2010 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के तहत रेड्डी बंधुओं द्वारा कथित अवैध खनन के खिलाफ 320 किलोमीटर लंबी पदयात्रा की थी। जी जनार्दन रेड्डी, करुणाकर रेड्डी और सोमशेखर रेड्डी के खिलाफ यह पदयात्रा निकाली गयी थी। भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व करते हुए गांधी अब तक चार राज्यों-तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से गुजर चुके हैं। शनिवार सुबह बेल्लारी में राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग कतारों में खड़े थे। इस दौरान उनका कारवां ढोल-नगाड़ों और नारों की गूंज के बीच आगे बढ़ा। यात्रा मार्ग पोस्टर, बैनर और कांग्रेस पार्टी के झंडों से पटा हुआ था। इस दौरान कई लोग गांधी से हाथ मिलाते, उनके गले लगते और उनसे बातचीत करते नजर आये। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा ने 30 सितम्बर को कर्नाटक में प्रवेश किया था।

कोयला खदान में विस्फोट में 25 लोगों की मौत, 28 घायल

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की की एक कोयला खदान में विस्फोट होने से 25 लोगों की मौत हो गयी। धमाके में 28 लोगों के घायल होने की खबर है। खदान में अभी भी 50 लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। होम मिनिस्टर सुलेमान सोयलू के मुताबिक घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और खदान में फंसे लोगों को जल्द निकाल लिया जायेगा। यह विस्फोट बार्टिन के अमासरा शहर में हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक खदानों में पायी जानेवाली ज्वलनशील गैसों के कारण यह धमाका हुआ होगा। जानकारी के मुताबिक जिस समय खदान में विस्फोट हुआ, उस समय खदान के अंदर 110 लोग मौजूद थे। हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गये।

बाइडेन ने पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताया

○ यूएस प्रेसिडेंट बोले- पाकिस्तान के पास बिना किसी निगरानी के हैं परमाणु हथियार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि मुझे लगता है कि शायद दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है पाकिस्तान। उनके पास बिना किसी निगरानी के परमाणु हथियार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के पास 160 परमाणु बम होने का अनुमान है। बाइडेन चीन और रूस के संबंध में अमेरिकी विदेश नीति के बारे में चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिनपिंग एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिसे लगता है कि उनके पास बहुत सारी समस्याएं हैं। हम (अमेरिका) इसे कैसे संभालते हैं। रूस में जो हो रहा है उससे हम कैसे निपटेंगे...मुझे लगता है कि शायद दुनिया के सबसे खतरनाक

देशों में से एक पाकिस्तान है।

पाकिस्तान को मदद देता है अमेरिका : अमेरिका ने आठ सितम्बर को पाकिस्तान को एफ-16 फाइटर जेट के रख-रखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर, यानी 3,581 करोड़ देने की मंजूरी दी थी। ये पिछले चार साल में इस्लामाबाद को दी जानेवाली सबसे बड़ी सुरक्षा सहायता थी। बावजूद इसके बाइडेन का पाकिस्तान को सबसे खतरनाक देश बताने वाला बयान सामने आया है।

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर क्या है पाक की नीति : पाकिस्तान की 'नो फर्स्ट यूज' परमाणु नीति नहीं है। यह केवल पाकिस्तान के हाई कमान पर निर्भर करता है कि उन्हें कब और किस स्थिति में परमाणु हमला करना है। 1999 में पाक विदेश मंत्री ने 'नो फर्स्ट यूज' वाली परमाणु पॉलिसी को नकारते हुए कहा था, 'हम अपने देश की सुरक्षा की दिशा में हर जरूरी हथियार का इस्तेमाल कभी भी कर सकते हैं।'

भारत ने यूएस-पाकिस्तान संबंध पर उठाये थे सवाल

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका और पाकिस्तान रिलेशन्स पर सवाल उठाये थे। उन्होंने कहा था कि अमेरिका और पाकिस्तान के जो रिश्ते हैं, उनसे न ही कभी पाकिस्तान को फायदा हुआ है और न ही अमेरिका को। अब यूएस को इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि यूएस को पाकिस्तान के साथ संबंध बरकरार रखने से क्या फायदा मिल रहा है। दोनों देशों के रिश्ते आनेवाले समय में कितने मजबूत और फायदेमंद हो सकते हैं, इस पर विचार करना चाहिए। स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने (सिपरी रिपोर्ट 2020) की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन और पाकिस्तान के पास भारत से ज्यादा परमाणु हथियार हैं। मौजूदा वक्त में चीन के पास 320 और पाकिस्तान के पास 160 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 150 परमाणु हथियार हैं।

केरल के राज्यपाल का फेसबुक अकाउंट हैक

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का फेसबुक अकाउंट हैक कर लिया गया है। इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई है। बता दें, आरिफ मोहम्मद खान और पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली वाम सरकार के बीच संबंध कुछ खास नहीं हैं। दोनों के बीच विवाद अक्सर सुर्खियां बटोरता रहता है। कुछ माकपा नेताओं ने तो यहां तक कह दिया कि राज्यों में राज्यपाल के पदों की जरूरत नहीं है। विजयन सरकार का एक बड़ा समर्थन आधार है, खासकर साइबर दुनिया में। जो कोई भी सोशल मीडिया में सरकार की आलोचना करता है, उसे विजयन समर्थकों की तथाकथित साइबर विंग द्वारा निशाने पर लिया जाता है।

गोवा : अचानक आया पानी का सैलाब और पुल को बहा ले गया

■ मौत के मुंह में फंसे थे 40 लोग, राज्य सरकार द्वारा तैनात जीवनरक्षकों ने बचाया

पणजी (एजेंसी)। दक्षिण गोवा में भारी बारिश से मंडोवी नदी का जलस्तर बढ़ने और उसके ऊपर बने एक पुल के बह जाने से दूधसागर झरने के पास फंसे कम से कम 40 पर्यटकों को राज्य सरकार द्वारा तैनात जीवनरक्षकों ने बचा लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य में कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। उक्त घटना शुक्रवार शाम की है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बचाव अभियान के लिए जीवनरक्षकों की सराहना की है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंडोवी नदी का जलस्तर बढ़ने से उसके ऊपर बना पुल तेज बहाव में बह गया, जिस कारण कम से कम 40 पर्यटक दूधसागर झरने के पास फंस गये थे। उन्होंने कहा कि नदी के ऊपर पुल नहीं होने के कारण पर्यटक अपने आप नदी पार करने में सक्षम नहीं थे, लिहाजा राज्य सरकार द्वारा भेजे गये जीवनरक्षकों ने उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला। मुख्यमंत्री सावंत ने एक ट्वीट में कहा कि भारी बारिश से जलस्तर बढ़ने के बाद पुल टूटने के कारण दूधसागर झरने के पास फंसे लगभग 40 पर्यटकों को जीवनरक्षकों ने बचा लिया।

मछली बेचने वाले की खुली किस्मत, 70 लाख रुपये की लगी लॉटरी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। अपने घर के संबंध में कर्ज अदायगी में चूक के लिए एक बैंक से कुर्की नोटिस मिलने के कुछ ही घंटों बाद केरल के एक मछली विक्रेता ने राज्य सरकार की 70 लाख रुपये की अक्षय लॉटरी जीतने पर राहत की सांस ली। पुकुंजू ने 12 अक्टूबर को अपने दिन की शुरुआत हमेशा की तरह की और दिन में बेची जानेवाली मछली को इकट्ठा करने के लिए जाते समय उन्होंने अक्षय लॉटरी का टिकट खरीदा, जिसमें 70 लाख रुपये का पहला पुरस्कार था। पुकुंजू ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि जब वह दोपहर में घर लौटे तो उन्हें पता चला कि बैंक ने उनके घर के संबंध में कुर्की का नोटिस भेजा है,

क्योंकि वह लगभग नौ लाख रुपये का ऋण चुका पाने में अक्षम थे। उनकी पत्नी ने चैनल को बताया कि बैंक से नोटिस मिलने के बाद हम निराशा में थे। हमें नहीं पता था कि क्या करना है। अपनी संपत्ति बेचनी है या नहीं। हमारे दो बच्चे हैं, एक लड़का और एक लड़की, जो पढ़ रहे हैं। पुकुंजू ने कहा कि बैंक ऋण के अलावा, मेरे पिता ने लॉटरी टिकट खरीदकर लगभग पांच लाख रुपये का कर्ज लिया था। जीत के साथ अपनी योजनाओं पर पुकुंजू की पत्नी ने कहा कि वे पहले अपने सभी कर्ज चुकायेंगे और फिर सुनिश्चित करेंगे कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करें ताकि वे जीवन में एक अच्छे स्तर तक पहुंच सकें।

बच्चे के जन्म के दो महीने बाद तक अवसादग्रस्त रहती है मां, तो देर से बोलेगा बच्चा

○ देर से होगा उसका विकास, ध्यान रखें बच्चों के सामने क्या बोल रहे हैं, तब भी जब वे बोलना नहीं जानते हों

- आरएनएम

नयी दिल्ली। जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन कॉग्निटिव एंड ब्रेन साइंसेज में हुए शोध में परिणाम में आया कि बच्चा शुरू से ही आवाजों में फर्क करने लगता है। यदि मां प्रसव के बाद अवसाद से ग्रस्त है तो इसका असर बच्चे के संपूर्ण विकास पर पड़ता है। इन हालात में पिता की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना और उससे बात करना बहुत जरूरी हो जाता है। क्योंकि, उदास व अवसादग्रस्त मां की आवाज की टोन एक जैसी रहती है। ऐसे में बच्चा आवाजों में फर्क करना नहीं सीख पाता। आवाजों में फर्क करना बच्चों का वह प्रकृति प्रदत्त नैसर्गिक गुण है, जिसे मां का मूड ही विकसित कर पाता है। इन आवाजों के अंतर को समझते-समझते बच्चा शब्दों को समझने लगता है।

यदि मां खुश रहे और बच्चे से बात करे, तो बच्चा जल्दी भाषा सीखता है। एफयू बर्लिन में डेवलपमेंट इन चाइल्डहुड एंड एडोलेसेंस की प्रोफेसर गीजा सैद का इस बारे में कहना है कि जब मां खुश रहती है, तो आवाज में अलग-अलग टोन होती है। इस अंतर को बच्चा आसानी से समझ लेता है। यदि आवाजों में अंतर की प्रक्रिया में ज्यादा

देरी हो जाये, तो बच्चा बोलने के व्यतिक्रम या बीमारी से ग्रसित हो जाता है। प्रोफेसर गीजा सैद का कहना है, बच्चों के सामने क्या बोल रहे हैं ध्यान रखें। तब भी जब वे बोलना नहीं जानते हों। वे आवाजों को समझते हैं, और आपकी आवाज लंबे समय तक उनके जेहन में रह सकती है। तब भी जब उस आवाज के लिए उनके पास शब्द न हों। ये आवाजें ही बच्चे के लिए आगे चलकर भाषा बन जाती है। जैसी आवाजें सुनी होती हैं, वैसी ही भाषा होती जाती है।

न्यूज गैलरी

प्रभाकर तिर्की झारखंड आंदोलनकारी के रूप में चिन्हित होंगे

रांची। झारखंड आंदोलनकारी व आजसू के प्रथम अध्यक्ष प्रभाकर तिर्की ने झारखंड आंदोलनकारी के रूप में झारखंड आंदोलनकारी चिन्हि तीकरण आयोग में पहली बार आवेदन किया. प्रभाकर तिर्की के पहचान कर्ता के रुप में झारखंड सरकार से चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी एवं झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो बने. श्री तिर्की वर्ष 1987 में निर्मल महतो के हत्या के बाद झारखंड बंद के आंदोलन में गिरफ्तार हुए व उन्हें जेल भेजा गया था. कांड संख्या 260/ 87, चुटिया थाना से जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा हजारीबाग भेजे गए थे. जेल में 1 महीना 3 दिनों तक रहे. श्री तिर्की के साथ कुल 56 लोग यहां बंद थे. आयोग द्वारा श्री तिर्की के चिन्हित होने के बाद 3500 प्रति माह 2015 से पेंशन, सम्मान राशि के रूप में मिलेगा।

विधायक प्रतिनिधि हरिनाथ साहू ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कांके का किया दौरा

रांची / कांके। विधायक प्रतिनिधि हरिनाथ साहू ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कांके में स्कूल प्रबंधक के साथ बैठक कर विद्यालय में पढ़ाई कर रहे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब बच्चियों का शैक्षणिक विधि-व्यवस्था एवं सरकार की ओर से मिल रहे सुविधाओं की जानकारी ली। प्रबंधन के संयोजिका रश्मि देवी एवं शिक्षिकाओं के द्वारा विद्यालय को सुदृढ़ एवं सुविधाजनक बनाने के लिए कई उपयोगी सुझाव के साथ लगातार बढ़ रहे बच्चियों की संख्या को देखते हुए पीने की पानी के किल्लत को दूर करने के लिए एक डीप बोरिंग एवं जल मीनार निर्माण कराने का आग्रह किये। भेंटवार्ता में विधायक प्रतिनिधि के साथ मुख्य रूप से कांके पश्चिमी के जिला परिषद सदस्य सुषमा देवी एवं भाजपा नेता प्रशांत बैठा उपस्थित थे।

रांची डिस्ट्रिक्ट रायफल एसोसिएशन ने विभूति प्रसाद सिंह के परिजनों को इलाज के लिए एक लाख रुपए की सहायता राशि दी

रांची। रांची डिस्ट्रिक्ट रायफल एसोसिएशन ने मेडिका में इलाज करा रहे राष्ट्रीय स्तर के लिए निशानेबाज विभूति प्रसाद सिंह के परिजनों को इलाज के लिए एक लाख रुपए की सहायता राशि दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कुमार महासचिव वेद रत्न मोहन, उपाध्यक्ष आनंद, प्रभात शंकर, अजय कुमार और विपिन कुमार सिंह ने विभूति प्रसाद सिंह की पत्नी मुन्नी देवी को 100000 की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज विभूति प्रसाद सिंह 11 अक्टूबर को रांची खेलगांव के निकट भीषण सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे और उनका इलाज मेडिका में चल रहा है जहां वह जीवन और मौत से जूझ रहे हैं।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जनता को कोई लाभ नहीं, पैसे की हो रही बर्बादी : दीपक प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश ने शनिवार को राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला। श्री प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी कमियां छुपाने के लिए जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में बर्बाद कर रहे। श्री प्रकाश ने कहा कि राज्य सरकार की नाकामियों का पुलिंदा इतना मोटा हो गया है कि वे बताते बताते थक जायेंगे। कहा कि जनता को पता है कि वे केवल अपनी पीठ थपथपाने के लिए घूम रहे लेकिन सरकार के कारनामे से जनता पूरी तरह परिचित हो चुकी है। श्री प्रकाश ने कहा कि लगभग तीन साल के भ्रष्ट शासन में इन्होंने झारखंड को बीस साल पीछे कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री में को बताना चाहिए कि कैसे उन्होंने पद का

दुरुपयोग करते हुए अपने और अपने परिजनों के नाम पर खान खनिज का लीज आवंटित कराया। कैसे आदिवासी उद्यमियों के लिए आरक्षित आद्योगिक भूमि को अपनी पत्नी और साली के नाम आवंटित कर दिया। मुख्यमंत्री बताएं कि सरकार के 1000 दिन पूरे होने तक एक

> उन्हें बताना चाहिए बहन बेटियां क्यों आज अपने घर में भी अपराधियों द्वारा जलाकर मार देने को विवश हैं। क्योंकि अपराधियों का मन काफी बढ़ रहा है।

जिला में 1000 करोड़ का घोटाला हुआ। हिम्मत है तो बताएं क्यों उनके विधायक प्रतिनिधि और उनके अगल बगल वाले जेल के भीतर है। कहा कि बताएं कैसे सीएम आवास में प्रतिनियुक्ति आरक्षी का एक 47 राइफल दलालों, बिचालियों के घर से बरामद हुए। श्री प्रकाश ने कहा कि उन्हें बताना चाहिए एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवम उनसे संबंधित लोगों के ठिकानों पर करोड़ों रुपए कैसे बरामद हुए। उन्हें बताना चाहिए बहन बेटियां क्यों आज अपने घर में भी अपराधियों द्वारा जलाकर मार देने को विवश हैं। क्यों राज्य बलात्कार के मामलों में रिकॉर्ड बना रहा। बताएं क्यों गरीबों के अनाज की कालाबाजारी हो रही। क्यों सड़कें जर्जर हैं। क्यों बेरोजगार युवक हताश निराश हैं, क्यों किसानों के धान के पैसे बकाया है,स्कूलों में किताब नहीं,बेटियों को साइकिल नहीं,मरीजों को दवाई नही मिल रही। श्री प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी यदि पर्यटन का ही शौक है तो उन दलितों के घर क्यों नहीं जाते जिनको अवैध तरीके से पुश्तैनी घर से बेदखल कर दिया गया। पेट्रोल जलाकर मार दी गई बेटियों के परिजनों से क्यों नहीं मिलते।

यवुक ने डैम में डूब कर दे दी जान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के कांके डैम से एक 20 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया है, मृतक की पहचान रामगढ़ के रहने वाले राज नायक के रूप में हुई है। राज नायक रांची में अपने बुआ के घर पर रहा करता था। जानकारी के अनुसार राज नायक रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। उसका रामगढ़ की रहने वाली अपने ही एक रिश्तेदार की लड़की के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। जिसका उसके परिवार वाले विरोध कर रहे थे। परिवार वाले को यह मंजूर नहीं था कि राज की शादी किसी रिश्तेदार की बेटी से ही हो। इस मामले को लेकर अक्सर राज के परिवार में विवाद होता था। 11 अक्टूबर को भी इसी मामले को लेकर राज नायक के रामगढ़ स्थित घर में जमकर विवाद हुआ जिसके बाद उसी दिन राज रामगढ़ से अपनी बुआ के घर रांची आ गया। राज नायक अपने बुआ के घर अक्सर आ कर रहा करता था, 11 अक्टूबर को भी वह अपने बुआ के घर पहुंचा, घर पहुंचने के बाद उसने अपने बाइक और मोबाइल को टेबल पर रखा और आनन-फानन में वहां से चला गया। घरवालों को लगा वह कहीं आस-पास गया होगा और लौट आएगा लेकिन राज नहीं लौटा और आज कांके डैम से उसका शव बरामद किया गया है। पंडरा ओपी प्रभारी चंद्रशेखर ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है परिजनों ने राज की गुमशुदगी को लेकर कोई जानकारी भी पुलिस को नहीं दी थी। शनिवार की सुबह यह जानकारी मिली की कांके डैम के किनारे एक शव पड़ा हुआ है जिसकी पहचान राज के रूप में हुई , फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो स्टेशन, रेडियो खांची 90.4 एफएम एवं रांची कैंसर केयर फाऊंडेशन टाटा ट्रस्ट, रांची, झारखण्ड के द्वारा स्तन कैंसर जागरूकता के लिए एक कार्यक्रम (रेडियो इंटरव्यू) का आयोजन किया गया, जिसमें एक्सपर्ट् के तौर पर डॉ। आशा, डेंटिस्ट, टाटा ट्रस्ट और डॉ विक्रम सेन प्रोग्राम हेड, टाटा ट्रस्ट का साक्षात्कार लिया गया। डॉ आशा ने बताया कि महिलाओं में कैंसर किस उम्र में होती है और इसके वजह क्या है साथ ही ब्रेस्ट कैंसर को पहचानने की और सेल्फ एग्जामीन के तरीके भी बताए और डॉ विक्रम ने बताया की अक्टूबर महीने को ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर क्यों मनाया जाता है, साथ ही लोगों को यह भी बताया की ब्रेस्ट कैंसर केवल महिलाओं में नहीं बल्कि पुरुषों में भी हो सकता है रेडियो खाँची की ओर से साक्षात्कार को आरजे वैभवी ने लिया इस दौरान स्टूडियो में रेडियो खाँची के डायरेक्टर डॉ बी पी सिन्हा मौजूद रहें, जिन्होंने एक्सपर्ट्स का स्टूडियो में स्वागत किया साथ ही टाटा ट्रस्ट की ओर से मौजूद नीरज कौशिक से भविष्य में इस तरीके के और भी कार्यक्रम आयोजित करने के विषय में चर्चा की।

कोडिंग और रोबोटिक्स में प्रतिभागियों ने प्रतिभा का किया प्रदर्शन

रांची। बीआईटी मेसरा के इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) की ओर से आयोजित वार्षिक तकनीकी उत्सव पैंथियॉन के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शुरूआत गूगल-इट-आउट से हुई। इसमें छात्रों के दो के समूहों ने भाग लिया। प्रारंभिक दौर में, टीमों को 25 छवियों को खोजने के लिए और 30-120 सेकंड का समय दिया गया था। फ्लैश कोड में विभिन्न भाषाओं में विभिन्न प्रश्नों को हल करके अपने प्रोग्रामिंग कौशल का प्रदर्शन करना था। इसमें 45 प्रतिस्पर्धी टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 12 टीम फाइनल में पहुंचीं। टीम नॉटसोस्लिमशैडीज-विजेता रही। कोडजिला एक कोडिंग प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रतिभागियों को एक निश्चित समय सीमा में अधिकतम समस्याओं को हल करना था।

552 घरों में डेंगू का लार्वा, युद्ध स्तर पर फॉगिंग कराने का मेयर ने दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। डेंगू ने राजधानी में दस्तक दे दी है। एक के बाद एक नए मरीजों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की नींद उड़ी हुई है। जिस तरह से शहर में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रह है उससे यह साबित होता है कि इसकी संख्या और बढ़ेगी। प्रशासन ने इसके लिए अर्ल्ट भी जारी कर दिया है। उनका कहना है कि घरों के पास किसी तरह का गंदा पानी को जमा नहीं होने और न ही किसी तरह का कचरा का जमाव भी नहीं होने दें ताकि उसपर मच्छरों का प्रकोप ज्यादा हो और उससे बिमारी फैलने की संभावना प्रबल हो सके। नगर निगम क्षेत्र के कुछ वार्डों के 552 घरों में डेंगू का लार्वा मिलने के बाद

> रोस्टर तैयार कर 53 वार्डों में रेगुलर फॉगिंग व हैंड स्प्रे कराना सुनिश्चित करने की जरूरत है। जरूरत पड़ने पर स्पेशल टास्क फोर्स को कार्य में लगाएं। आयुक्त से यह भी कहा कि 53 वार्डों में लगे मिनी एचवाइडीटी के टंकी की भी जांच कराएं।

मेयर भी एक्शन मोड में है। उन्होंने कहा कि वार्ड 51, 52 व 53 के 552 घरों में डेंगू के लार्वा मिलना गंभीर है। नगर आयुक्त को निर्देश देते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में युद्ध स्तर पर कोल्ड फॉगिंग कराए। साथ ही नालियों व जलजमाव वाले क्षेत्रों में हैंड स्प्रे की व्यवस्था करें। रोस्टर तैयार कर 53 वार्डों में रेगुलर फॉगिंग व हैंड स्प्रे कराना सुनिश्चित करने की जरूरत है। जरूरत पड़ने पर स्पेशल टास्क फोर्स को कार्य में लगाएं। इसके अलावा मेयर ने नगर आयुक्त से यह भी कहा कि 53 वार्डों में लगे मिनी एचवाइडीटी के टंकी की भी जांच कराएं। जिन जगहों पर टंकी के पानी का उपयोग नहीं हो रहा है, वहां जमा पानी में भी डेंगू के लार्वा होने की संभावना है। मेयर ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने-अपने घरों में पानी का स्टोरेज अधिक दिनों तक न करें। छोटे बर्तन व पुराने टायर में जमा बारिश के पानी को हटाएं। चूंकि डेंगू का लार्वा साफ पानी में ही पनपता है। इसलिए सावधानी बरतें और डेंगू से स्वयं व अपने परिवार के सदस्यों को बचाए। फिनाइल और मच्छरों के मारने वाले लिक्विड से घर के अंदर व बाहर सफाई करें। अपने घर के आसपास व नालियों के किनारे ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करें।

पृष्ठ एक के शेष

सीएम हेमंत ने युवाओं को...

बजाय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल हो। वे स्वरोजगार या रोजगार में लगें। स्वरोजगार के लिए पांच लाख तक लोन दिये जा रहे हैं। पंचायतों, गांवों में शिविर लगा कर युवाओं को इसके लिये जागरूक किया जा रहा। सरकारी योजनाओं से लाभ उठाने को जागरूक किया जा रहा। बूढ़ा पहाड़ तक के इलाके में अधिकारी इसके लिये जा रहे हैं।झामुमो प्रमुख और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन सहित उनके परिजनों के खिलाफ लोकपाल के यहां चल रहे मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कानूनी मसलों पर कानूनी तरीकों से जवाब दिया जा रहा। केंद्र सरकार असीम ताकत से केंद्रीय एजेंसियों का असीम दुरुपयोग कर रही है। भला कोई मुख्यमंत्री 88 डिसमिल जमीन को लेकर घोटाला करेगा, ऐसा आरोप लगानेवाले को चुल्लू भर पानी में डूब जाना चाहिए। कोई आदिवासी, वंचित समाज से आगे आकर व्यवस्था संभाले, यह विपक्ष के कई नेताओं को नहीं पच रहा। केंद्र के पास रॉयल्टी का तीन हजार करोड़ सहित अन्य मद का बकाया है। इसे राज्य लेकर रहेगा। पर इसकी मांग करने पर जांच एजेंसियों के बहाने पीछे बेताल छोड़ दिया जाता है। कैबिनेट में बदलाव के मसले पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों की समीक्षा होती रहती है। अभी कैबिनेट में किसी तरह के बदलाव की बात नहीं है। बोर्ड, आयोग, निगम के गठन के लिए महागठबंधन दलों के बीच विमर्श जारी है। इनके नहीं होने से किसी का कोई काम प्रभावित नहीं हो रहा। सरकार सबों के हितों को देखते काम कर रही है। श्री सोरेन ने कहा कि राज्य में जल्द ही निकाय चुनाव की घोषणा होगी।

जान से मारने की...

अशोका बिल्डकोन के कैंप कार्यालय पर गोलीबारी कर अमन साहू चर्चा में आया था।अपराधी अमन साहू ने गिरिडीह जेल में बंदी के दौरान वहां के जेलर और मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में रहे तत्कालीन जेलर प्रमोद कुमार पर हमला करवाया था। जेल से कोर्ट जाने के दौरान उन पर तीन गोली चलाई गई थी। हालांकि इस घटना में जेलर प्रमोद कुमार बाल बाल बचे थे। इस घटना के बाद अमन साहू को गिरिडीह जेल से सिमडेगा जेल भेजने का निर्णय लिया गया था।

अगर भारतीय सेना पर कोई आंख...

भारतवासियों को यह दिखाया है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वे देश की एकता और अखंडता के लिए पूरी तत्परता से काम करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार, सेना और सामान्य जन में ऐसा सौहार्द और सहयोग देखकर मुझे पूरा भरोसा है कि भारत की सेनाओं पर कोई आंख उठाकर देखने का प्रयास करेगा तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास बदल जायेगा। सेना और सामान्य जन का ऐसा बढ़िया तालमेल वह भी बेहद विषम परिस्थितियों में सिर्फ इन्हीं नार्थ-ईस्ट राज्यों में ही मिल सकता है।

हथियार के साथ चार अपराधी...

की है। गिरफ्तार अपराधियो में चैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तालापारा निवासी शंकर चौधरी के पुत्र सकेंदर चौधरी उम्र 25 बालमुकुन्द चन्द्रवंशी के पुत्र विशाल कुमार उम्र 20 वर्ष एवं पाटन क्षेत्र के ग्राम सिक्की मेराल निवासी राजेन्द्र सिंह के पुत्र छोटू सिंह उम्र 20 वर्ष एवं पैरू सिंह के पुत्र रूपेश्वर सिंह शामिल हैं। छापामारी दल में चैनपुर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता, एसआई अमन कुमार, अक्षय कुमार, एएसआई राजीव कुमार, सुधीर कुमार, राजेश कुमार वर्मा, सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

समय-समय पर चलाये जा रहे हैं...

दवाएं बरामद की गई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार झा ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ समय समय पर अभियान चलाया जा रहा है। वर्तमान में जिले में नक्सली गतिविधि पर अंकुश लगाया जा चुका है। पुलिस को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से नक्सली विस्फोटक छिपा कर रखे हुए थे। जिस पर अभियान के दौरान जवानों की नजर पड़ गई। वहीं नक्सली अपनी सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार की दवाएं भी रखे हुए थे। फिलहाल पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में पूरी तरह से नक्सलियों की सफाया करने के लिए कमर कस चुकी है। इसी लिए निमित्त अभियान चलाया जा रहा है। बरामद सामग्री में चार केन बम, सिरिंज आईईडी तीन पीस, तीन सौ मीटर कोर्डटैक्स तार, चार्जर एक पीस आदि के अलावा अंग्रेजी दवा बेटाडिन, डीएनएस सात बोतल, एनएस दो, आरएल तीन बोतल, सिरिंज सौ पीस, स्लाई नली पांच पीस, कॉटन एक बंडल, मलेरिया कीट 16 पीस बरामद किया गया है।

दिल्ली से दुबई 11690 रुपये में जबकि...

के मंत्री संजय कुमार झा ने 15 अक्टूबर, 2022 को केंद्र की उड़ान योजना पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से दुबई 11,690 रुपये में जबकि दिल्ली से दरभंगा 21,420 रुपये में। स्थिति ऐसी है कि विदेश जाने का किराया सस्ता है, लेकिन देश में ही एक राज्य से दूसरे राज्य जाना विदेश जाने के किराये से लगभग दोगुना दाम चुकाना पड़ रहा है। देश की राजधानी नयी दिल्ली से उत्तरी बिहार के शहर दरभंगा जाने के लिए यात्रियों को दुबई जाने के किराये से लगभग दोगुना दाम चुकाने पड़ रहे हैं। मंत्री संजय कुमार झा ने एयरलाइंस की उड़ान से संबंधित ट्वीट पर किराये की कॉपी शेयर करते हुए लिखा है कि दीवाली से पहले दिल्ली से दरभंगा की नॉन स्टॉप फ्लाइट का टिकट 21,420 रुपये में, जबकि दिल्ली से दुबई की नॉन स्टॉप फ्लाइट का टिकट सिर्फ 11,690 रुपये में मिल रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि उड़ान स्कीम की यह कैसी उड़ान है?

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
चोरी गये वाहन
मोटरसाईकिल TVS Apache (रंग– Pwhite)

नगरउंटारी थाना कांड सं0–99/2022 दिनांक–20.09.2022 धारा–379, भा0द0वि0 में चोरी गयी मोटरसाईकिल **TVS Apache** (रंग– **Pwhite**) जिसका रजी0 नं0– JH14C8665 इंजन नं0– OE6CE2273681 एवं चेचिस नं0–MD634KE67E2C31060 का अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा दि0–17.09.2022 की रात्री नगरउंटारी बाजार जयसवाल स्टुडियो के पास से चोरी कर लिया गया है। जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी मोटरसाईकिल के बारे में किसी प्रकार की सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करेंगे।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा।

PR.NO.280018 Police(22-23):D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, चतरा।
(समाज कल्याण शाखा)

-::आम सूचना::-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपायुक्त महोदय, चतरा के ज्ञापांक–1390/स0क0 दिनांक–06.10.2022 के आलोक में चतरा जिला में नशा मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों/संस्थाओं/महाविद्यालयों के छात्र/छात्रा को नशा मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत तीन दिवसीय कार्यशाला–सह–जागरुकता शिविर का आयोजन निम्नानुसार की जा रही है।

क0सं0	तिथि	प्रशिक्षण स्थल	समयावधि
1	17.10.2022	चतरा महाविद्यालय	11:30 पूर्वाह्न से 01:00 बजे अपराह्न एवं 1:30 बजे अपराह्न से 3:00 बजे अपराह्न
2	18.10.2022	डी0आर0डी0ए0 प्रशिक्षण भवन	11:30 पूर्वाह्न से 01:00 बजे अपराह्न एवं 1:30 बजे अपराह्न से 3:00 बजे अपराह्न
2	19.10.2022	प्रखण्ड सभागार, टण्डवा	11:30 पूर्वाह्न से 01:00 बजे अपराह्न एवं 1:30 बजे अपराह्न से 3:00 बजे अपराह्न

उक्त कार्यशाला का आयोजन स्तम्भ 04 में अंकित समयावधि के अनुरुप दो सत्रों में की जानी है। साथ ही प्रत्येक सत्र में दो सत्र (यथा 15–15 मिनट) का स्लॉट जो कि Online पद्धति के माध्यम से छात्र/छात्रा को नशा के दुश्प्रभाव से जागरुक करने से संबंधित, प्रस्तावित है।

उक्त कार्यशाला में Online अपना अुनभव आदान–प्रदान करने हेतु रॉची/दिल्ली/बैंगलौर एवं अन्य शहरों के सुप्रसिद्ध एवं अनुभवी वक्ता को कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उक्त कार्यशाल में अपना अनुभव आदान–प्रदान करने से संबंधित सुप्रसिद्ध एवं अनुभवी वक्ता से नम्र अनुरोध है कि आप अद्योहस्ताक्षरी के मोबाइल सं0–9431192297 अथवा कार्यालय सहायक श्री अनिल कुमार के मोबाइल सं0–8789395642 पर सम्पर्क स्थापित करने की कृपा की जाय।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
चतरा।

PR 280014 (Social Welfare,Women and Child Development) 22-23 (D)

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल विभाग
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

ई–प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
प्रथम आमंत्रण

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या **DWSD/Lohardaga/10/2022-23** दिनांक : 12.10.2022

1	कार्य का नाम –	Detailed survey, designing and drawing, Construction of R.C.C. Intake Well cum Pump House, 64 Mtr. Long & 3.50 Mtr. Wide Gangway 5.10 MLD capacity Conventional Water Treatment Plant, RCC Elevated Service Reservoir – 5 nos., Staff Quarter, Compound wall, Infiltration Gallery, Supplying and laying Raw and Clear Water rising main and Distribution Network, House Connection -7527 nos., Supplying and Installation of VT and Centrifugal pump motor, Railway Crossing, Five years operation & maintenance with allied works etc. all comple te job for **Arkosa and Adjoining villages Rural Water Supply Scheme** under D.W. & S. Division **Lohardaga** on turnkey basis."
2	प्राक्कलित राशि	**5974.34** लाख रूपये
3	अग्रधन की राशि	59.75 लाख रूपये
4	परिमाण विपत्र का मूल्य	0.10 लाख रूपये
5	कार्य पूरा करने की अवधि	30 months + 3 months (Trial and run for rectification of defects etc.)
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	03.11.2022, 03:30 बजे अपराह्न से
7	प्री बीड मिटिंग की तिथि	दिनांक 10.11.2022, समय 11:30 बजे पूर्वाह्न में अभियंता प्रमुख, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का कार्यालय, नेपाल हाउस, रांची
8	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	14.11.2022, 03:30 बजे अपराह्न तक
9	बैंक गारंटी एवं परिमाण विपत्र का मूल्य जमा करने की अंतिम तिथि, समय एवं स्थान	16.11.2022, 03:30 बजे अपराह्न तक 1. कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा का कार्यालय 2. अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला का कार्यालय 3. क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, रांची प्रक्षेत्र, रांची का कार्यालय
10	निविदा के तकनीकी बीडों को खोलने की तिथि एवं समय	17.11.2022, 11:30 बजे पूर्वाह्न से
11	निविदा के वित्तीय बीडों को खोलने की तिथि	बाद में सूचित किया जाएगा।
12	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी एवं कार्यालय का पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा
13	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0	9431516030

नोटः प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है। तद्नुसार ही अग्रधन की राशि देय होगी।
विस्तृत जानकारी बेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

PR 280090 (Lohardaga) 22-23 (D)

न्यूज गैलरी

क्रिकेट सलामी बल्लेबाजी और तेज गेंदबाजी से पाकिस्तान मजबूत दावेदार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की दमदार सलामी जोड़ी और शानदार तेज गेंदबाजी के कारण पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया में खेले जानेवाले टी-20 विश्व कप जीतने के सबसे मजबूत दावेदारों में से एक है। टीम 2007 में उपविजेता रहने के बाद 2009 में इस टूर्नामेंट के दूसरे सत्र की चैम्पियन बनी। पाकिस्तान इसके बाद तीन बार खेल के सबसे छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप के विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा, जिसमें यूएई में खेला गया पिछला टूर्नामेंट भी शामिल है। पाकिस्तान को टूर्नामेंट के शुरूआती चरण में भारत, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और दो क्वालीफायर टीमों से भिड़ना है। किसी भी प्रारूप के विश्व कप में भारत से हार का सिलसिला टीम ने बीते टी-20 विश्व कप में खत्म किया। इस मैच में बाबर और रिजवान की जोड़ी ने पाकिस्तान को 10 विकेट से जीत दिलाई थी। इस विश्व कप में पाकिस्तान अपने ग्रुप के सभी पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया लेकिन यहां ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

रोहित ने सेलिब्रेट किया बाबर आजम का बर्थडे

मेलबर्न (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शनिवार को 28 साल के हो गये। उन्होंने अपना जन्मदिन ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जुटे दुनिया के 15 कप्तानों के साथ सेलिब्रेट किया। रोहित इससे पहले बाबर आजम के साथ बात करते हुए भी नजर आये। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसका वीडियो और फोटो शेयर किया है। इस दौरान केन विलियमसन, एरोन फिंच, शाकिब अल हसन और जोस बटलर भी मौजूद थे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शनिवार को वर्ल्ड कप में भाग लेनेवाली सभी टीमों के कप्तानों ने प्रेस कांफ्रेंस में भाग लिया। इसके बाद बाबर आजम के लिए पिच और स्टंप्स वाला विशेष केक लाया गया। टी-20 वर्ल्ड कप 16 अक्टूबर से शुरू होना है। सभी टीमें ऑस्ट्रेलिया पहुंच गयी हैं। पहले क्वालिफाइंग राउंड खेले जायेंगे। जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी।

गंभीर से पंगा लेकर अफरीदी ने की थी बड़ी गलती

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज गौतम गंभीर के लिए 14 अक्टूबर का दिन बेहद खास है। दरअसल, गंभीर 14 अक्टूबर को 41 साल के हो गये। सन 1981 को दिल्ली में जन्मे गंभीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में खूब ऐसी पारियां खेलीं, जो जीत दिलाने में अहम साबित हुईं। 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप में मिली खिताबी जीत में भी गंभीर ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, खेल के अलावा गंभीर अपने गुस्सैल रवैये से भी खूब चर्चा में रहे। मैदान पर उनका विरोधी टीमों के खिलाड़ियों के साथ कई बार झगड़ा हुआ। लेकिन पाकिस्तान टीम के खिलाफ उनका गुस्सा अलग लेवल का ही रहा। यहां तक कि शाहिद अफरीदी भी उनसे बच नहीं पाए थे। फैंस को 2007 वर्ल्ड कप भारत की खिताबी जीत और युवराज सिंह के एक ओवर में लगातार 6 छक्कों के लिए ज्यादातर याद होगा। लेकिन इसके अलावा कुछ और भी घटा था, जो कई फैंस भूल नहीं पाए होंगे। दरअसल, फाइनल में पाकिस्तान से सामना हुआ था। भारत जब बल्लेबाजी करने उतरा तो उनके बड़े बल्लेबाज आउट हो गए थे, लेकिन पाक गेंदबाजी के सामने गौतम गंभीर टिक गए और उन्होंने 54 गेंदों पर 75 रन की पारी खेल टीम का स्कोर 157 तक पहुंचाया।

खिलाड़ियों के जज्बे से खुश लेकिन नतीजों से नहीं : कोच

भुवनेश्वर (एजेंसी)। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 ग्रुप ए टाई में मोरक्को के खिलाफ 3-0 से मिली हार के एक दिन बाद भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनरबी ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों के समग्र प्रदर्शन से काफी संतुष्ट हैं, लेकिन निश्चित तौर पर टीम के परिणामों से निराश भी हैं। कोच डेनरबी ने कहा कि मुझे कल के प्रदर्शन पर अपनी लड़कियों पर गर्व है लेकिन अंत में परिणाम से बिल्कुल भी खुश नहीं हूं, मुझे पता है कि हम टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं, लेकिन फिर भी लड़कियों ने अंत तक जिस तरह से संघर्ष किया, उससे मैं खुश हूं। समस्या हमारे फिटनेस स्तर में नहीं थी, लेकिन हम तकनीकी तौर पर सही नहीं हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमें और मेहनत करने की जरूरत है। हाफ टाइम तक मोरक्को को गोल से दूर रखने के बाद भारत शुक्रवार को कलिंग स्टेडियम, भुवनेश्वर में अपने दूसरे विश्व कप मुकाबले में 3-0 से हार गया। स्वीडन के 64 वर्षीय कोच ने कहा कि मैं इतने लंबे समय से अपनी टीम के खेल को व्यवस्थित करने का भरसक प्रयास कर रहा था और सटीकता के साथ महत्वपूर्ण पास देकर खेलने का अभ्यास करा रहा था। हमें एक लक्ष्य बनाना चाहिए था जब अनीता दूसरे हाफ में प्रतिद्वंद्वी कीपर के आमने-सामने की स्थिति में थीं। फुटबॉल मुख्य रूप से कौशल का खेल है और हमें इस क्षेत्र में और अधिक सुधार करना चाहिए। यही कड़वी सच्चाई है।

टी-20 विश्व कप : आठवीं बार विश्व कप खेल रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बोले –

टी-20 क्रिकेट पिछले कुछ वर्षों में काफी विकसित हुआ

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी टी-20 विश्व कप 2022 से पहले शनिवार को कहा कि खेल का सबसे छोटा प्रारूप पिछले कुछ सालों में बहुत विकसित हुआ है। रोहित ने 20 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका में 2007 के विश्व कप में खेला था। इस मैच में वह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे। रोहित ने टूर्नामेंट के मेजबान के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप मैच में अर्द्धशतक ठोक कर अपनी छाप छोड़ी थी। रोहित ने जोहान्सबर्ग में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और 30 रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित ने टूर्नामेंट से पहले यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में

कहा कि जब मुझे उस विश्व कप के लिए चुना गया था, तो मैं अपने लिए मैदान में किसी उम्मीद के साथ नहीं उतरा था। मैं केवल टूर्नामेंट को आंनद लेने लिए उतरा और मैंने अपनी पूरी क्षमता के साथ टूर्नामेंट खेला, क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था। मुझे इस बात की कोई समझ नहीं थी कि विश्व कप का हिस्सा बनना कैसा होता है और जब तक हम वास्तव में विश्व कप नहीं जीत गये, तब तक मैं नहीं समझ सका कि यह कितनी बड़ी उपलब्धि है। रोहित ने कहा कि यह एक लंबा अनुभव रहा और खेल काफी बदल गया है। आप सचमुच देख सकते हैं कि यह 2007 की तुलना में अब कैसे खेला जाता है। उस समय 140 या 150 एक अच्छा स्कोर माना जाता था, लेकिन अब लोग 14 या 15 ओवर में ही यह स्कोर आसानी से हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में चार सप्ताह का टूर्नामेंट टी-20 विश्व कप का आठवां आयोजन है और रोहित भी आठवीं बार ही इस टूर्नामेंट में शामिल होंगे। रोहित के अलावा जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सीन विलियम्स, बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन और भारत के साथी दिनेश कार्तिक ऐसे खिलाड़ी हैं जो टी-20 विश्व कप के पहले आयोजन में भी थे और यहां भी खेल रहे हैं। रोहित ने कहा कि टीमों ने परिणाम की चिंता किये बिना बहुत अधिक जोखिम लेना शुरू कर दिया है, जो मुझे लगता है कि इस तरह के प्रारूप को खेलने का एक अच्छा तरीका है। यह कुछ ऐसा है जो हमारी टीम भी करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि यह उस तरह का प्रारूप है जहां जोखिम के साथ उच्च पुरस्कार भी है।

विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी।

भारत ने 7वीं बार जीता विमेंस एशिया कप

फाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से रौंदा, मंधाना ने बनाये नाबाद 51 रन

सिलहट (एजेंसी)। भारत ने सातवीं बार विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया है। शनिवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के आगे श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 65 रन ही बना पायी। इनोका रनवेरा ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाये। भारत के लिए रेणुका सिंह ठाकुर ने तीन विकेट लिये। राजेश्वरी गायवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट लिये। जवाब में भारत ने 8.3 ओवर में दो विकेट खोकर 71 रन बनाते हुए टारगेट हासिल कर लिया। स्मृति मंधाना ने छक्का जमाकर टीम इंडिया को खिताबी जीत दिलायी। मंधाना 25 गेंद पर 51 रन बनाकर नाबाद रहीं। उन्होंने छह चौके और तीन छक्के जमाये। उनका स्ट्राइक रेट 204 का रहा। कप्तान हरमनप्रीत कौर 11 रन बनाकर मंधाना के साथ नाबाद रहीं।

श्रीलंका से 5वां फाइनल जीता : टीम इंडिया ने एशिया कप के इतिहास में श्रीलंका से 5वां फाइनल मैच जीता है। दोनों टीमों के बीच अब तक पांच फाइनल खेले गये हैं। इन सभी में टीम इंडिया ही जीती है। भारतीय टीम लगातार आठवीं बार फाइनल में पहुंची थी। भारत ने 14 साल बाद एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को हराया है। इससे पहले 2008 में दोनों का आमना-सामना हुआ था।

रेणुका सिंह ठाकुर ने रखी भारत की जीत की नींव, चटकाये तीन विकेट

भारत की जीत की नींव रखने के लिए रेणुका सिंह ने तीन विकेट लिये जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट श्रीलंका को 65 रन पर रोक दिया। भारत को 66 रन के लक्ष्य तक पहुंचाने के प्रयास में शेफाली वर्मा (05) और जेमिमाह रॉड्रिगेज (02) आउट हो गयीं, लेकिन स्मृति ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 रन की साझेदारी करके भारत को आसान जीत दिलायी। स्मृति ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों के साथ नाबाद 51 रन बनाये जबकि हरमनप्रीत ने 14 गेंदों पर एक चौके के साथ नाबाद 11 रन का योगदान दिया।

मीडिया ओलंपिक : टीटी में शरददीप, कैरम में संजीवनी ने जीता खिताब

लखनऊ (एजेंसी)। नवाब नगरी लखनऊ में पहली बार खेले जा रहे मीडिया ओलंपिक के पहले दिन शनिवार को टेबल टेनिस में शरददीप अग्रवाल और कैरम में संजीवनी ने बालिका अंडर-16 का खिताब अपने नाम कर लिया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में पहले दिन कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और फुटबाल शूटआउट को मुकाबले हुए। शरददीप ने गुलशन द्विवेदी को 11-8, 5-21, 11-5, 8-11, 11-4 से हराया जबकि तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से राजीव तिवारी बाबा और आदित्य श्रीवास्तव रहे। प्रतियोगिता का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव खेल डॉ. नवनीत सहगल और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने किया। इस मौके पर डॉ. सहगल ने कहा कि मुझे मीडिया ओलंपिक को देखकर पहले एथेंस ओलंपिक की याद आ रही है जहां कुछ ही लोग इकट्ठा हुए थे।

शमी ने रिकवरी के दिये थे संकेत, बुमराह को लेकर जोखिम नहीं ले सकते थे : रोहित

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि टीम टी-20 विश्व कप में चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को उतारने का जोखिम नहीं ले सकती थी जबकि उनके विकल्प मोहम्मद शमी कोरोना संक्रमण से पूरी तरह उबर रहे हैं। टी-20 विश्व कप से पहले कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में रोहित ने शमी की फिटनेस को लेकर जानकारी दी। जुलाई से क्रिकेट नहीं खेले शमी को टीम में शामिल किया गया है। रोहित ने कहा कि शमी को दो तीन सप्ताह पहले कोरोना हुआ था। उस समय उसे एनसीए बुलाया गया। उसने पिछले दस दिन में काफी मेहनत की है और अब वह ब्रिसबेन में है। वह हमारे साथ प्रैक्टिस करेंगे। उन्होंने कहा कि उसकी रिकवरी के बारे में जो कुछ सुना है, वह सकारात्मक है। उसने तीन-चार गेंदबाजी सत्र में भाग लिये। हमने पिछले 12 महीने में खिलाड़ियों के प्रबंधन के लिए पूरे उपाय किये लेकिन चोट लग जाती है। टीम में जो भी हैं, उन्हें मैच अभ्यास मिला है। बुमराह कमर की

चोट के कारण टीम से बाहर है जिससे भारतीय गेंदबाजी कमजोर लग रही है। रोहित ने कहा कि बुमराह शानदार गेंदबाज है। हमने उसकी चोट के बारे में कई विशेषज्ञों से बात की, लेकिन जवाब सकारात्मक नहीं मिला। विश्व कप अहम है, लेकिन उसका कैरियर उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह 27-28 साल का ही है। उन्होंने कहा कि उसे यहां खिलाकर जोखिम नहीं लिया जा सकता था। हमें उसकी कमी खलेगी। उन्होंने कहा कि चोट लगना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन यह चलता रहता है। यही वजह है कि हमने पिछले एक साल में खिलाड़ियों का बड़ा पूल बनाया है। इतने मैच खेलने पर चोटें तो लगेंगी ही। पिछले एक साल में हमारा फोकस बेंच स्ट्रेंथ पर रहा है।

टी-20 विश्व कप से पहले तकनीकी बदलाव कर रहा हूं : आरोन फिंच

मेलबर्न (एजेंसी)। खराब फॉर्म से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि वह टी-20 विश्व कप से पहले अपने खेल में कुछ तकनीकी बदलाव कर रहे हैं । हाल ही में आस्ट्रेलिया की वनडे कप्तानी छोड़नेवाले फिंच इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी-20 मैचों में 25 रन ही बना सके। फिंच ने कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि टी-20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के लिए जोखिम भी है और पुरस्कार भी। आक्रामक खेलकर आप टीम को अच्छी शुरुआत दिला सकते हैं, लेकिन यह हमेशा रणनीति के अनुरूप नहीं रहता। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं। लंबे समय तक टी-20 क्रिकेट खेलने पर पता चल जाता है कि उतार-चढ़ाव तो आयेंगे ही। फिंच ने कहा मैंने कुछ तकनीकी बदलाव किये हैं और विश्व कप के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

ऑस्ट्रेलिया का सामना 22 अक्टूबर को सिडनी में न्यूजीलैंड से होगा। फिंच ने कहा कि उनके पास काफी संतुलित टीम है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 11 खिलाड़ी ही विश्व कप नहीं जीतते, सभी 15 खिलाड़ियों का योगदान होता है। हमारे पास काफी संतुलित टीम है। टीम में कई मैच विनर हैं। बल्लेबाजी में भी और गेंदबाजी में भी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछली तीन में से दो टी-20 श्रृंखलायें गंवाई हैं, लेकिन फिंच ने कहा कि महत्वपूर्ण बात सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना है । उन्होंने कहा कि सही समय पर अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। पिछले प्रदर्शन पर विश्लेषण करने का कोई फायदा नहीं। टीम में सभी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिए और उसके अनुरूप प्रदर्शन करना जरूरी है।

दिल्ली सीनियर लीग का 18 अक्टूबर से आयोजन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की 11 फुटबॉल टीमें दिल्ली सॉकर एसोसिएशन उर्फ फुटबॉल दिल्ली (एफडी) के प्रीमियर डिवीजन में जगह बनाने के लिए दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग 2022-23 में 18 अक्टूबर से आमने-सामने होंगी। एफडी के चेयरमैन जगदीश मल्होत्रा ने शनिवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहली दिल्ली प्रीमियर लीग और महिला प्रीमियर लीग के सफल आयोजन से उत्साहित पदाधिकारियों को उम्मीद है कि पिछले आयोजनों की तरह सीनियर डिवीजन लीग भी सफल साबित होगी। उन्होंने बताया कि भाग लेने वाली टीमों में नेशनल यूनाइटेड, जगुआर एफसी, सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स, यूनाइटेड भारत, गढ़वाल डायमंड एफसी, यंगमेन एससी, अहबाब एफसी, शास्त्री एफसी, दिल्ली टाइगर्स एफसी, सिटी एफसी और दिल्ली यूनाइटेड एफसी शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर उठी कोहली को गिरफ्तार करने की मांग, मर्डर से जुड़ा है मामला

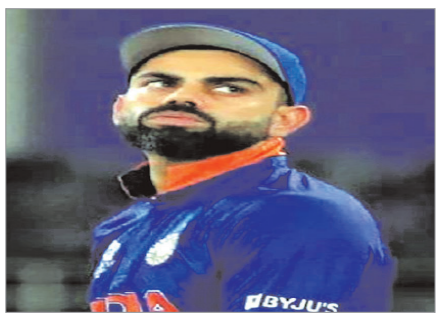

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के चाहनेवालों की संख्या दुनियाभर से करोड़ों में है, लेकिन फिलहाल सोशल मीडिया पर उन्हें गिरफ्तार किये जाने की मांग उठ रही है। ऐसा पहली बार देखने को मिला, जब कोहली के खिलाफ ट्विटर पर यूजर्स द्वारा खूब भड़ास निकली हो। दरअसल, मामला एक मर्डर से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर पूर्व कप्तान कोहली का नाम के रूप में ट्विटर पर रविवार को ट्रेंड कर रहा था। हुआ ऐसा कि मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित के एक फैन की विराट कोहली के फैन ने हत्या कर दी। दोनों युवा लड़कों के बीच कोहली और रोहित को लेकर आपसी बहस हो गई। रिपोर्ट के अनुसार हत्या करनेवाले लड़के ने शराब पी हुई थी। गुस्से में आकर उसने रोहित के फैन को मौत के घाट उतार दिया। जब खबर सामने आयी तो सोशल मीडिया पर कोहली को गिरफ्तार करने की मांग उठ गयी। हालांकि, कई फैंस कोहली की सपोर्ट में आते दिखे।

पुलिस की गिरफ्त में कोहली का फैन : यह घटना तमिलनाडु के अरियालुर जिले के पोयूर गांव में हुई। मृतक की पहचान पी विग्नेश नाम के 24 वर्षीय शर्मा प्रशंसक के रूप में हुई, जबकि गिरफ्तार कोहली समर्थक की पहचान धर्मराज के रूप में हुई, जिसकी उम्र 21 साल है। कीलापालुर पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा कि दोनों ने शराब का सेवन किया था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, विग्नेश मुंबई इंडियंस का समर्थन कर रहा था, जबकि धर्मराज रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के समर्थक थे। पुलिस ने कहा कि बहस के दौरान, विग्नेश ने कथित तौर पर आरसीबी और विराट कोहली का मजाक उड़ाया था। विग्नेश को हकलाने वाले धर्मराज को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। इससे धर्मराज नाराज हो गया, जिसने विग्नेश पर बोतल से हमला किया और बाद में उसके सिर पर क्रिकेट के बल्ले से प्रहार किया। धर्मराज जल्द ही मौके से फरार हो गया।

प्रो कबड्डी लीग : पुनेरी पल्टन को हराकर गुजरात जाएंट्स ने खोला जीत का खाता

बेंगलुरु (एजेंसी)। गुजरात जाएंट्स ने श्री कांतिरवा इंडोर स्टेडियम में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 18वें मुकाबले में शुक्रवार को पुनेरी पल्टन को 47-37 के अंतर से हराकर अपनी जीत का खाता खोल लिया है। तीन मैचों में गुजरात की पहली जीत है जबकि ईरानी दिग्गज फजल अतराचली की वापसी के बावजूद पल्टन का खाता नहीं खुल सका है। दोनों टीमों का यह तीसरा मुकाबला था। इससे पहले दोनों को एक-एक मैच में जीत मिली थी जबकि एक-एक मैच टाई रहा था। अब गुजरात ने इस जीत के साथ अंक तालिका में पांच स्थान की छलांग लगायी है। गुजरात की जीत के हीरो एचएच राकेश (15 अंक) रहे, जिन्होंने लगातार तीसरे मुकाबले में सुपर-10 पूरा किया।

सौरव गुलिया ने हाई-5 लगाकर उनका साथ दिया। सीजन में पहली बार ईरानी सुपरस्टार डिफेंडर फजल अतराचली की देखरेख में खेल रही पल्टन के लिए असलम इनामदार (19 अंक) ने एक बार फिर चमक दिखाते हुए लगातार दूसरा सुपर-10 पूरा किया लेकिन डिफेंस की कमजोरी के कारण वह तीन बार टीम को ऑल आउट होने से नहीं बचा सके, जो कि हार का मुख्य कारण बना। फजल की वापसी के बावजूद गुजरात ने शुरुआत 4-0 की लीड के साथ की थी, लेकिन पल्टन ने लगातार चार अंकों के साथ पांच मिनट की समाप्ति तक स्कोर 4-4 कर लिया। बराबरी का अंक मोहित ने डू ओर डाई रेड पर लिया। गुजरात ने जल्द ही एक लेकर स्कोर 5-4 किया और फिर एचएस राकेश ने दो अंकों की रेड के साथ लीड तीन की कर दी। फजल के आने से असलम पर से कप्तानी का दबाव कम हुआ 10वें मिनट में पहला रेड अंक लेने के बाद वह खुलकर सामने आए। इस बीच, राकेश ने एक बार फिर दो अंकों के साथ पल्टन को ऑल आउट की ओर धकेल दिया। पल्टन के लिए सुपर टैकल आन था। राकेश की रेड के दौरान बालासाहेब जाधव सेल्फ आउट हो गए। पल्टन असलम की जगह बादल को लेकर आए लेकिन वह पल्टन का ऑल आउट नहीं टाल सके। गुजरात ने 16-11 की लीड ले ली। ऑलआउट के बाद मोहित और असलम ने पल्टन को लगातार पांच अंक दिलाए।

जीत की हैट्रिक नहीं लगा सके स्टीलर्स, जयपुर ने हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। हरियाणा स्टीलर्स श्री कांतिरवा इंडोर स्टेडियम में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन में जीत की हैट्रिक नहीं लगा सके। शुक्रवार को खेले गये सीजन के 17वें मुकाबले में स्टीलर्स को पहले सीजन के चैम्पियन जयपुर पिंक पैंथर्स के हाथों 31-44 के अंतर से हार मिली। दोनों टीमों का यह तीसरा मुकाबला था। हरियाणा को लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली और इसके लिये वे खुद जिम्मेदार हैं, क्योंकि इस सीजन की अपनी दूसरी जीत हासिल करनेवाली जयपुर की टीम ने उसे तीन बार (पहले हाफ में एक बार और दूसरे हाफ में दो बार) आलआउट किया। जयपुर को एक मैच में हार भी मिली है।